जबलपुर
रविवार, 24 मार्च 2024

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रतलाम में 39 व नर्मदापुरम में 38.8 डिग्री के साथ रहे सबसे गर्म

हवाओं का रुख बदलने से बढ़ी तपिश, होली तक तपेगा प्रदेश

42 डिग्री तक तापमान बढ़ने के आसार, चार दिन बाद नया सिस्टम बनने से छाएंगे बादल, मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

होली नजदीक आने के साथ ही मौसम में भी गर्माहट बढ़ गई है। एक दिन पहले शुक्रवार को जहां प्रदेश में नर्मदापुरम सबसे गर्म था, वहीं शनिवार को रतलाम सबसे ज्यादा गर्म रहा, यहां 39 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया है।

अगले पांच दिन तक प्रदेश के अधिकांश शहरों का तापमान 42 डिग्री तक जा सकता है, जिससे तपिश बढ़ जाएगी। इसी क्रम में शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिक 39 डिग्री सेल्सियस तापमान रतलाम में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी चार दिन तक तापमान में बढ़ोतरी होने का सिलसिला बना रह सकता है।

शनिवार को भोपाल में भी दिन का तापमान 38.4 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विज्ञानी वेदप्रकाश सिंह का कहना है कि वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान के आसपास ट्रफ के रूप में बना हुआ है। इसके प्रभाव से राजस्थान पर एक चक्रवात बन गया है।

अरब सागर की नमी रुकी

मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी मिलने का सिलसिला थम जाने से पूरे प्रदेश में मौसम साफ हो गया है। हवाओं का रुख भी अभी दक्षिण-पूर्वी हो गया है। इस वजह से तापमान बढ़ने लगा है। तापमान में बढ़ोतरी का दौर चार दिन तक बना रह सकता है।

झाबुआ में भगोरिया उत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री यादव, मांदल की थाप पर जमकर थिरके

आने वाले समय में 'दल-दल' नहीं.. 'कमल ही कमल' रहेगा

आलोट के पूर्व कांग्रेस विधायक मनोज चावला और रतलाम के कांग्रेस नेता प्रमोद गुगालिया समर्थकों सहित भाजपा में शामिल हुए

सीएम ने कहा-अयोध्या में भगवान श्रीराम जी का आदिवासियों से 'पुराना रिश्ता'

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगोरिया की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे इन तीज त्योहार पर किसी दुश्मन की नजर न पड़े, आदिवासी भाई-बहन सच्चे अर्थों में आनंद लेते हैं। इस आनंद के लिए देवता भी तरसते हैं।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को रतलाम व झाबुआ दौरे पर थे। उन्होंने रतलाम में आलोट के पूर्व कांग्रेस विधायक मनोज चावला और रतलाम के कांग्रेस नेता प्रमोद गुगालिया व समर्थकों को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा में शामिल कराया। इसके बाद झाबुआ में राणापुर व मेघनगर में आयोजित भगोरिया महोत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मांदल की थाप पर भगोरिया उत्सव में जमकर थिरके। यहां मुख्यमंत्री का अलग रंग देखने को मिला। वे जनप्रतिनिधियों के साथ भगोरिया रंग में रंगे दिखाई दिए। झाबुआ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगोरिया की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगोरिया पर्व पर हमारे भाई-बहन कहीं भी रहें, लेकिन वो इस उत्सव में अपने गांव खुशी लेकर आते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे इन तीज त्योहार पर किसी दुश्मन की नजर न पड़े, आदिवासी भाई-बहन सच्चे अर्थों में आनंद लेते हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा

उनके मंत्री जेल गए, अब खुद भी जेल गए

डॉ. यादव ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जो कहते थे मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ूंगा, मैं गरीबों की बात करूंगा। उनके मंत्री जेल गए, अब खुद भी जेल गए। अब तो पद भी नहीं बचा, कैसी दुर्भाग्य की बात है। कांग्रेस भी उनका समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा कि अब तक जितने भी नेता हुए उनके खिलाफ अगर कोई मामला दर्ज हो गया या भूल से एफआईआर हुई हो तो उन्होंने पद छोड़ा और न्यायालय गए, अपने आपको बरी कराया। फिर वापस आए।

एक तरफ कितने गंदे लोग, दूसरी तरफ सूर्य की भांति चमकने वाला निष्कलंक नेता

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ कितने गंदे लोग, दूसरी तरफ सूर्य की भांति चमकने वाला निष्कलंक नेता है। जिसका पूरा परिवार, 142 करोड़ देशवासी मोदी जी को अपना परिवार मानते हैं। मोदी ऐसे बेईमानों को नहीं छोड़ेंगे, चोर की जगह जेल में है। मोदी जी ने कहा - 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा'.. ये जो आव्हान किया है, हम सब उसका पालन करेंगे।

आदिवासी भाई अपने फलिया में ही आनंद के साथ जीवन जीते हैं

डॉ. यादव ने कहा कि कहा कि बड़े-बड़े महल और किले बनवाकर राजा-महाराजा अपने लिए सुरक्षा और खुशियां खोजते रहते थे, लेकिन हमारे आदिवासी भाई अपने फलिया में ही जितने आनंद के साथ जीवन जीते हैं, उसके लिए देवता भी तरसते हैं। बहादुर भी इतने कि दुश्मन भी उनकी तरफ पलटकर नहीं देखता। आप सभी भाई-बहनों ने विधानसभा चुनाव में गुजरात से लेकर राजस्थान, मप्र और छग तक कमल खिलाया है, जो पूरा आदिवासी बेल्ट है। इसी तरह हमें आने वाले लोकसभा चुनाव में भी कमल खिलाना है।

रामलला के संग 'पहली होली'...

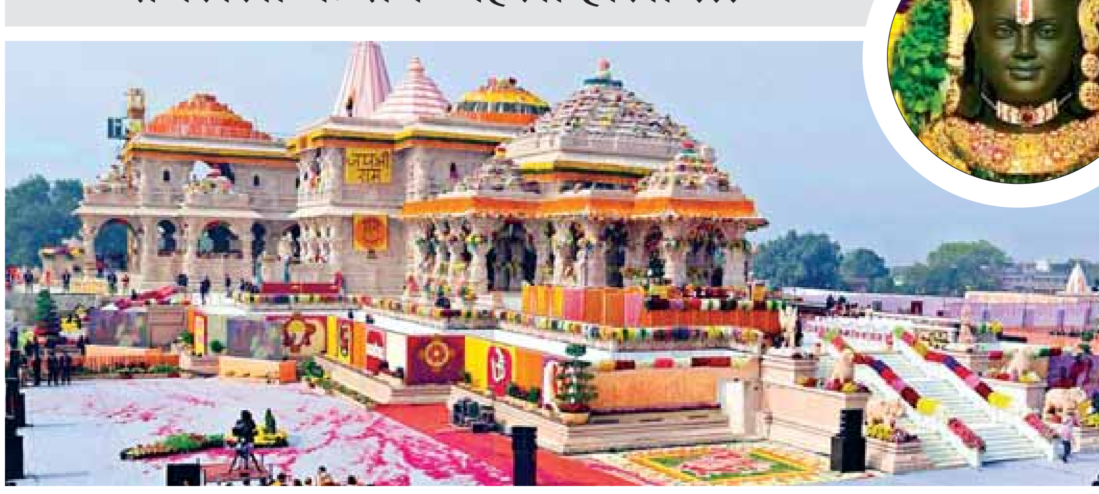

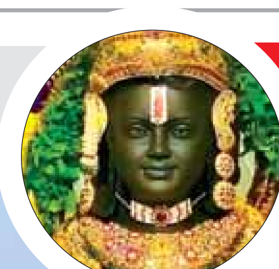

होली के लिए रामलला के लिए पोशाक तैयार

अयोध्या। नव्य और दिव्य मंदिर में 22 जनवरी को विराजमान होने के बाद रामलला की यह पहली होली होगी। इसे भव्य बनाने की पूरी तैयारी है। यद्यपि अभी यह तय नहीं हो सका है कि राम मंदिर में होली कब मनाई जाएगी। इस संदर्भ में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट प्रधान अर्चक आचार्य सत्येंद्रदास से मंत्रणा कर रहा है।मंदिर में होली संबंधी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। रामलला को नित्य नई पोशाक धारण कराई जाती है। यदि सोमवार को होली मनाई गई, तो श्वेत पोशाक और यदि मंगलवार को होली मनाई गई, तो रामलला को धारण कराए जाने के लिए लाल पोशाक तैयार है। इसके अलावा उनको प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन पहनाए गए आभूषण धारण कराए जाएंगे।

मतदाताओं को लुभाना चाहता था नकली शराब गिरोह

संगरूर में जहरीली शराब पीने से 21 की मौत... कई अस्पताल में

पुलिस ने 200 लीटर इथेनॉल और शराब की 156 बोतल बरामद की

पुलिस ने अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया

एजेंसी ▸▸ चंडीगढ़

पंजाब के संगरूर में जहरीली शराब पीने से 21 लोगों की मौत हो गई है। बुधवार को जहरीली शराब पीने से पांच लोगों की मौत हुई थी। साथ ही दो दर्जन से अधिक बीमार हो गए थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन अब तक 16 और लोगों की मौत हो गई। जहरीली शराब मामले में पुलिस ने अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। विशेष पुलिस महानिदेशक अर्पित शुक्ला ने बताया कि मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पटियाला निवासी हरमनप्रीत सिंह, सुखविंदर सिंह, मनप्रीत सिंह और गुरलाल सिंह को गिरफ्तार जा चुका है।

लोकसभा चुनाव हो सकता था प्रभावित

पुलिस ने बताया कि जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनसे पूछताछ से पता चला कि लोकसभा चुनावों के मद्देनजर इलाके में नकली शराब बेचने का धंधा शुरू किया था। पुलिस ने कहा कि नकली शराब का गिरोह मतदाताओं को लुभाकर चुनाव को प्रभावित कर सकता था। भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और आबकारी शुल्क अधिनियम के तहत आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

इन विधायकों को स्पीकर ने अयोग्य घोषित किया था

लोकसभा चुनाव के पहले कांग्रेस में भगदड़, हिमाचल के 6 बागी और 3 निर्दलीय विधायक समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ शिमला

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल की मौजूदगी में ली सदस्यता

अयोग्य ठहराए गए कांग्रेस के बागी 6 विधायक राजेंद्र राणा, सुधीर शर्मा, रवि ठाकुर, इंद्रदत्त लखनपाल, देवेंद्र भुट्टो और चैतन्य शर्मा भाजपा में शामिल हो गए हैं। साथ ही 3 निर्दलीय आशीष शर्मा, केएल ठाकुर और होशियार सिंह ने भी भाजपा का दामन थाम लिया है। शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल की मौजूदगी में सभी बागी भाजपा में शामिल हुए। राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है गुरुवार रात भाजपा हाईकमान के साथ हुई बैठक में भाजपा में शामिल होने पर सहमति बनी थी। बागी विधायकों ने भाजपा से बातचीत के लिए राणा को अधिकृत किया था। बताया जा रहा कि इस दौरान भविष्य की सियासत को लेकर गहन चर्चा भी की। भाजपा जल्द लोकसभा चुनाव के लिए कांगड़ा व मंडी और विधानसभा उपचुनाव के लिए 6 प्रत्याशी घोषित कर सकती है। राणा ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई मुलाकात के बाद सब कुछ तय हो गया है।

▲ राजेंद्र राणा, सुधीर शर्मा, रवि ठाकुर, इंद्रदत्त देवेंद्र भुट्टो और चैतन्य के नाम

▲ आशीष शर्मा, केएल ठाकुर और होशियार सिंह निर्दलीय रूप से एमएलए चुने गए थे

याचिका वापस लेने में कोई कानूनी

विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका वापस लेने में कोई कानूनी अड़चन नहीं है। जयराम ठाकुर निर्दलियों को लेकर नई दिल्ली गए थे। आज शाम को 7 बजे सभी शिमला लाए जाएंगे। भाजपा की ऐसी योजना है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस के छह बागी और तीन निर्दलीय विधायक पीटरहॉफ शिमला पहुंचाए जाएंगे।

नेताओं ने कांग्रेस को घेरा

यहां पर कांग्रेस का कोई विजन नहीं: सुधीर शर्मा

सुधीर शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस पार्टी का कोई विजन नहीं है। कांग्रेस सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी को आलोचना करती है। जब हम अपने लोगों से किए गए वादे पूरे नहीं कर पा रहे हैं तो विधायक होने का क्या मतलब है। इसीलिए राज्यसभा चुनाव में हमने हर्ष महाजन को वोट दिया जो हमारे राज्य से हैं।

सीएम तानाशाह बन गए: राणा

राजेंद्र राणा ने कहा कि जब से राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी, उनकी सुनवाई नहीं हुई। सरकार की ओर से युवाओं को रोजगार देने सहित अन्य मुद्दों पर गौर नहीं किया गया। कांग्रेस सरकार गारंटी पूरी नहीं कर रही है सीएम तानाशाह बन गए हैं और लोगों को अपमानित कर रहे। इनके समर्थक भी भाजपा में शामिल हो गए।शामिल होते ही ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सुजानपुर के अध्यक्ष समेत समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी और सदस्यों ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है।

कांग्रेस सरकार में प्रताड़ना झेलनी पड़ी: रवि ठाकुर

वहीं, रवि ठाकुर ने कहा कि उन्होंने लाहौल-स्पीति की 40 सालों तक बिना किसी स्वार्थ के कांग्रेस में रहकर सेवा की। कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में हमेशा निष्ठा से जुड़ा रहा, लेकिन कांग्रेस सरकार में प्रताड़ना झेलनी पड़ी। जनता के हक के लिए आवाज उठाई,हमेशा दबाने का प्रयास किया गया।

जनता की सेवा के लिए राजनीति में आए: चैतन्य शर्मा

चैतन्य शर्मा ने कहा कि वह सत्ता लाभ के लिए नहीं, आम जनता की सेवा के लिए राजनीति में आए हैं। वे युवाओं, महिलाओं की मांग को प्रमुखता से उठाते रहे हैं और अपने क्षेत्र के विकास के लिए तत्पर रहेंगे। देवेंद्र कुमार भूट्टो के भाजपा में शामिल होते ही कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में समर्थकों ने नारेबाजी की। समर्थकों ने नारेबाजी और आतिशबाजी की।

15 महीनों से विकास कार्य ठप हो गए: होशियार सिंह

निर्दलीय होशियार सिंह ने कहा कि इस वक्त हिमाचल प्रदेश के हालात बहुत खराब हैं। चाहे आर्थिक स्थिति हो या कानून व्यवस्था हो। हम निर्दलीय विधायक हैं और हमें राज्यसभा चुनाव में वोट देने का पूरा अधिकार था। पिछले 15 महीनों में विकास कार्य पूरी तरह से रुके पड़े हैं और इसलिए हमने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है।

कांग्रेस की कार्यक्षमता चरमरा गई: इंद्रदत्त लखनपाल

भाजपा में शामिल होने के बाद हिमाचल के बागी विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने कहा कि कांग्रेस की कार्यक्षमता चरमरा गई है। ना तो हाईकमान का कोई प्रभाव है और ना ही पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए कोई सम्मान बचा है।

कर्नाटक में भाजपा-जेडीएस में सीट शेयरिंग तय

28 सीटों पर मिलकर लड़ेंगे चुनाव

कर्नाटक में एनडीए में शामिल हुई जेडीएस ने भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन किया है। दोनों के बीच सीट शेयरिंग का फार्मूला भी तय हो चुका है। भाजपा और जेडीएस 28 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। जेडीएस के साथ सीट बंटवारे पर कर्नाटक राज्य चुनाव प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा, भाजपा और जेडीएस ने 28 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। भाजपा जेडीएस के समर्थन से 25 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और जेडीएस भाजपा के समर्थन से 3 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

गुजरात में भाजपा के 2 ने चुनाव लड़ने से किया मना

गुजरात में वडोदरा की भाजपा सांसद रंजनबेन के चुनाव लड़ने से मना करके बाद पार्टी को एक और झटका लगा है। साबरकांठा से भाजपा के प्रत्याशी भीखाजी ठाकोर ने भी चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। भीखाजी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से इस फैसले की जानकारी दी है।

उन्होंने लिखा है कि 'मैं भीखाजी ठाकोर व्यक्तिगत कारणों से साबरकांठा लोकसभा सीट से चुनाव नहीं लड़ना चाहता हूं। कांग्रेस ने यहां से पूर्व सीएम अमर सिंह चौधरी के बेटे डॉ. तुषार चौधरी को मैदान में उतारा है।

अनुशासनहीनता पर कार्रवाई

बसपा के श्रावस्ती से सांसद वर्मा और भाई पार्टी से निष्कासित

अंबेडकरनगर जिले के निवासी श्रावस्ती सांसद राम शिरोमणि वर्मा और उनके भाई पार्टी नेता राम सुरेश वर्मा को बसपा ने निष्कासित कर दिया है। अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए जिला कमेटी ने यह कार्रवाई की है। अकबरपुर निवासी राम शिरोमणि वर्मा ने पिछला लोकसभा चुनाव श्रावस्ती से बसपा के जीत दर्ज कर सांसद बनने में सफल रहे थे।पिछले काफी समय से उनके दलबदल करने को लेकर कई तरह की अटकलें चली आ रही थीं। हालांकि सांसद द्वारा इसे मनगढ़ंत बताया जाता रहा। इस बीच पार्टी नेतृत्व से प्राप्त निर्देशों के क्रम में जिलाध्यक्ष सुनील गौतम ने शनिवार को अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में सांसद को पार्टी से बाहर कर दिया।

टीएमसी नेता शत्रुघ्न ने कहा

इंडि गठबंधन फिल्टर कॉफी, चुनाव के बाद स्वाद और बढ़ेगा

कोलकाता। टीएमसी नेता और सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने विपक्षी गठबंधन इंडि एलायंस को 'फिल्टर कॉफी' बताया है। आसनसोल के सांसद ने देशभर में 'क्रांतिकारी यात्रा' के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रशंसा करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद तृणमूल सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी की भूमिका 'रुख पलटने' वाली होगी। सिन्हा ने कहा कि चुनाव के बाद गठबंधन का स्वाद और बढ़ेगा।

भागलपुर से अभिनेत्री नेहा के चुनाव लड़ने की चर्चा

बिहार में लोकसभा चुनाव का बिगुल बजते ही अब उम्मीदवारों का ऐलान भी होने लगा है। महागठबंधन में अभी सीटों का बंटवारा फाइनल नहीं हुआ है। इस चुनाव में कई युवा चेहरे भी मैदान में उतारे जा रहे हैं। भागलपुर लोकसभा सीट को लेकर अभी संशय की स्थिति बनी हुई है। इस सीट पर राजद अपना उम्मीदवार उतारेगा या कांग्रेस इस सीट पर प्रत्याशी देगी, इसका फैसला बाकी है। इसी बीच कांग्रेस ने बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा को चुनावी मैदान में उतारने की उम्मीद जताई है।

खबर संक्षेप

कविता की रिमांड 26 मार्च तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बीआरएस एमएलसी के. कविता की रिमांड तीन दिनों के लिए बढ़ा दी है। एक्साइज पॉलिसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने उनकी रिमांड बढ़ाने की मांग की थी। अब वह 26 मार्च तक ईडी की रिमांड पर हिरासत में रहेंगी। कविता को शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में ईडी ने पेश किया।कोर्ट ने रिमांड अवधि बढ़ाने का आदेश दिया।

सपा विधायक अभय को मिली वाई सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के समाजवादी पार्टी विधायक अभय सिंह की सुरक्षा में इजाफा किया है। उन्हें वाई कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है। अभय सिंह पिछले कुछ महीनों में अपने सियासी कदमों के चलते चर्चा में रहे हैं, क्योंकि उन्होंने राज्यसभा चुनावों के दौरान भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट डाला था। इसको लेकर आरोप भी लगे थे कि भाजपा जोड़तोड़ कर रही है।

एल्विश यादव को एक और केस में जमानत

गुरुग्राम। यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी-2 विजेता एल्विश यादव को कॉन्टेंट क्रिएटर सागर ठाकुर उर्फ मैक्सटर्न से मारपीट वाले मामले में भी आज गुरुग्राम कोर्ट से जमानत मिल गई। एल्विश को दो दिन में यह दूसरी राहत है। इससे पहले नोएडा की एक अदालत ने भी एल्विश को रेव पार्टियों में सांपों का जहर सप्लाई करने के मामले में शुक्रवार को जमानत दे दी थी।

मैदान में कूदीं सुनीता केजरीवाल, भावुक होकर पढ़ा सीएम का पत्र

सीएम केजरीवाल ईडी की हिरासत में

जल्द जेल से बाहर आऊंगा, दिल्ली सरकार की योजनाओं को चालू रखें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अरविंद केजरीवाल के शराब घोटाले में जेल जाने के बाद उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल मैदान में उतरी हैं। केजरीवाल ने जेल से जनता के लिए अपना संदेश पत्नी सुनीता के माध्यम से ही सुनाया है। उन्होंने जल्द जेल से बाहर आने का भरोसा दिखाया है। कार्यकर्ताओं से दिल्ली सरकार की योजनाओं को आगे चालू रखने को कहा है। सुनीता से यह संकेत मिल गए हैं कि यदि इस्तीफा देना पड़ा तो मुख्यमंत्री पद पर सुनीता ही उनकी पहली पसंद होंगी। आप इस घटना का भावनात्मक लाभ लेना चाहेगी।

यदि सुनीता क इस समय जनता के बीच जाती हैं और अपने पति के विषय में बात करती हैं, तो इससे लोगों की सहानुभूति मिल सकती है। आम आदमी पार्टी इस रणनीति का बखूबी लाभ उठाना चाहेगी। दूसरी आप कार्यकर्ता केजरीवाल के अलावा अन्य नेता नहीं मानते। यदि किसी दूसरे को सीएम पद की जिम्मेदारी दी जाती है, तो बगावत की संभावना बन सकती है।

आप का नया पैंतरा, महिला को उतारा

इशारों -इशारों में केजरीवाल ने पत्नी को हाइलाइट कर दिया

केजरीवाल ही पार्टी के सर्वोपरि नेता

विवेक सिंह बोले

महिला होने का लाभ मिलेगा

विवेक सिंह ने कहा कि भाजपा के लिए भी किसी महिला नेता के खिलाफ कोई टिप्पणी करना आसान नहीं होगा। सीएम ममता बेनर्जी पर नकारात्मक टिप्पणी कर पार्टी नुकसान उठा चुकी है। बिहार का अनुभव बताता है कि शराब के खिलाफ चलाई गई कोई भी मुहिम किसी भी पार्टी के लिए लाभकारी साबित होती है। महिलाओं के लिए यह मुद्दा आकर्षक होगा।

आतिशी का हाई वोल्टेज ड्रामा

मन नहीं भरा तो गोली मार दो

मंत्री आतिशी मार्लेना, सौरभ भारद्वाज ने बीच सड़क काफी हंगामा किया। करीब एक घंटा हाई वोल्टेज ड्रामा चला। उन्होंने पुलिस वालों से कहा कि हमें गोली मार दो।

ठग सुकेश चंद्रशेखर ने लिखा

सरकारी गवाह बन केजरीवाल को बेनकाब करूंगा

ठग सुकेश चंद्रशेखर ने कहा कि केजरीवाल का तिहाड़ क्लब में स्वागत किया है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सुकेश ने कहा कि मैं उसे बेनकाब कर दूंगा, मैं केजरीवाल के खिलाफ सरकारी गवाह बनूंगा जाऊंगा।

पात्रा का कांग्रेस से सवाल

आपने कहा था केजरीवाल भ्रष्ट हैं, अब क्या हुआ?

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा का कहना है कि आप भ्रष्टाचार में लिप्त है और कोई जांच न हो। कांग्रेस ने केजरीवाल को भ्रष्ट बताया था। आज कहां है?

सीएम सरमा का तंज

केजरीवाल भ्रष्टाचार की वजह से जेल पहुंचे

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि केजरीवाल किसी एजेंसी की वजह से नहीं बल्कि अपनी करनी की वजह से जेल में हैं।

कैश फॉर क्वेरी मामले में कार्रवाई

टीएमसी नेता महुआ के घर पर सीबीआई ने मारा छापा

कोलकाता। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा के आवास पर सीबीआई ने छापेमारी की। टीम कोलकाता तथा अन्य स्थानों पर भी कैश फॉर क्वेरी मामले में छापा मारा। टीएमसी के उपाध्यक्ष जय प्रकाश मजूमदार ने कहा कि मोइत्रा के आवासों पर छापेमारी करवाकर भाजपा अपना डर छिपाना चाहती है। भाजपा का अपने डर को छिपाने का यह एक बेतुका प्रयास है, वे घबराए हुए हैं। ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों की मदद ले रही है।

देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला: मजूमदार

पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि आचार समिति ने सीबीआई छापे का सुझाव दिया है, इसलिए कार्रवाई की जा रही है। यह उनका कर्तव्य है। महुआ मोइत्रा पर आरोप है कि उन्होंने अपने अकाउंट का पासवर्ड किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा किया, यह देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला है।

बीजापुर में मुठभेड़

दो नक्सली ढेर, आईईडी ब्लास्ट में 2 जवान जख्मी

एजेंसी ▶▶ बीजापुर

यहां नक्सल प्रभावित पीड़िया के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 2नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया है। पुलिस विभाग के मुताबिक बीजापुर और दंतेवाड़ा के सरहदी इलाके में नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन चलाया गया है। इस एंटी नक्सल ऑपरेशन में बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा के एसपी नजर बनाए हुए हैं।ऑपरेशन में डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और कोबरा के जवान शामिल हैं। बीजापुर एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने कहा कि पीड़िया के जंगलों में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है।

प्रेशर आईईडी का किया था इस्तेमाल

दूसरी ओर एंटी नक्सल ऑपरेशन में जाते हुए बस्तर फाइटर्स के दो जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों के प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से रायपुर भेज दिया गया है।

होली के दिन दिल्ली मेट्रो के समय में किया बदलाव

मेट्रो सेवा दोपहर 2 बजे के बाद सामान्य अवधि में चलेंगी

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने खुद इसकी जानकारी साझा की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूरे देश में 25 मार्च को होली का त्योहार मनाया जा रहा है। होली को लेकर दिल्ली मेट्रो ने भी अपनी टाइमिंग में बदलाव किया है। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन ने खुद इसकी जानकारी देते हुए कहा कि होली के दिन मेट्रो सेवा दोपहर के बाद शुरू होगी। अधिकारियों ने कहा कि होली यानी 25 मार्च को नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो पर यात्री सेवाएं दोपहर दो बजे से शुरू होंगी। नोएडा मेट्रो रेल निगम ने बताया कि दोपहर दो बजे के बाद ट्रेन 15 मिनट की सामान्य अवधि पर उपलब्ध होंगी।

दो बजे तक नहीं रहेगी मेट्रो की सुविधा

एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक लोकेश एम होली के दिन मेट्रो सेवा को लेकर कहा कि होली के मौके पर दोपहर दो बजे तक मेट्रो सेवाएं बंद रहेंगी. उन्होंने कहा कि मेट्रो ट्रेन सेवाएं दोनों टर्मिनल स्टेशन पर दोपहर दो बजे शुरू होंगी और उसके बाद 15 मिनट की आवृत्ति पर सामान्य रूप से जारी रहेंगी। दिल्ली मेट्रो की सभी लाइन पर मेट्रो सोमवार सुबह से दोपहर दो बजे तक के लिए बंद रहेगी।

फिर से खोले गए मेट्रो स्टेशन

आईटीओ और लोक कल्याण मार्ग मेट्रो स्टेशनों को शनिवार को फिर से यात्रियों के लिए खोल दिया गया है। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन को देखते हुए डीएमआरसी ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि दोनों स्टेशन अगली सूचना तक बंद रहेंगे।

यहां लड़कियों ने 'गंदी' होली खेली

कुछ समय से डीएमआरसी की लगातार चेतावनी के बावजूद दिल्ली मेट्रो में नाच- गाना, लड़ाई-झगड़ा और बवाल रुकने का नाम नहीं ले रहे। कई ऐसे वीडियो आए जिसमें कोई मेट्रो में अश्लीलता करता दिखा तो कोई रील्स बनाता और कई बार सीट को लेकर झगड़ते होते भी दिखे। होली से ठीक पहले आया ताजा मामला भी कुछ ऐसा ही है। इसमें दो लड़कियां होली के नाम पर इंस्टाग्राम रील के लिए मेट्रो में अश्लीलता कर दिख रही हैं।ट्रेन के फ्लोर पर सफेद सूट और साड़ी पहने बैठी दो लड़कियां बहुत ही अंतरंग तरीके से रंग खेल रही हैं। गाना चल रहा है- 'रंग लगा दे रे, मोहे अंग लगा दे रे...'। लड़कियां बड़ी अश्लीलता से एक दूसरे को न सिर्फ रंग लगा रही हैं बल्कि एक दूसरे की गोद में गिरी जा रही हैं। कोच में कई लोग सीटों पर बैठे दिख रहे हैं।

जबलपुर

रविवार, 24 मार्च 2024

- फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष-14
- वर्ष : 18 अंक : 321
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 रुपये

मौसम
अधि. 30
न्यून. 20

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

453 दिन के बाद ऋषभ पंत मैदान में उतरे, दर्शकों ने दिया स्टैंडिंग ओवेशन

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबले में जैसे ही डेविड वॉर्नर आउट होकर पवेलियन जाने लगे, पूरा मैदान जोश से भर उठा।

आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट खोरासन ने कहा- हमले रुकेंगे नहीं

◆ दो दशक का सबसे बड़ा आतंकी हमला: 'क्रोकस सिटी हॉल' में घुसे आतंकी, अब तक 115 की मौत, करीब 300 घायल

रॉक बैंड पिकनिक के संगीत के बीच भगदड़ और चीत्कारें... पुतिन बोले- खोजकर मारेंगे

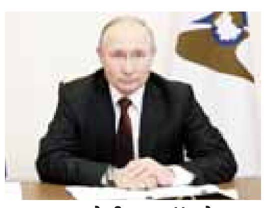

आतंकी संगठन ने कहा- हमलावर सुरक्षित ठिकानों पर लौट आए

"इस हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन आईएसआईएस ने ली है। आतंकवादी संगठन आईएसआईएस ने टेलीग्राम मैसेजिंग एप पर एक बयान में कहा कि आईएस लड़ाकों ने मॉस्को के बाहरी इलाके में एक बड़ी सभा पर हमला किया। हमलावर सुरक्षित रूप से अपने ठिकानों पर लौट आए हैं।

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस की राजधानी मॉस्को में शुक्रवार को हुए बड़े आतंकी हमले में मरने वालों की संख्या अब 115 पहुंच गई है। हमलावरों ने एक बड़े समारोह स्थल पर अंधाधुंध गोलीबारी की जिसमें तीन बच्चों समेत अब तक 115 लोगों की मौत हो गई। इस हमले के बाद 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सेना की वर्दी पहने 5 हमलावरों ने गोलीबारी के बाद समारोह स्थल को आग लगा दी। इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

15 संदिग्धों को लिया गया हिरासत में, इनमें से 4 इस हमले में सीधे शामिल

यूरोपीय संघ, फ्रांस, स्पेन और इटली सहित कई देशों ने हमले की निंदा की

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि कीव का हमले से कोई लेना-देना नहीं

रूस में होने वाले तमाम आयोजन कैंसल, इसमें होली के कार्यक्रम भी

आखिर इस्लामिक स्टेट रूस को निशाना क्यों बना

सीरियाई गृहयुद्ध में राष्ट्रपति बशर की मदद का 'बदला' लिया

आईएस-केपी और उसके सहयोगियों ने अफगानिस्तान में एक सुरक्षित ठिकाना बनाए रखा है। रूस की सुरक्षा सेवा एफएसबी ने 7 मार्च को ही मॉस्को के पास कलुगा क्षेत्र में एक संभावित हमले को रोका था। कुछ ही घंटों के भीतर अमेरिकी दूतावास ने भी अमेरिकी नागरिकों को बड़ी सभाओं और विशेष रूप से संगीत समारोहों से बचने के लिए एक चेतावनी जारी की थी। अमेरिका का कहना है कि नवंबर 2023 से विशिष्ट खुफिया जानकारी थी कि ईएसआईएस-के रूस में हमले करना चाहता है।

दुख की इस घड़ी में भारत साथ : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि हम मॉस्को में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। भारत दुख की इस घड़ी में रूस की सरकार और लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है।

हमले ने मचाई तबाही, छिपते-भागते लोग कुचले भी गए

एक वीडियो में इमारत में आग लगी हुई और रात को आसमान में धुएं का एक बड़ा गुबार उठते हुए दिखायी दिया। हमले के बाद सड़कों पर दमकल वाहन, एंबुलेंस तथा अन्य आपात वाहन और आसमान में हेलीकॉप्टर उड़ते हुए देखे गए। अभियोजक कार्यालय ने बताया कि लड़ाकू पोशाक पहने कई पुरुष समारोह स्थल में घुसे और उन्होंने वहां मौजूदा लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

हॉल में 6200 लोग बैठ सकते हैं

इसे रूस में पिछले दो दशक में हुआ सबसे भीषण आतंकी हमला माना जा रहा है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब देश का यूक्रेन के साथ युद्ध तीसरे साल भी जारी है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने हमले को बहुत बड़ी त्रासदी बताया। रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास 'क्रेमलिन' ने बताया कि हमलावरों के 'क्रोकस सिटी हॉल' में हमला करने के कुछ ही मिनट बाद पुतिन को इस बारे में सूचित कर दिया गया था। यह हॉल मॉस्को के पश्चिमी छोर पर स्थित एक बड़ा संगीत स्थल है, जिसमें 6,200 लोग बैठ सकते हैं। यह हमला तब हुआ जब क्रोकस सिटी हॉल में प्रसिद्ध रूसी रॉक बैंड पिकनिक के एक संगीत कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लोगों की भीड़ जमा थी। हमले के दौरान लगी आग को बुझाने के दौरान शनिवार तड़के थिएटर की छत गिर पड़ी।

रक्त और प्लाज्मा दान करने के लिए कतारें लगीं

हमलावर विशेष बलों और दंगा रोधी पुलिस के आने से पहले ही भाग गए। पुलिसकर्मी उन कई वाहनों की तलाशी ले रहे हैं जिन्हें हमलावरों ने फरार होने में इस्तेमाल किया होगा। रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को में शनिवार सुबह सैकड़ों लोग रक्त और प्लाज्मा दान करने के लिए कतारों में खड़े रहे। 2014 के आखिर में आईएसआईएस-के का उभार अफगानिस्तान के पूर्वी क्षेत्रों में हुआ था। उसके बाद इस आतंकी संगठन का विस्तार अफगानिस्तान के साथ-साथ ईरान और तुर्कमेनिस्तान के कुछ क्षेत्रों में भी हो गया।

तड़के 4 बजे अवैध बूचड़खानों के 11 स्थानों पर दी गई दबिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

नगर निगम एवं पुलिस टीम ने शनिवार को तड़के 4 बजे अवैध रूप से संचालित होने वाले बूचड़खानों पर छापेमार कार्रवाई की है। 11 स्थानों पर दबिश देते हुए 60 पाड़ों को जब्त किया है।

इसके अलावा एक क्विंटल से ज्यादा कटा हुआ मांस फ्रीजर से बरामद किया है। उसे भी सील किया गया। कार्रवाई में 40 से ज्यादा नगर निगमकर्मी तथा 30 पुलिसकर्मी शामिल थे। महाकाल पुलिस ने बताया कि लंबे समय से शिकायत मिल रही थी कि बेगमबाग, तोपखाना तथा खंदार मोहल्ला क्षेत्र में अवैध बूचडखाने संचालित किए जा रहे हैं। यहां पाड़ों को काटकर उनके मांस विक्रय किया जाता है। इस पर शनिवार तड़के करीब 4 बजे नगर निगम और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बूचड़ खानों पर दबिश दी है। अधिकारियों ने मौके से 60 से ज्यादा पाड़ों को जब्त किया तथा फ्रीजर में रखा एक क्विंटल से ज्यादा कटा हुआ मांस भी बरामद किया है।

अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पर 27 किलो चांदी, 8 तोला सोना जब्त

बैतूल। अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पर सघन जांच के दौरान 8 तोला सोना, 27 किलो चांदी जप्ती की गई। जिले के भैंसदेही विधानसभा क्षेत्र के पाली झाकस चेक पोस्ट पर नाके बंदी के दौरान यह जप्ती की गई। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अनुक्रम में आचार संहिता के चलते कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा 2 दिन पूर्व ही बैतूल जिले से लगने वाली सीमाओं पर नाकेबंदी एवं चेक पोस्ट पर सघन जांच के निर्देश दिए गए थे। एसडीएम भैंसदेही श्रीमती अनिता पटेल ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात भैंसदेही विधानसभा क्षेत्र के अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पाली झाकस पर जांच के दौरान इंदौर में पंजीकृत बोलेरो वाहन एमपी-09-9024 में से यह प्रतिबंधित सामग्री जप्त की गई।

26 को आएगा बड़े मियां छोटे मियां का ट्रेलर

मुंबई। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' इन दिनों काफी चर्चाओं में बनी हुई है। फैंस इस मूवी की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अभी तक फिल्म का टीजर और गाने रिलीज किए जा चुके हैं, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। अब 'बड़े मियां छोटे मियां' के मेकर्स ने इसके ट्रेलर रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। फिल्म को अली अब्बास जफर ने निर्देशित किया है। वहीं, इसके प्रोडक्शन की जिम्मेदारी वासु भगनानी और जैकी भगनानी की कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट ने संभाली है। यह मूवी इस साल ईद के मौके पर यानी 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

लाइफ Style

श्रद्धा

प्यार को मिली परिवार से हरी झंडी

बॉलीवुड ब्यूटी श्रद्धा कपूर प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी लाइमलाइट का हिस्सा बनी रहती हैं। उन्हें लेकर अक्सर कुछ न कुछ मीडिया में आता है। एक्ट्रेस एक बार फिर सुर्खियों में हैं और इसकी वजह है उनकी शादी की चर्चा।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

श्रद्धा कपूर हमेशा चर्चा में रहती हैं। कभी अपने सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से, तो कभी रिलेशनशिप की वजह से। बता दें कि लंबे समय से अभिनेत्री का नाम राहुल मोदी के साथ जोड़ा जा रहा है। अनंत और राधिका की प्री वेडिंग के लिए जाते वक्त भी एयरपोर्ट पर दोनों को एक साथ देखा गया था। दोनों के रिलेशन को लेकर कई बार बातें हो चुकी हैं। हालांकि, ऑफिशियल लेवल पर इन्होंने कुछ नहीं कहा। मगर अब दोनों के रिलेशन को लेकर खुलासा किया गया है। श्रद्धा और राहुल के बीच फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' के सेट पर नजदीकियां बढ़ी थी। इसके बाद से ही इनकी नजदीकियों के चर्चे शुरू हो गए।

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि राहुल और श्रद्धा अपने बॉन्ड को लेकर कन्फर्म हैं, इसलिए उन्होंने रिलेशनशिप को छिपाने की कोशिश नहीं की। यही कारण है कि दोनों को समय-समय पर साथ देखा गया है। बता दें कि अनंत और राधिका की प्री वेडिंग के लिए जब श्रद्धा कपूर जामनगर के लिए रवाना हुई थीं, तब वहां उन्होंने आदित्य रॉय कपूर को राहुल से मिलवाया था। रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि श्रद्धा और राहुल काफी प्राइवेट पर्सन हैं। हालांकि, जिस तरह वह साथ में स्पॉट होने से थोड़ा घबरा जाते थे, अब ऐसा नहीं है।

वैनेसा ने बॉडीकॉन ड्रेस में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

लॉस एंजेलिस। अमेरिकन सिंगर और एक्ट्रेस वैनेसा हजेंस के घर जल्द ही नन्हें मेहमान की किलकारी गूंजने वाली है। जी हां, वैनेसा हजेंस कोल टकर संग अपने पहले बच्चे का स्वागत करने जा रही हैं। इससे पहले उन्होंने किसी को भी इस गुड न्यूज की भनक तक नहीं लगने दी थी। लुक की बात करें तो हसीना ने ब्लैक कलर का बॉडीकॉन गाउन पहना थे। ये गाउन फुल स्लीव का था, और बिल्कुल प्लेन था। बॉडीकॉन होने की वजह से इस गाउन में उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा था, जो काफी क्यूट दिख रहा था। उन्होंने ग्लॉसी न्यूड मेकअप चुना था। डार्क आईमेकअप उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा था। एक्ट्रेस ने अपनी लिपस्टिक को भी काफी ग्लॉसी ही रखा था। लुक को ग्लैमरस बनाने के लिए उन्होंने आधे बालों की पोनीटेल बनाते हुए बालों को कर्ल किया था। इसके साथ ही लंबे नाखून, उंगलियों में अंगूठियां, कानों में ईयररिंग और गले में डायमंड का सेट उनके ऑल ब्लैक लुक को परफेक्ट बना रहा था। बता दें कि अमेरिकन सिंगर और एक्ट्रेस वैनेसा हजेंस ने बीती साल ही दिसंबर में मेक्सिको के टुलम में मेजर लीग बेसबॉल आउटफील्डर कोल टकर से शादी की थी।

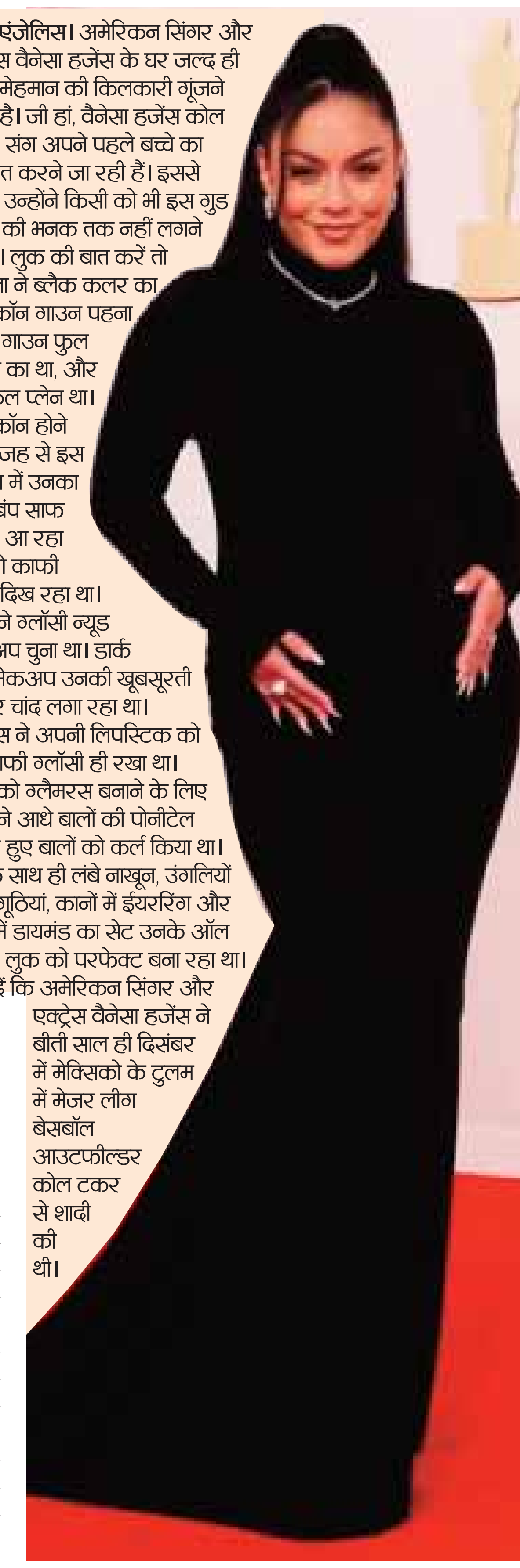

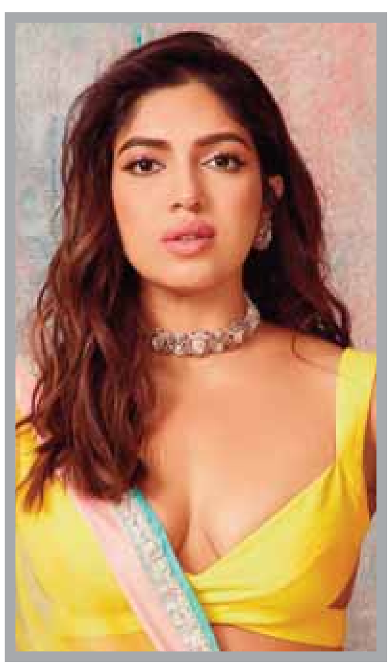

अब भूमि करेंगी वेब सीरीज में डेब्यू

मुंबई। शुरुआत से अगर कलाकार अपने लिए सशक्त भूमिका तलाश ले तो उसे वैसा काम मिलने लगता है। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर के साथ भी ऐसा ही रहा है। भूमि अब वेबसीरीज में कदम रख रही हैं। अपनी पहली सीरीज 'दलदल' में वह पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। भूमि कहती हैं, मुझे करियर के शुरुआती दौर से ही चुनौतियां पसंद रही हैं। खास बात यह है कि शुरू से ऐसी भूमिकाएं मिलीं, जिन्होंने मुझे मेरी सीमाओं से आगे जाकर काम करने की हिम्मत दी। भूमि ने आगे कहा, "वेब सीरीज 'दलदल' का रोल बहुत चुनौतीपूर्ण है और मेरे लिए यह नया जोनर भी है। इसमें एक्शन का काफी मौका मिला है। मेरे रोल रीटा फरेरा में कई परतें हैं। वह बाहरी और अंदरूनी विचारों के मतभेदों के बीच फंसी है। मैं इसे पूरे आत्मविश्वास के साथ निभाने के लिए उत्सुक हूं।

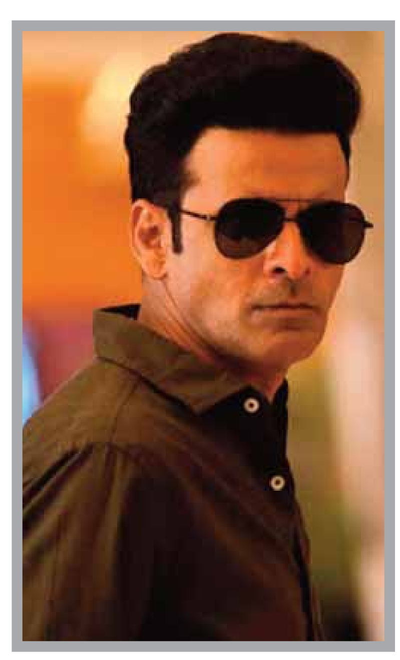

साइलेंस 2 का टीजर आया सामने

मुंबई। मनोज बाजपेयी की 'साइलेंस' का तीन साल बाद सीक्वल आ रहा है। इस फिल्म में अभिनेता की परफॉर्मेंस के अलावा फिल्म की सस्पेंस थ्रिलर कहानी भी खूब पसंद की गई थी। लंबे समय से फिल्म के सीक्वल का इंतजार हो रहा था। आखिरकार, अब फिल्म के दूसरे पार्ट का ऐलान कर दिया गया है। तीन साल बाद 'साइलेंसः कैन यू हियर इट?' का सीक्वल 'साइलेंस 2ः नाइट आउल बार शूटआउट' आ रहा है। एक बार फिर मनोज बाजपेयी एसीपी अविनाश बनकर क्रिमिनल्स के छक्के छुड़ाएंगे। शनिवार को फिल्म की अनाउंसमेंट एक शानदार वीडियो के जरिए की गई है। मनोज बाजपेयी ने 'साइलेंस 2' से एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है और अपना दमदार अवतार दिखाया है। वीडियो के साथ कैप्शन में मनोज ने लिखा, "क्रिमिनल्स को दोबारा साइलेंट करने, एसीपी अविनाश फिर से आ रहा है।

क्रू की स्क्रिप्ट सुन कर कृति की छूटी थी हंसी

मुंबई। "क्रू" के ट्रेलर और गाने को दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। यह कहा जा सकता है कि इस कमर्शियल फैमिली एंटरटेनर के आने के लिए इसने एक परफेक्ट टोन सेट किया है, साथ ही साथ इस चीज ने दर्शकों की उत्सुकता को भी फिल्म देखने के लिए बढ़ा दिया है। फिल्म की रिलीज में सिर्फ एक हफ्ता बचा है। क्रू वह फिल्म है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में ट्रेलर ने बिल्कुल साफ़ कर दिया है कि फिल्म दर्शकों के लिए बहुत सारा एंटरटेनमेंट लेकर आने वाली है, लेकिन कृति को फिल्म में लाने की कहानी और भी ज्यादा दिलचस्प है। कृति के ऑन बोर्ड आने की कहानी को शेयर करते हुए राइटर मेहुल सूरी और निधि मेहरा ने कहा है, कृति ने जब स्क्रिप्ट सुनी तो वह अपनी हंसी नहीं रोक पाईं, उन्हें यह बेहद मजेदार लगी। उन्हें यह इतनी पसंद आई कि उन्होंने पूरी कहानी सुने बिना ही तुरंत इस रोल के लिए हामी भर दी। उनके जेनुइन रिएक्शन ने साबित कर दिया कि स्क्रिप्ट वाकई कितनी मजेदार है।"

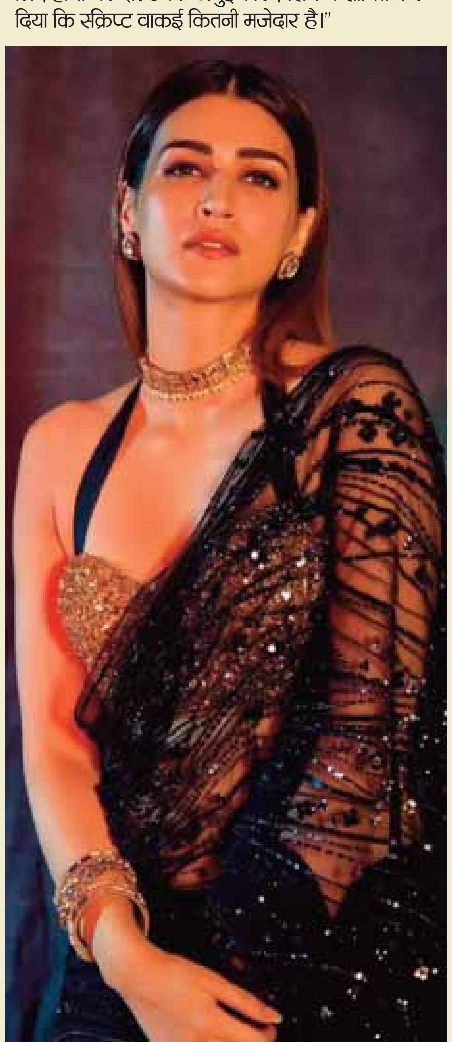

राजेश खन्ना ने अकेले करने पड़ी की गाने की शूटिंग, डेट्स की आई थी दिक्कत

'मेरे सपनों की रानी' गाने की शूटिंग में मौजूद नहीं थीं शर्मिला, कैसे पूरा हुआ था गाना.....

1969 में रिलीज हुई फिल्म 'आराधना' ने आते ही शोर मचा दिया था। शर्मिला टैगोर और राजेश खन्ना इस फिल्म के लीड थे। 'आराधना' की सफलता ने दोनों की लोकप्रियता में चार चांद लगा दिए। फिल्म का एक गाना था 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू', जो सुपरहिट रहा था। इस गाने का जादू आज भी बरकरार है।

मुंबई। 'आराधना' में शर्मिला टैगोर और राजेश खन्ना की जोड़ी का खूब पसंद किया गया। दोनों की केमिस्ट्री गाने 'मेरे सपनों की रानी' में भी देखने को मिली। इस फिल्म ने पहले से स्टार शर्मिला और राजेश को सुपरस्टार बना दिया। 'आराधना' के गाने 'मेरे सपनों की रानी' में राजेश खन्ना जीप की सवारी करते हुए नजर आते हैं। जहां उनके साथ सुजीत कुमार भी थे। वहीं, शर्मिला टैगोर ट्रेन में बैठी हुई थी। 'मेरे सपनों की रानी' की शूटिंग दार्जिलिंग के खूबसूरत लोकेशन पर हुई थी। इस गाने से जुड़ा सबसे हैरान करने वाली बात ये थी कि शूटिंग के दौरान शर्मिला टैगोर मौजूद नहीं थीं। जी हां काका ने 'आराधना' के इस गाने की शूटिंग अकेले की थी।

राजेश के साथ नहीं थीं शर्मिला

शर्मिला ने इस बात का खुलासा खुद किया था। एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया था, 'आराधना' के सुपरहिट गाने 'मेरे सपनों की रानी' की शूटिंग राजेश खन्ना को अकेले करनी पड़ी थी, क्योंकि उनकी डेट्स आपस में टकरा रही थी। काका ने गाने की शूटिंग दार्जिलिंग में अकेले की थी। वहीं, शर्मिला टैगोर ने अपने हिस्सा की शूटिंग रियर प्रोजेक्शन के जरिए मुंबई के स्टूडियो में की थी। बाद में राजेश खन्ना के साथ उनके सीन को साथ में एडिट कर 'मेरे सपनों की रानी' को तैयार किया गया था।

आखिर क्यों आई शूटिंग में दिक्कत ?

'आराधना' बनने के पहले ही राजेश खन्ना के एक बड़े स्टार बन चुके थे। उस दौरान एक साथ 12 प्रोड्यूसर ने उन्हें साइन कर लिया था। दूसरी तरफ शर्मिला टैगोर के पास भी कई फिल्में थी। नतीजा ये हुआ कि 'आराधना' की शूटिंग के वक्त दोनों की डेट्स आपस में टकरा गई। हालांकि, किसी तरह गाने को शूट तक तैयार किया, जो बाद हर नौजवान की जुबान पर था।

राशि ने पूरी की द साबरमती रिपोर्ट की शूटिंग पूरी

मुंबई। अभिनेत्री राशि खन्ना ने अपनी बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की शूटिंग पूरी कर ली है। राशि खन्ना ने फिल्म के सेट से कुछ बीटीएस तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ लिखा "एंड इट्स ए रैप फ़ॉर, जहां हमने कुछ सच्चाइयों और डेडलाइंस का पीछा किया। यहां कहानियों की ताकत और आवाजें हैं, जिन्हें सुनने की जरूरत है। इस कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए आप सभी का इंतजार नहीं कर सकती साथ ही, बेहद आभारी हूं इस डेडिकेटेड और बेहतरीन टीम के साथ काम करने का मौका मिला। 'साबरमती रिपोर्ट' 27 फरवरी 2002 की सुबह गुजरात राज्य के गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस में हुई घटनाओं की कहानी बताती है। यह फिल्म राशि को बिल्कुल नए अवतार में दिखाएगी। एक्ट्रेस, जिन्होंने अपनी हालिया रिलीज 'योद्धा' के साथ अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन किया है।

शैतान बनी अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म

मुंबई। अजय देवगन और आर. माधवन की हालिया आई फिल्म शैतान ने हर किसी का दिल जीता हुआ है और फिल्म ने कई सारे रिकॉर्ड अपने नमा किए हैं। ये फिल्म साल 2024 की सुपरहिट फिल्म बन चुकी है और साथ ही इसने कई सारे अपने रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। शैतान के कमाई की बात करें तो फिल्म ने वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ साल 2024 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। वहीं अगर रिपोर्ट मानें तो शैतान ने अपने 14वें दिन की कमाई के साथ ही दुनियाभर में 162 करोड़ तक का कलेक्शन कर लिया है।

अब अनुराग हर मिनट की लेंगे फीस 10 मिनट का करेंगे 15 लाख चार्ज

मुंबई। बॉलीवुड में कई ऐसे सितारे हैं जिनकी कला को किसी ना किसी फिल्ममेकर ने पहचाना। उन्हें फिल्मों में काम दिया और उन्हें अच्छे से गाइड किया। ऐसा फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी करते थे लेकिन अब डायरेक्टर ने साफतौर पर कह दिया है कि वो चैरिटी नहीं करते हैं। उनकी एक फीस है जिसे पे करें और जो सीखना है सीख सकते हैं। अनुराग कश्यप ने एक पोस्ट लिखा है, जिसमें अपनी फीस चार्ज करने की बात कही है। अनुराग अब फ्री में किसी को कुछ बताने वाले नहीं हैं। कोई उन्हें उनके मुताबिक फीस देगा वो कुछ भी सीख सकता है और ये नियम आम लोगों पर भी लागू होती है।

गुत्थी बनकर फिर लौटेंगे सुनील द ग्रेट इंडियन शो में मचाएंगे धमाल

मुंबई। कपिल शर्मा के नए कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। इस शो में कपिल शर्मा के साथ कॉमेडियन सुनील ग्रोवर भी अपने पॉपुलर गुत्थी के कैरेक्टर में वापसी कर रहे हैं। उनके अलावा अर्चना पूरन सिंह, कीकू शारदा और कृष्णा अभिषेक समेत कई अन्य सितारे भी शो में नजर आएंगे। ट्रेलर की शुरुआत कपिल द्वारा एक गिफ्ट बॉक्स को अनबॉक्स करते हैं, जिसमें से सुनील अपने गुत्थी अवतार में निकलते हैं। कपिल ने एक बयान में कहा, 'जैसा कि ट्रेलर में देखा गया, हम वापस आ गए हैं!

होली पर घर जाने को लेकर ट्रेनों में बढ़ी यात्रियों की तादाद

स्लीपर बने जनरल कोच, भीड़ होने से गेट पर खड़े होकर यात्रा करने को मजबूर यात्री

आज से तीन दिन की छुट्टी होने के कारण संस्कारधानी में नौकरी करने वाले बड़ी संख्या में लोग त्योहार पर अपने घर के लिए हुए रवाना

हरिभूमि, जबलपुर

होली त्यौहार के चलते ट्रेनों में शुक्रवार को भारी भीड़ देखने को मिली। जबलपुर स्टेशन पर दिनभर ही अच्छी खासी भीड़ रही है। शाम के समय 5 के बाद स्टेशन पर पैर रखने तक के लिए जगह नहीं थी। शाम को ट्रेन में सवार होने को लेकर लोगों की आपा-धापी मच गई।

कई लोग पटरी के पास खड़े होकर दूसरी साइट से बैठने की कोशिश करते नजर आए। सरकारी व प्राइवेट कार्यालयों के अधिकांश कर्मचारी शुक्रवार की वर्किंग करने के बाद घर पर त्यौहार मनाने के लिए निकल गए। दरअसल होली पर शनिवार, रविवार व सोमवार की तीन दिन की छुट्टी मिल रही है। वहीं इन दिनों परीक्षा खत्म होने के बाद अधिकांश स्कूलों में छुट्टी है। इसके चलते लोग अपने घर त्योहार मानाने निकल पड़े हैं। इन दिनों जबलपुर सहित अन्य स्टेशनों से जाने वाली ट्रेनें यात्रियों से फुल हैं। लोग ट्रेन के टॉयलेट में बैठकर सफर करते नजर आए। वहीं स्लीपर कोच जरनल कोच जैसे लग रहे थे। रेलवे सूत्रों के अनुसार रोजाना करीब 75 से 85 हजार यात्री सफर करते है, लेकिन होली पर्व के चलते अन्य दिनों की अपेक्षा डेढ गुना से अधिक यात्री पहुंचे। होली के मौके पर एक लाख से अधिक यात्री स्टेशन पहुंचे। इसके चलते रेलवे की ओर से टिकट काउंटर पर अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई।

सीट कंफर्म न होने से परेशान होते रहे यात्री

घर जाने के लिए ट्रेन में महीनों पहले ई-टिकट करवाए थे, लेकिन बर्थ कंफर्म नहीं हो पाई। इससे इसके चलते कई परेशान यात्रियों ने टीटीई से अधिक चार्ज देकर टिकट बनवाते नजर आए।

इन ट्रेनों में यात्रियों की अधिक भीड़ देखने मिली

जबलपुर स्टेशन पर महाकौशल एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों जैसे ही प्लेटफार्म पर यात्री उनमें सवार होने के लिए के दौड़ते देखे जा रहे थे। कई लोग तो रेलवे ट्रैक पार कर ट्रेन के अंदर जाने में मशक्कत करते नजर आए। इस दौरान ट्रेन बैठे यात्रियों से उनका विवाद हुआ ।

होली मनाने अपने अपने गांव, घर लौटे लोग

'मेरी होली मेरा घर' बसों में भीड़ बढ़ी

जबलपुर। होली का त्योहार में बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है। रंग-गुलाल पिचकारी की दुकानें सज गई हैं। धीरे-धीरे त्यौहार का उत्साह परवान चढ़ रहा है। 'मेरा घर मेरी होली' की तर्ज पर कामकाजी लोग अब घर में होली मनाने के लिये छुट्टी लेकर घरों की ओर लौट रहे हैं। मजदूर वर्ग भी शनिवार को काम करने के बाद शाम की गाड़ी से अपने-अपने घरों के लिये रवाना हो गये। लिहाजा यात्री बसों और में भीड़भाड़ बढ़ गई है। त्यौहार के समय एकाएक यात्रियों की भीड़ बढ़ने से बस मालिक चांदी काट रहे हैं और वहीं बसों के ड्रायवर व कंडक्टर लूट खसोट भी कर रहे हैं। घर लौटने की जल्दी में लोग जान जोखिम में डालकर यात्रा कर रहे हैं। बसों की छतों पर सवार होकर लोग जा रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ी है।

जहां एक तरफ व्यापार और कामकाज के सिलसिले में आये लोगों का अपने घरों को लौटना प्रारंभ हो गया है तो वहीं सरकारी कर्मचारी भी शनिवार की शाम को अपने घरों की ओर रवाना होंगे। धुरेड़ी के दिन छुट्टी रहेगी, लोकसभा चुनाव आचार संहिता होने के कारण सरकारी कर्मचारी को अवकाश नहीं मिला। लिहाजा इतवार और सोमवार को सार्वजनिक अवकाश के दौरान भी चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को कार्यालय में उपस्थित होना पड़ेगा। वहीं दूसरी ओर रंगपंचमी तक 5 दिन व्यापार, व्यवसाय, मजदूरी का कामकाज प्रभावित रहेगा। वहीं निर्माण कार्यों के अलावा मेहनत मजदूरी के लिये आसपास के गांवों से मजदूरों का भी लौटना शुरू हो गया था, इससे यात्रियों का दबाव बसों में है।

पानी से बौछार कर उपद्रवियों को खदेड़ा

पुलिस ग्राउण्ड में बलवा, पुलिस ने चलाई गोलियां

असामाजिक तत्वों पर रखी जा रही नजर

एसपी आदित्य प्रताप सिंह ने बताया कि आगामी लोकसभा चावन को देखते हुए पुलिस की टीमों द्वारा अलग-अलग क्षेत्र में सामाजिक तत्वों एवं गैर गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। आगामी पर्व एवं लोकसभा चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो सके इसके लिए पुलिस द्वारा संपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। मॉकड्रिल में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री सोनाक्षी सक्सेना, समर वर्मा, सूर्यकांत शर्मा, श्रीमति सोनाली दुबे सहित सभी सीएसपी तथा थाना प्रभारी मौजूद रहे।

जबलपुर। पुलिस ग्राउण्ड में शनिवार की सुबह अचानक पुलिस वालों के बीच बलवा हो गया। पुलिस वालों ने एक-दूसरे पर पथराव करते हुए मारपीट की। हालात बेकाबू होने पर लाठीचार्ज कर पानी की बौछारें छोड़ी गईं और अश्रुगैस के गोले दागे गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी और जवान मौके पर पहुंचे। उपद्रवियों पर शिकंजा कसते हुए स्थिति को पूरी तरह से नियंत्रण में ले लिया। दरअसल, ये पूरी घटना त्यौहार एवं लोकसभा चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने का हंगामा करने वालों पर नियंत्रण करने की मॉकड्रिल थी। बताया गया है कि पुलिस ग्राउण्ड पर मॉकड्रिल के लिए पुलिस थानों का बल और पुलिस लाईन का बल एकत्रित किया गया था। अपनी मांगों को लेकर पुलिस के ऊपर दबाव बना रहा था, इसी बीच पथराव, नारेबाजी शुरू हो गई। देखते ही देखते माहौल इतना बिगड़ा कि स्थिति बेकाबू हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल और अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों का आदेश मिलते ही अश्रुगैस के गोले छोड़े गए और हवाई फायर किया गया। पानी की बौछारें कर दंगाईयों को खदेड़ा गया, और घायलों के इलाज के लिए तैनात रही एंबुलेंस से उन्हे अस्पताल भी पहुंचाया गया।

सौरभ के हाथ जबलपुर कांग्रेस की कमान

जबलपुर। लम्बे इंतजार के बाद आखिरकार नगर कांग्रेस अध्यक्ष की घोषणा शनिवार को कर दी गई। संघर्ष के दौर से गुजरती नगर कांग्रेस की नैय्या पार लगाने की जिम्मेदारी अब कांग्रेस नेता सौरभ शर्मा को दी गई है। शनिवार को कांग्रेस आलाकामान ने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की अनुशंसा पर सौरभ शर्मा को जबलपुर नगर कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। महापौर और नगर अध्यक्ष जगत बहादुर सिंह अन्नू के भाजपा में जाने के बाद से नगर अध्यक्ष का पद खाली था। तब से सौरभ शर्मा का नाम चर्चा में था। सौरभ को अध्यक्ष बनाए जाने की आधिकारिक घोषणा शनिवार को की गई। गौरतलब है कि सौरभ शर्मा की पहचान संघर्ष शील और जुझारू नेता के रूप में होती है। हर समय किसी न किसी जन समस्याओं को लेकर मैदान में दिखने वाले सौरभ बीते कुछ वर्षों से बिजली विभाग की मनमानी के खिलाफ जनता की आवाज बनकर खड़े हैं। सौरभ के आने से जबलपुर कांग्रेस में नई उर्जा और नई जान आने की उम्मीद की जा रही है। सौरभ शर्मा को अनुभव और जोश के संतुलन की बेहतरीन मिसाल के तौर पर भी देखा जाता है। जबलपुर के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से जहां उनके अच्छे संबंध हैं। वहीं जबलपुर के युवा कांग्रेसियों के बीच उनकी लोकप्रीयता किसी से छिपी नहीं है। सौरभ वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के अनुभव और युवा कांग्रेसजनों के जोश को साथ लेकर जबलपुर कांग्रेस में नई जान डालने में सक्षम बताए जाते हैं।

कार्यकर्ताओं ने समर्पण के साथ काम करने का लिया संकल्प

कांग्रेस की तरफ से जबलपुर लोकसभा सीट पर दिनेश यादव का चुनाव लड़ना तय है। कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन और चुनावी तैयारियों को लेकर शनिवार को अग्रवाल बारात घर में कांग्रेस की बड़ी बैठक का आयोजन किया गया। सालों बाद, किसी बैठक में जबलपुर जिले के अर्श से फर्श तक के कांग्रेसजन एक साथ और एकजुट दिखाई दिए। सबने यहां एक स्वर में कहा कि हम दिनेश के साथ हैं, हम कांग्रेस के साथ हैं, हम एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। शनिवार की बैठक में कांग्रेसजनों ने जिस एकता और एकजुटता का संदेश दिया, उसने कांग्रेस खेमे में एक नई उर्जा का संचार किया। बैठक के दौरान लोकसभा प्रत्याशी दिनेश यादव, नव नियुक्त नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा, विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व विधायक तरुण भनोत, संजय यादव, नित्यनिरंजन खम्परिया, हाजी कदीर सोनी, अमरीष मिश्रा, अयोध्या तिवारी, सैय्यद ताहिर अली, टीकाराम कोष्टा, मनोज नामदेव, अशरफ मंसूरी, शमीम गुड्डू, सहित जिले के सभी ब्लॉक, मंडलम अध्यक्ष, कांग्रेस के सभी इकाईयों के अध्यक्ष, सहित सभी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यू लाइफ अस्पताल अग्निकांड प्रकरण में बरती सख्ती

हाई कोर्ट ने तत्कालीन सीएमएचओ के विरुद्ध कार्रवाई रिपोर्ट मांगी

जबलपुर। हाई कोर्ट ने जबलपुर के ह्दय-विदारक बहुचर्चित न्यू लाइफ अस्पताल अग्निकांड प्रकरण में सख्ती बरती। इसी के साथ तत्कालीन सीएमएचओ के विरुद्ध कार्रवाई की रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दे दिए। इसके लिए अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक का समय दिया गया है। मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ व न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की युगलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने आठ व्यक्तियों की मौत से जुड़े इस मामले में अब तक तत्कालीन सीएमएचओ के विरुद्ध ठोस कार्रवाई नदारद होने पर नाराजगी जताई। महज एक इंक्रीमेंअ रोकने की सजा को नाकाफी निरूपित किया। मुख्य सचिव तक इस सजा के अपर्याप्त होने संबंधी शपथ पत्र पेश कर चुके हैं। इसके बावजूद सरकार अब तक समुचित सजा का निर्धारण नहीं कर पाई है। दरअसल, ला स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की ओर से दायर याचिका में जबलपुर में नियम विरुद्ध तरीके से प्राइवेट अस्पताल को संचालन की अनुमति प्रदान किए जाने को चुनौती दी गयी थी। जिसमें अधिवक्ता आलोक बागरेचा ने पक्ष रखा। याचिका में कहा गया था कि नियमों को ताक में रखकर संचालित न्यू लाइफ अस्पताल में हुए अग्नि हादसे में हुई आठ व्यक्तियों की मौत हो गई थी। आपातकालीन द्वार न होने के कारण लोग बाहर तक नहीं निकल पाए थे। कोरोना काल में विगत तीन साल में 65 निजी अस्पतालों को संचालन की अनुमति दी गई है। जिन अस्पतालों को अनुमति दी गई है, उनमें नेशनल बिल्डिंग कोड, फायर सिक्योरिटी के नियमों का पालन नहीं किया गया है। जमीन के उपयोग का उद्देश्य दूसरा होने के बावजूद भी अस्पताल संचालन की अनुमति दी गई है। बिल्डिंग का कार्य पूर्ण होने का प्रमाण-पत्र नहीं होने के बावजूद अस्पताल संचालन की अनुमति प्रदान की गई है। भौतिक सत्यापन किये बिना अस्पताल संचालन की अनुमति प्रदान की गई है। मामले की पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान एक्शन टेकन रिपोर्ट पेश करते हुए बताया गया था कि अस्पताल का निरीक्षण करने वाले डाक्टरों की टीम के विरुद्ध विभागीय जांच लंबित है। तत्कालीन सीएचएमओ को एक इंक्रीमेंट रोकने की सजा से दंडित किया गया है।

हाईकोर्ट के चार न्यायाधीशों का स्थानांतरण

जबलपुर। हाईकोर्ट की आंतरिक व्यवस्था के तहत चार न्यायाधीशों के स्थानांतरण किये गये है। जबलपुर मुख्यपीठ में पदस्थ दो न्यायाधीशों के स्थानांतरण इंदौर व ग्वालियर खंडपीठ में किये गये है। वहीं ग्वालियर व इंदौर खंडपीठ में पदस्थ एक-एक न्यायाधीश का स्थानांतरण मुख्यपीठ जबलपुर में किया गया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि विजय मलिमठ के निर्देशानुसार जबलपुर मुख्यपीठ में पदस्थ जस्टिस राजेंद्र कुमार का स्थानांतरण ग्वालियर खंडपीठ में किया गया है। जबलपुर मुख्यपीठ में पदस्थ जस्टिस गजेंद्र सिंह का स्थानांतरण इंदौर खंडपीठ में किया गया है। ग्वालियर खंडपीठ में पदस्थ जस्टिस बिन्दु कुमार द्विवेदी का स्थानांतरण मुख्यपीठ जबलपुर में किया गया है। इसी प्रकार इंदौर खंडपीठ में पदस्थ जस्टिस देव नारायण मिश्रा का स्थानांतरण मुख्यपीठ जबलपुर में किया गया है। सभी न्यायाधीशों के आगामी सप्ताह में पदभार ग्रहण करने की संभावना है।

सर्वार्थ सिद्धि और वृद्धि योग के साथ उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र का विशेष संयोग

फाल्गुन पूर्णिमा के चलते चंद्रग्रहण भी रहेगा, जो भारत में नहीं दिखेगा

इस बार होलिका दहन पर भद्रा का रहेगा साया रात 10.50 बजे के बाद ही जलाना शुभ होगा

हरिभूमि, जबलपुर

इस बार होलिका दहन पर भद्रा का साया पड़ रहा है। होली फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा तिथि पर 24 मार्च रविवार को जलाई जाएगा। भद्रा होने से रात 10.50 बजे के बाद ही होलिका दहन करना शुभ रहेगा। वैसे इस दिन फाल्गुन पूर्णिमा के चलते चंद्रग्रहण भी रहेगा, जो भारत में नहीं दिखेगा।

यह उप छाया ग्रहण है इसलिए इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। संस्कारधानी में 1200 से अधिक जगहों पर होलिका दहन किया जाएगा। पंडित शिवशंकर तिवारी ने बताया होलिका दहन रवि, बुधादित्य और सर्वार्थ सिद्धि योग में होगा। अगले दिन 25 मार्च को होली खेली जाएगी। इस अवधि में 24 को व्रत और 25 को स्नान-दान पूर्णिमा रहेगी। खरमास का समापन भी होली के दिन होगा।

भद्रा सुबह 9:47 बजे प्रारंभ

पंडित शिवशंकर तिवारी ने बताया कि 24 मार्च को भद्रा सुबह 9:47 बजे प्रारंभ हो जाएगी। यह इस दिन रात 10:50 बजे तक रहेगी। भद्रा का विशेष प्रभाव शाम 6:33 बजे से रात 10:50 बजे तक रहेगा। भद्रा काल में होलिका दहन करना अशुभ माना गया है। इसलिए भद्रा काल खत्म होने के बाद होलिका दहन करना श्रेष्ठ रहेगा। इस बार होलिका दहन सर्वार्थ सिद्धि और वृद्धि योग में उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में प्रदोष युक्त पूर्णिमा में किया जाएगा। वैसे तो तिथियों के और भद्रा के फेर में अक्सर पर्व-त्योहार आते रहते हैं, लेकिन भद्रा तिथि में होलिका दहन करना और राखी बांधना शास्त्रों में निषेध कहा गया है।

24 तक रहेंगे होलाष्टक, नहीं होंगे शुभ कार्य

17 मार्च से होलाष्टक की शुरुआत हुई थी, ये 24 मार्च तक चलेंगे। इस दौरान सभी शुभ कार्य बंद रहते हैं। इन दिनों देवी-देवताओं की आराधना चलती है। होलाष्टक को लेकर एक पौराणिक कथा है कि राजा हिरण्यकश्यप बेटे प्रहलाद को भगवान विष्णु की भक्ति से दूर करना चाहते थे और इसके बाद 8वें दिन बहन होलिका, जिसे आग में नहीं जलने का वरदान था, वह प्रहलाद को गोद में लेकर अग्नि शैया पर बैठ गई। इस दौरान प्रहलाद बच गए और होलिका जल गई।

भद्रा का अर्थ मंगल करने वाला, लेकिन शुभ कार्य निषेध

पुराणों के अनुसार भद्रा भगवान सूर्य की पुत्री और शनिदेव की बहन है। पंचांग शुद्धि में भद्रा का खास महत्व होता है। यह प्रायः अशुभ दृष्टि वाली है। ज्योतिष में तिथि, वार, योग, नक्षत्र और करण से मिलकर पंचांग बनता है। इनमें से सातवें करण विष्टि का नाम ही भद्रा है। यह सदैव गतिशील होती है। वैसे तो भद्रा का अर्थ मंगल करने वाला होता है, लेकिन इस अर्थ के विपरीत विष्टि या भद्रा करण में शुभ कार्य निषेध बताए गए हैं। वैसे लगभग प्रत्येक पूर्णिमा पर भद्रा आती है।

30 लाख नगद सहित 1.79 करोड़ की सामग्री जप्त

चुनाव में पैसे का प्रवाह रोकने हरकत में प्रशासन

जबलपुर। लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के बाद से जिले में बड़ी मात्रा में नकदी, निषिद्ध वस्तुओं एवं बहुमूल्य धातुओं के परिवहन पर रोक लगाने जिला निर्वाचन कार्यालय के एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग सेल, पुलिस, आबकारी, आयकर एवं अन्य एनफोर्समेण्ट एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्यवाही के तहत अभी तक 1 करोड़ 78 लाख 90 हजार रुपये की सामग्री जप्त की गई है। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार जप्त की गई सामग्री में 30 लाख रुपये की नकदी तथा 13 लाख 37 हजार रुपये कीमत की 5 हजार 031 लीटर मदिरा, 5 लाख 78 हजार रूपये कीमत का 58.36 किलोग्राम ड्रग्स (गांजा) एवं 1 करोड़ 3 लाख 65 हजार रुपये की उपहार एवं अन्य वितरण सामग्री शामिल है।

अभी तक 93 शिकायतों का निराकरण

लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता एवं संपत्ति विरूपण अधिनियम से संबंधित अभी तक प्राप्त 104 शिकायतों में से 93 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। इनमें सी-विजिल एप पर अभी तक प्राप्त सभी तीन शिकायतें भी शामिल है। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार सी विजिल एप पर अभी तक तीन शिकायतें ही प्राप्त हुई हैं। इन सभी शिकायतों का एफएसटी दलों द्वारा तय समय सीमा के भीतर निराकरण किया जा चुका है। सी विजिल एप के अलावा निर्वाचन से संबंधित ऑफ लाइन प्राप्त 12 शिकायतों में से 5 को निराकृत कर दिया गया है तथा नौ पर कार्यवाही जारी है । इसी प्रकार जिला संपर्प केंद्र के टोल फ्री नम्बर 1950 पर प्राप्त 70 शिकायतों, सूचनाओं एवं सुझावों में से सभी का तथा एनजीएसपी 2.0 पोर्टल पर प्राप्त 19 शिकायतों में से 15 का निराकरण किया जा चुका है।

बाजारों में रंग गुलाल, पिचकारियों की दुकानें सजी

इस बार होली में दिखेंगे सियासी रंग

जबलपुर। रंगों के पर्व होली को अब तीन दिन शेष रह गया है। बाजार में रंग-रंगीले पर्व की तैयारियां शुरू हो गई हैं। दुकानदारों ने रंग-गुलाल, पिचकारियों के जो ऑर्डर बुक कराये थे, उनका माल अब आ चुका है। वहीं होलिका स्थापित करने वाली समितियों ने चंदा उगाही का धंधा शुरू कर दिया है। हर तरफ धीरे-धीरे होली के त्यौहार के आगमन की आहट सुनाई देने लगी है। रंगों के मदमस्त त्यौहार होली पर शहर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की संख्या भी अब गिनी चुनी रह गई है। ले-देकर गुंजन कला सदन की रसरंग उत्सव धुरेड़ी की पूर्व संध्या पर होगा। अब फागों के मुकाबले नहीं के बराबर बचे हैं। इस बार लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी रंग भी नजर आ रहे हैं। बाजारों में मोदी टीशर्ट मोदी मुखौटा भी खूब आए हैं। जिन्हें होली में इस्तेमाल किया जाएगा। अब चुनाव में प्रशासनिक अमले और शासकीय कर्मचारियों की होली के रंग फीके कर दिये हैं। हा इतना जरूर है कि चुनाव के माहौल में होली के रंगों के साथ साथ सियासी रंग भी जरूर नजर आएंग। होली के त्योहार को लेकर बच्चों में उत्साह दिखाई दे रहा है रंग पिचकारी खरीदने बच्चे उत्साहित हैं तो वहीं कुछ मनचले अपना खर्च निकालने के लिये 25 रूपये के चंदे की रसीद खरीद कर हजारों रूपये की उगाही करने मोहल्ले के दादाओं के साथ निकल पड़े हैं। चंदे से होली रखी जाएगी और बाकी मौजमस्ती, शराबखोरी में उड़ाया जाएगा। ऐसे लोगों ने अभी से अपने-अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में अरण्डी के पेड़ स्थापित कर दिये हैं। होलिका प्रतिमाओं का निर्माण भी प्रारंभ हो गया है। दो-चार दिनों से रंग-अबीर की दुकानें भी सज गई हैं।

माता गुजरी महाविद्यालय की छात्राओं ने जमकर खेली होली

जबलपुर। माता गुजरी महिला महाविद्यालय में 22 मार्च 2024 को छात्राओं के लिए होली समारोह का आयोजन किया गया, इसमें महाविद्यालय की सभी छात्राओं के एक स्थान पर एकत्रित होकर रंगों का त्यौहार होली मनाने के लिए होली का आयोजन हमारे स्टाफ एवं छात्राओं द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसी तारतम्य में छात्राओं ने अपने साथियों के साथ जोर-शोर से मनाया एक दूसरे को रंग लगाया एवं डीजे के साथ डांस आदि के पूर्ण रूप से मनोरंजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में मिलकर एक साथ त्यौहार मनाने की एवं एक दूसरे के प्रति प्रेम और सद्भावना की भावना जगाने के लिए किया गया है, छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर होली मनाई, होली का कार्यकम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता झाम्ब के मार्गदर्शन में सुश्री यशमीत कौर एवं पारूल अवस्थी, डॉ. संगीता सारखेल आदि के निर्देशन में छात्राओं के सहयोग के साथ किया गया। इसमें महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं स्टाफ का भी पूर्ण सहयोग रहा।

पीएसएम में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

जबलपुर। प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान पीएसएम में 18 मार्च से 21 मार्च तक वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता हेतु संस्थान में 15 से 17 मार्च तक संस्थान के आचार्यों एवं प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आवश्यक तैयारियां की गई। प्रतियोगिता हेतु संस्थान में प्रशिक्षणरत एम.एड. और बीएड के प्रशिक्षणार्थियों को क्रमशः नौ सदनों अरावली सदन, हिमालय सदन, शिवालिक सदन, विंध्यांचल सदन, मैकल सदन, उदयगिरि सदन, सतपुड़ा सदन, नीलगिरि सदन एवं रत्नागिरि सदन में विभाजित किया गया दिनांक 13/03/2024 को संस्थान के अपर संचालक/ प्राचार्य डॉ. राम कुमार स्वर्णकार की अध्यक्षता एवं खेल प्रभारी शेख मुनीर के मार्गदर्शन में मार्चपास्ट का आयोजन किया गया। संस्थान ने प्रशिक्षणरत एम.एड. बीएड के छात अध्यापक स्नेहलत प्यासी, रामस्वरूप झारिया, पवन शुक्ला, रितिक पूर्वी, सगीर कोरी, सरिता चौधरी, निशा पटेल आदि का वार्षिक खेलकूल प्रतियोगित्ता में विशेष सहयोग रहा।

सेंट अलायशियस इंस्टीट्यूट में सांस्कृतिक महोत्सव स्पेक्ट्रा आयोजित

जबलपुर। सेंट अलायशियस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एसएआईटी) ने 23 मार्च को स्पेक्ट्रा 4.0 का आयोजन किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों से आए लगभग 500 छात्रों क साथ ही जबलपुर के विभिन्न कॉलेजों के 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस महोत्सव की खास बात रैंप वॉक थी, जहां मॉडल्स ने अपनी सुंदरता का प्रदर्शन किया। मिस्टर प्रकाम राजपूत और मिसेज अमृता शर्मा के नेतृत्व में रैंप वॉक ने आयोजन को ग्लेमर और स्टाइल की स्पर्धा का माध्यम बनाया। आयोजन की सफलता के पीछे एसएआईटी के निर्देशक डॉ. फादर डेविस जार्ज, प्राचार्य डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, अनूप बैनर्जी और शिक्षकों के साथ डॉ. करुणा, कंचन यादव, ऋतिका शर्मा, जितेश पांडेय, मोहम्मद परवेज, विवेक साहू, अक्षय, निखिल श्रीवास्तव, शिवम और अन्य शिक्षक सदस्यों का योगदान रहा।

मारपीट के विरोध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव कर धरना दिया

जबलपुर। रविदास समाज जबलपुर के ऑटो चालक सागर चौधरी, दुर्गेश बेन का तालिबानी मामलों के तहत गुंडे बदमाशों ने गोहलपुर से रद्दी चौकी तक पैदल जुलूस निकाला एवं उनका रद्दी चौकी के समीप लाकर 15 से 20 लोगों ने हथियारों से लैस होकर मारपीट की। विशेष समुदाय के लोगों ने पूरी रोड में हथियार लहराते हुए दलित युवक के साथ भी बेरहमी से मारपीट की। थाना गोहलपुर पुलिस के द्वारा कार्यवाही न करने के खिलाफ रविदास समाज जबलपुर के महासचिव राजेंद्र चौधरी के नेतृत्व में पैदल मार्च करते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन दिया गया, हत्या का प्रयास एससी एसटी एक्ट के तहत अपराधियों के मकान तोड़ने के लिए सभी विषय पर सीएसपी पंकज मिश्रा समाज ने पूरे मामले से अवगत कराया, दूरभाष पर पुलिस अधीक्षक जबलपुर से चर्चा की गई तथा सख्त कार्यवाही की मांग की गई है। इस दौरान सेवा चौधरी, संजीत अहिरवार, राकेश चौधरी, नीरज चौधरी, रोशन चौधरी, विक्की, विकास चौधरी, अशोक रोहतास, संजय अहिरवार, कार्तिक चौधरी, राहुल चौधरी सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अतिथि शिक्षकों के अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने की तिथि बढ़ाई जाए

जबलपुर। वर्तमान समय में जो अतिथि शिक्षकों को डिजिटल अनुभव प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं, उसकी दिनाँक 10 अप्रेल 2024 तक बढ़ाई जाए, क्योंकि जबलपुर जिले के सैकड़ों अतिथि शिक्षकों के अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं हो पाये हैं, कहीं सर्वर की परेशानी है, तो कहीं परीक्षाओं के चलते संकुल प्राचार्य उपलब्ध नहीं हो पाते, जिससे अतिथि शिक्षकों का काम प्रभावित हो रहा है, वहीं होली पर्व के उपलक्ष्य में तीन दिन का अवकाश है, ऐसी स्थिति में अतिथि शिक्षक अनुभव प्रमाण पत्र न बनने के कारण परेशान हैं। अतः प्रमाण पत्र जारी करने की तिथि 10 अप्रेल तक बढ़ाये जाने की मांग आजाद अतिथि शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष हेमन्त तिवारी, संदीप तिवारी, मनीष राय, मनोज दुबे, भूपेन्द्र दुबे, संतोष श्रीपाल, विजया शर्मा, अमरावती उपाध्याय, संतोषी शर्मा, सतीश नागरिया, राहुल राय, रामसिंह सहित अन्य ने आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से की है।

शहीदे आज़म ने भगत सिंह राजगुरू सुखदेव की शहादत को किया नमन

जबलपुर। शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह युवा विचार मंच के अध्यक्ष तजिन्दर सिंह टीटू एवं सचिव डिम्पी बिन्द्रा ने बताया कि सरदार भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव, की शहादत को याद करते हुए युवा विचार मंच ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, इस अवसर पर काके आनंद, राजेंद्र सिंह छाबड़ा, रविंद्र सिंह चाना, अमरजीत सिंह चड्ढा, हरमिंदर सिंह, उत्तम सिंह, रवि ठाकुर, अशोक राजपूत, सतनाम सिंह इत्यादि लोग मौजूद रहे, उसके उपरांत सायं 7:00 बजे से देश भक्ति कविता पाठ कुछ बच्चों द्वारा लेक्चर तथा राष्ट्रीय गीतों की एक शाम शहीदों के नाम समर्पित की जायेगी, इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के पी.डब्लू.डी. मंत्री एवं पश्चिम क्षेत्र विधायक राकेश सिंह होंगे।

सर्व समाज रंग पंचमी उत्सव धूमधाम से मनाएगा

जबलपुर। संपूर्ण ब्राह्मण मंच कमला नेहरू नगर व्यापारी संघ संयुक्त रूप से रंग पंचमी उत्सव मनाएगा जिसमें समाज के सभी वर्गों को सम्मानित किया जाएगा। परशुराम धाम ग्वारीघाट भगवान परशुराम जी की महाआरती 12 वर्ष में प्रवेश हुआ तभी उद्घोषणा की गई पर्यावरण बचाने के लिए कांडा की होली जलाएं, पर्यावरण पर हर वर्ग का हर समाज का बचाने का दायित्व है हम सब मिलकर नए युग में प्रवेश कर रहे हैं तब हमें प्राकृतिक रंगों के साथ होली का कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए जिस प्रकार मां को आनंदित करने वाला पर्व है हम सब कृत संकल्प धूमधाम से लोकगीतों के साथ होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया अपील करता गाण धनंजय बाजपेई सीताराम कुरचानिया रावेंद्र तिवारी सुधाकर मिश्र राजकुमार दुबे चंद्रशेखर शर्मा मुन्नालाल दुबे एचडी तिवारी गोपाल तिवारी सुधा मिश्रा मधुबाला दुबे मीरा दुबे गायत्री दुबे अखिलेश मेहता विजय गुप्ता आदि ने उपस्थित की अपील की।

सरपंच ने तहसीलदार मझौली से की शिकायत

ग्राम पंचायत की शासकीय भूमि में दबंग का कब्जा

सिहोरा। सिहोरा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहला के सरपंच ने ग्राम पंचायत की शासकीय भूमि में ग्राम पंचायत के एक दबंग द्वारा अवैध कब्जा करने की शिकायत तहसीलदार मझौली नायब तहसीलदार पोंडा और सिहोरा पुलिस थाने में की गई है ग्राम पंचायत सरपंच जगदीश ठकुरी ने अपनी शिकायत में बताया ग्राम पंचायत के शमशान के पास शासकीय भूमि लगी है इस भूमि में ग्राम पंचायत द्वारा पेयजल टंकी का निर्माण किया गया है शेष बची शासकीय भूमि में ग्राम के जगदीश पटेल पिता मौजी लाल पटेल मैं अपना कब्जा टीम का शेड लगाकर कर लिया है ग्राम पंचायत सरपंच ने तहसीलदार मझौली नायब तहसीलदार पोंडा थाना प्रभारी सिहोरा से ग्राम पंचायत की शासकीय भूमि को सुरक्षित बनाए रखना अवैध कब्जा को तत्काल हटाए जाने की मांग की है।

नागरिक अधिकार मंच ने किया संविधान शाला का आयोजन

जबलपुर। नागरिक अधिकार मंच द्वारा स्थानीय शासकीय यूथ हॉस्टल रानीताल में दो दिवसीय संविधान शाला का आयोजन 21 व 22 मार्च को किया गया, जिसमें हरदा, टिमरनी, मवई, मंडला, भोपाल और जबलपुर शहर के विभिन्न समुदाय के 25 युवाओं ने भाग लिया। इस संविधान शाला में एड. अरविंद श्रीवास्तव ने युवाओं से राजनीति पर चर्चा करते हुए बताया कि देश के हर वर्ग के युवा को राजनीति को समझने की आवश्यकता है, क्योंकि राजनीति हमारा वर्तमान और भविष्य तय करती है। प्रो. भारती शुक्ला ने युवाओं को मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में युवाओं द्वारा न्याय, समता, स्वतंत्रता, बंधुता मूल्य आधारित नाटक का मंचन किया गया। कार्यक्रम में काजल चौधरी, ज्योति चौधरी, ईशा, चाँदनी, रिया, रियान कबीर, दीपक, आयुषी तिवारी, मोनसिंह, अविनाश चौहान आदि युवा उपस्थित रहे। संस्था से कौशल चौधरी, भावना बेदी, दीक्षा यादव व अभिषेक चौधरी ने कार्यकम में सहयोग प्रदान किया।

रंगों के साथ पकवानों से बाजार में सजने लगी दुकानें

मन भा रही देसी घी से बनी गुझिया ड्राईफ्रूट नमकीन से सजी दुकान

जबलपुर

होली का त्योहार हो और मिठास का जिक्र न हो यह तो हो ही नहीं सकता। इसलिए होली पर बाजार में जितने रंग सजे हैं, उतने ही किस्म की मिठाई भी स्वागत के लिए तैयार है। परंपरागत गुझिया भी कई किस्म के स्वाद में उपलब्ध है।

यूं तो गुझिया कई तरह की बनती हैं। इनमें खोए वाली पारंपरिक गुझिया, सूजी की गुझिया के साथ-साथ नारियल की गुझिया शामिल हैं। लेकिन इस बार ड्राइ फ्रूट (मेवे) वाली गुझिया होली की मिठास बढ़ाएगी। इसके साथ ही ड्राइ फ्रूट वाली नमकीन भी दुकानों पर खरीदारी के लिए उपलब्ध है, जो लोगों को खूब भा रही है। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए हर बार की तरह इस बार भी बाजार में मीठे और तरह- तरह के नमकीन सजाए जा रहे हैं। जो ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं। नमकीन में दाल मोठ, बेसन सेम तथा मठरी सहित अन्य कई वैरायटी मौजूद हैं। इसकी खरीदारी के लिए मिठाई की दुकानों पर भीड़ शुरू हो गई है।

गुझिया 400 प्रति किलो से शुरू

डालडा घी और रिफाइंड की बनी गुझिया जहां 400 से 500 रुपए किलो बिक रही है। वहीं देशी घी की गुझिया 420 से 600 से लेकर 1200 रुपए प्रति किग्रा दुकानों पर बिक्री के लिए उपलब्ध है। इनमें सर्वाधिक 1200 सौ रुपये प्रति किग्रा के भाव मेवे वाली गुझिया बिक रही है। इसके अलावा बाजार में मैदा, केसर, चंद्रकला, लौंगलता, समोसा, ड्राई फ्रूट समेत कई तरह की गुझिया भी उपलब्ध है।

उपहार के लिए की गई है विशेष तैयारियां

मिठाई की छोटी से लेकर बड़ी दुकानों और रेस्टोरेंट में उपहार के लिए भी विशेष तैयारियां की गई है। अलग-अलग छोटी पैकिंग में समोसे, मठरी, सामान्य और काजू बिस्किट तो बड़ी पैकिंग में गुझिया, ठंडई, नमकीन, सोहन पापड़ी, खुर्मा, बिस्किट, मठरी आदि उपलब्ध है। कुछ बड़ी दुकानों पर एक ही पैकिंग में चार९पांच तरह की गुझिया भी उपलब्ध हैं। उपहार के लिए भी दुकानों पर भीड़ लग रही है।

त्योहार को खास बनाने के लिए विशेष तैयारी

राजधानी के पुराने शहर, घोड़ा निक्कास स्थित कुंदन स्वीट्स एवं नमकीन सेंटर के संचालक प्रेमनारायण यादव ने बताया कि इस बार होली के त्योहार को खास बनाने के लिए हमने विशेष तैयारी की है। विशेष प्रकार की मेवे की गुझिया के साथ-साथ ड्राइफ्रूट की नमकीन भी तैयार की गई है। जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। लोग होली को लेकर उत्साहित हैं। इस बार अच्छी बिक्री की उम्मीद है। अभी लोग गिफ्ट के तौर पर खरीदारी कर रहे हैं। एक-दो दिनों में लोग घरों के लिए भी खरीदारी करने आएंगे।

निधन

श्री लखपती लोधी- रसल चौक जैन टावर के पीछे निवासी श्री लखपती लोधी (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोना बाई यादव- गोरखपुर निवासी श्री बद्री प्रसाद यादव की धर्मपत्नी श्रीमती सोना बाई यादव का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया

श्री लक्ष्मी नारायण चौरसिया- कमानिया जैन मंदिर के पास निवासी श्री लक्ष्मी नारायण चौरसिया (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री छोटे लाल कोरी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री छोटे लाल कोरी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अंशु स्वामी- गोरखपुर निवासी श्री श्याम सुंदर स्वामी के पुत्र श्री अंशु स्वामी (20) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कला बाई कोल- छुई खदान मड़ैया श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री गंगा कोल की धर्मपत्नी श्रीमती कला बाई कोल (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रूपा बाई अहिरवार- बागड़ा दफाई पोलीपाथर निवासी श्री कुंजी लाल अहिरवार की धर्मपत्नी श्रीमती रूपा बाई अहिरवार (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती तारा बाई- राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री नन्हें लाल की धर्मपत्नी श्रीमती तारा बाई (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कांति बाई पटेल- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री सुखचैन पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती कांति बाई पटेल (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

होली में रंग उड़ाने के साथ कमा सकते हैं अच्छा पैसा

- कई बिजनेस कुछ ही दिन में करा सकते हैं जबरदस्त कमाई
- खाने-पीने की चीजें बेचकर भी हो सकते हैं मालामाल
- हर्बल रंग बेचकर भी आप कमा सकते हैं बढ़िया पैसा
- कर सकते हैं गिफ्ट और हैम्पर्स का भी बिजनेस कर सकते हैं

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस दिनों देशभर में चुनाव के साथ होली का भी खुमार छाया हुआ है। हर तरफ होली की रंगत छाई हुई है। होली अब बहुत नजदीक है। चारों ओर रंगों के इस त्योहार को लेकर तैयारियां चल रही हैं। आप भी इस त्योहार में अपनी खुशियों को डबल कर सकते हैं, यानी रंग उड़ाने के साथ अच्छा पैसा भी कमा सकते हैं। बस जरूरत है छोटी सी शुरूआत करने की। त्योहार मनाने के साथ-साथ अगर कमाई भी हो जाए तो आपकी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। इसलिए आप भी होली को ध्यान में रखते कुछ बिजनेस आइडिया पर काम करें और अच्छा पैसा कमाएं। रंग और गुलाल, पिचकारी और खिलौनों का बिज़नेस, मिठाई-नमकीन का सामान, पूजा सामग्री, टूर-ट्रेवल, होली इवेंट एक्सपीरियंस, होली हैम्पर्स व गिफ्ट्स और खाने पीने की सामग्री समेत कई बिजनेस आपको कुछ ही दिनों में अच्छा पैसा कमाकर दे सकते हैं। यह आपकी खुशियों को दोगुना-तिगुना कर देंगे। इसमें 1-2 काम तो आप होली के बाद भी जारी रख कर या इसे नियमित में तब्दील कर सकते हैं और बाद में इनका विस्तार भी कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ बिजनेस आईडियाज जो आपको करवा सकते हैं बढ़िया कमाई।

रंगों का व्यापार

होली में रंग न हो ऐसा हो ही नहीं सकता है। रंगों को लेकर लोगों के बीच आजकल काफी जागरूकता देखने को मिल रही है। वह सिंथेटिक और हार्ड कलर की बजाय हर्बल कलर्स को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। आप हर्बल कलर बेचकर अच्छी कमाई कर सकते हैं। आप इन्हें घर पर खुद ही बना सकते हैं। हर्बल कलर बनाने के लिए आपको गुलाब के पत्ते, इंडिगो, मेंहदी, हल्दी, दही आदि की जरूरत होगी। आप यूट्यूब से भी हर्बल कलर बनाना सीख सकते हैं। बड़ों से ज्यादा बच्चे रंग, गुब्बारों और गुलाल की खरीदारी करते हैं। होली पर बच्चे से लेकर बूढ़े तक को रंग, अबीर, गुलाल की तो ज़रूरत होती ही है। ऐसे में आप रंग बेचने का बिज़नेस शुरू कर सकते हैं। आप घर से ऑर्गेनिक रंग बनाकर भी बेच सकते हैं। बाज़ार में बिकने वाले कैमिकल कलर से बचाव के लिए अब लोग ऑर्गेनिक कलर पर ध्यान देने लगे हैं। ऐसे में आप घर से ही इस बिज़नेस को शुरू कर सकते हैं। इस बिज़नेस को छोटे स्तर पर महज़ 3 से 4 हज़ार की कीमत पर शुरू कर सकते हैं और अच्छे दामों पर बेच सकते हैं।

खाने-पीन की सामग्री

होली के दिन घरों में खूब पकवान बनाए जाते हैं। मिठाई-नमकीन की तो खूब डिमांड होती है। घरों में गुजिया, मट्ठी जैसे कई स्नैक्स बनाए जाते हैं। ऐसे में आप इन्हें बनाने का कच्चा माल भी बेच सकते हैं, या इन्हें बनाकर भी बेच सकते हैं। होली के दिन मेहमानों का स्वागत करने के लिए अलग-अलग प्रकार की मिठाइयां भी तैयार की जाती हैं। आप तरह-तरह की मिठाइयां बनाकर भी बेच सकते हैं। अपना माल घर ही में तैयार कर लें या कारीगर बुलाकर तैयार करा लें। इसके अलावा होली के मौके पर आम तौर पर चलने वाले चावल के पापड़, आलू के पापड़, मैदे के पापड़, साबूदाना के पापड़, चिप्स, भुजिया बनाकर कच्चे ही बेचे जा सकते हैं। होली के समय पर इन सामानों के खरीदार काफी होते हैं, ऐसे में आप लोगों की इन ज़रूरतों को पूरा करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

पूजा सामग्री

होली से एक दिन पहले होलिका दहन के दिन पूजा भी की जाती है। ऐसे में पूजा के सामान की हर किसी को ज़रूरत होती है। आप होली से पहले पूजा सामग्री बेचने का भी बिज़नेस शुरू कर सकते हैं। आप धूप, अगरबत्ती, बताशे, फूल, माला इत्यादि को रख कर अच्छे दाम पर ग्राहकों को बेच सकते हैं। यह बिज़नेस केवल होली में ही नहीं बल्कि साल भर चल सकता है। आप इससे अच्छी कमाई कर सकते हैं। इस दिन बच्चों के लिए फलों, बिस्किट, चॉकलेट और अन्य खाद्य सामग्री की माला बनाई जाती है। ऐसे में आप बच्चों की माला बनाने का काम भी कर सकते हैं।

टूर-ट्रेवल

अक्सर लोग काम की तलाश में दूसरे शहर में रहते हैं। होली के मौके पर हर कोई अपने घर आना चाहता है, लेकिन टिकट की मारामारी के बीच उन्हें घर जाने के लिए टिकट नहीं मिलती। ऐसे में आप ट्रैवल ऐजेंट के रूप में टिकट की बुकिंग कर सकते हैं। बस आपके पास प्रिंटर, लैपटॉप और वाइ-फाई कनेक्शन होना चाहिए। होली के मौके पर कई लोगों को ऑफिस से जल्दी छुट्टी भी नहीं मिल पाती। इसलिए वो पहले से टिकट बुक नहीं करा पाते। इसलिए आप उनकी टिकट बुक करने में मदद कर सकते हैं। कई लोग टिकट पाने के लिए थोड़ा ज्यादा पैसा खर्च करने को भी तैयार हो जाते हैं। आप इस बिज़नेस के ज़रिए अच्छी कमाई कर सकते हैं। होली के मौके पर न केवल आप इस त्यौहार का पूरा आनंद ले सकते हैं, बल्कि आप इस त्यौहार को अवसर के रूप में भुना कर अच्छी कमाई भी कर सकते हैं।

होली इवेंट

आप एक होली इवेंट आयोजित कर लोगों को इस त्योहार को बड़े स्तर पर मनाने का आनंद दे सकते हैं। इसके लिए टिकट रख सकते हैं। ऐसे इवेंट में सबसे जरूरी होगा कि आप एक सुरक्षित माहौल मुहैया कराएं। महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। आप यहां खाने-पीने की सामग्री, पानी, रंग आदि की व्यवस्था कर अलग-अलग इलाकों में रहने में वाले लोगों को एक साथ ला सकते हैं। वैसे भी होली गिले शिकवे भूलने और एक दूसरे को गले लगाकर रंग लगाने का त्योहार है। त्योहार पर ऐसे कार्यक्रम से आपको भी अच्छी कमाई होगी और बच्चे, बूढ़े और जवान एक सुरक्षित महौल में होली को त्योहार मनाकर रोमांचित और खुश होंगे।

होली हैम्पर्स व गिफ्ट्स

होली पर लोग एक-दूसरे को गिफ्ट देना भी पसंद कर सकते हैं। आप गिफ्ट व हैम्पर्स बनाकर पैसा बना सकते हैं। यह ऐसा बिजनेस है जिसे आप होली के बाद भी जारी रख सकते हैं। भारत त्योहारों का देश है और यहां हमेशा कोई न कोई त्योहार मनाया ही जाता है। त्योहार न भी हो तो भी एनिवर्सिरी व बर्थडे जैसे सेलिब्रेशन में भी इनकी जरूरत पड़ती ही है।

एसआईपी में 10% का नियम जल्द बना सकता है करोड़पति

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करना चाहते हैं या कर रहे हैं तो एक बात गांठ बांध लें फिर आपको करोड़पति बनाने से कोई नहीं रोक सकता है। बस जरूरी है तय लक्ष्य के साथ जल्द और सधी हुई शुरूआत करने की। फिर देखना आप आसानी से बिना किसी परेशानी के अपने सपने पूरे कर सकते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है कि सिर्फ बड़े निवेश से ही बड़ा फंड तैयार होता है तो आपको इस सोच को बदल लेना चाहिए। आज के समय में ऐसी तमाम स्कीम्स हैं, जिसमें आप अगर छोटे अमाउंट से भी शुरुआत करेंगे तो बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। एसआईपी उसमें से एक है। इसके के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाता है। इस स्कीम में अगर आप लंबे समय के लिए अनुशासित होकर निवेश करें तो काफी बड़ा फंड जमा कर सकते हैं। एसआईपी के जरिए अगर आप करोड़पति बनना चाहते हैं तो आपको 10% वाला एक फॉर्मूला अच्छे से समझ लेना चाहिए। अगर आप इस फॉर्मूले के साथ सिर्फ 3000 रुपये की भी मासिक एसआईपी शुरू करें तो कुछ ही सालों में आपका करोड़पति बनना तय है। सिर्फ आप इन नियम को अपने पोर्टफोलियों में उतार लें इसके बाद आंखें बंद करके भी निवेश करेंगे तो आपको अमीर बनने से कोई नहीं रोक पाएंगा। तो आइये इस रिपोर्ट के जरीये जानते हैं कि आखिर वह 10 फीसदी वाला फॉर्मूला क्या है जो आपको पूंजीपति यानी करोड़पति बनाएगा।

> 3000 रुपये से भी शुरू करेंगे निवेश तो होंगे मालामाल
> ■
> छोटे से निवेश भी आपको मिल सकता है बढ़िया रिटर्न, अनुशासित होकर निवेश करें तो काफी बड़ा फंड जमा कर सकेंगे
> ■
> एसआईपी के जरिए आप आसानी से करोड़पति बन सकते हैं

क्या 10 प्रतिशत वाला फॉर्मूला

अब हम आपको बताते हैं 10% वाला फॉर्मूला। इसके तहत आप जितने रुपये से भी एसआईपी में निवेश शुरू करते हैं, उसमें हर साल 10 प्रतिशत अमाउंट बढ़ाते जाना है। मान लीजिए कि आप 3,000 रुपये महीने की एसआईपी शुरू करते हैं तो एक साल बाद आपको 3,000 में 10 फीसदी के हिसाब से 300 रुपये बढ़ाने होंगे यानी अगले साल आप 3300 रुपये की एसआईपी पूरे एक साल चलाएंगे। इसके अगले साल में 3,300 का 10 फीसदी यानी 330 का अमाउंट इसमें और एड करना है। इस तरह 3,630 रुपये की एसआईपी आपको पूरे एक साल तक चलानी होगी। उसके अगले साल 3,630 का 10 फीसदी अमाउंट उसी एसआईपी में बढ़ाना है। इस तरह आपको हर साल निवेश की रकम का 10 फीसदी उसमें बढ़ाते रहना है।

अब समझिए कैसे बनेंगे करोड़पति

पहला नियम: 10 फीसदी फॉर्मूले के हिसाब से आपने अगर 25 साल की उम्र पर 3,000 रुपये को एसआईपी में निवेश करना शुरू किया है और इस निवेश को हर साल 10 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ाते हुए लगातार 25 से 30 साल तक जारी रखा तो आप करोड़पति बन जाएंगे। दरअसल, एसआईपी में औसतन रिटर्न 12 फीसदी का माना जाता है। ऐसे में अगर आप इस निवेश को 10 प्रतिशत के फॉर्मूले के साथ 25 सालों तक जारी रखते हैं तो 25 सालों में आपका कुल निवेश 35,40,494 रुपये का होगा। 12 फीसदी के हिसाब से इस पर 92,86,144 रुपये ब्याज मिलेगा और मैच्योरिटी पर आप 1,28,26,638 रुपये के मालिक होंगे।

दूसरा नियम: अगर आप इस निवेश को लगातार 30 सालों तक जारी रखते हैं तो आप 30 सालों में 59,21,785 रुपये इन्वेस्ट करेंगे। 12 फीसदी के हिसाब से ब्याज के तौर पर आपको 2,05,80,586 रुपये मिलेंगे और मैच्योरिटी पर आप 2,65,02,371 रुपये के मालिक बन जाएंगे। इस तरह आप सिर्फ 3,000 रुपये से एसआईपी में निवेश शुरू करके 25 से 30 सालों में खुद को करोड़पति बना सकते हैं।

- प्योर टर्म, एंडोमेंट, यूएलआईपी, मनीबैक या फिर पेंशन प्लान
- कौन सी बीमा पॉलिसी आपके लिए रहेगी बेस्ट एक बार जांच लें
- इसके बाद ही बीमा पॉलिसी खरीदने को बनाएं अपनी रणनीति

ध्यान दें कौन सी लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने में है समझदारी

जानकारी
बिजनेस डेस्क

क्या आप अपने लिए एक सही और सटीक लाइफ इंश्योरेंस प्लान खरीदने का फैसला सिर्फ इसलिए नहीं कर पा रहे, क्योंकि बाजार में मौजूद जीवन बीमा प्रोडक्ट्स की भारी भीड़ ने आपको कनफ्यूज कर दिया है? अगर आपका जवाब हां में है, तो ऐसे असमंजस में फंसने वाले आप अकेले व्यक्ति नहीं हैं। मनीबैक पॉलिसी, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी), पेंशन प्लान और भी न जाने क्या-क्या! दरअसल लाइफ इंश्योरेंस स्कीम्स के इतने सारे ऑप्शन मार्केट में मिल रहे हैं कि किसी भी व्यक्ति को फैसला लेने में कनफ्यूजन हो सकता है। हम यहां इसी उलझन को दूर करने की इस रिपोर्ट के जरीये कोशिश करेंगे।

लाइफ इंश्योरेंस क्यों जरूरी

सबसे पहली बात तो यह है कि किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए लाइफ इंश्योरेंस प्लान लेना बेहद जरूरी है, जो अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहा हो या जिस पर बहुत से लोग आर्थिक तौर पर निर्भर हों। अगर ऐसे व्यक्ति के साथ कोई हादसा हो जाए, तो उनके परिवार के लिए जीवन बीमा पॉलिसी एक बड़ा सहारा साबित हो सकती है। इसलिए तमाम कनफ्यूजन को दूर करके जल्द से जल्द लाइफ इंश्योरेंस प्लान खरीद लेने में ही समझदारी है। अब बात करते हैं कि ज्यादातर लोगों के लिए कौन सा प्लान लेना आमतौर पर सही रहता है।

निवेश कितना सही

एंडोमेंट प्लान हो, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी) हों या मनीबैक पॉलिसी या फिर पेंशन प्लान। इन सभी में इंश्योरेंस और इनवेस्टमेंट का कंबिनेशन देखने को मिलता है। इन सबको मिलाकर आप हाइब्रिड इंश्योरेंस प्लान भी कह सकते हैं। ऐसे प्लान को बेचते समय आम तौर पर यही कहा जाता है कि इनमें आपको बीमा और निवेश, दोनों का लाभ मिलता है। सैद्धांतिक तौर पर तो यह बात सही है, लेकिन व्यावहारिक रूप से ऐसा होता नहीं है। इसकी वजह यह है कि हाइब्रिड प्लान आमतौर पर महंगे पड़ते हैं यानी ऊंचा सम-इंश्योर्ड चाहिए तो प्रीमियम काफी अधिक हो जाता है, जिसके चलते इनके जरिये लोग आम तौर पर हाइब्रिड प्लान में पर्याप्त लाइफ कवर नहीं ले पाते और अगर लाइफ कवर पर्याप्त नहीं हो, तो जीवन बीमा का उद्देश्य ही अधूरा रह जाता है।

बहुत सफल नहीं होता

हाइब्रिड प्लान अपने दूसरे मकसद यानी इनवेस्टमेंट ऑप्शन के तौर पर भी बहुत सफल नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि इनमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आमतौर पर बेहद मामूली होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि निवेश की गई रकम के जरिए ही इंश्योरेंस भी दिया जाता है, जिसके एवज में बीमा कंपनी आपके रिटर्न में से ही नियमित रूप से मॉर्टैलिटी चार्जेज भी काटती है।

प्योर टर्म प्लान के क्या फायदे

हाइब्रिड प्लान से अलग, प्योर टर्म प्लान आपको काफी कम प्रीमियम में ऊंचा कवरेज दे सकते हैं। ऐसा इसलिए संभव हो पाता है, क्योंकि बीमा कंपनी आपसे प्योर टर्म प्लान के लिए जो प्रीमियम वसूल करती है, वह सिर्फ इंश्योरेंस के लिए ही होता है। प्योर टर्म प्लान में कोई सर्वाइवल बेनिफिट नहीं मिलता। यानी बीमा का लाभ इंश्योर्ड व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी होने पर ही मिलता है। पहली बार में ऐसा लग सकता है कि प्योर टर्म प्लान के प्रीमियम के लिए किया गया भुगतान सर्वाइवल की स्थिति में पूरी तरह बेकार चला जाता है, लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल प्योर टर्म प्लान का असली फायदा आपको इतना बड़ा लाइफ कवरेज मुहैया कराना है, जिसे किसी भी हाइब्रिड प्लान में अफोर्ड कर पाना बेहद मुश्किल है। मिसाल के तौर पर 1, 2 या 5 करोड़ रुपये का प्योर टर्म प्लान भी काफी अफोर्डेबल होता है, जबकि किसी भी हाइब्रिड प्लान में इतना बड़ा कवरेज लेने के लिए आपको साल में लाखों रुपये का प्रीमियम देना पड़ सकता है।

इंश्योरेंस और निवेश को अलग-अलग रखना बेहतर

अगर आप अपने लाइफ इंश्योरेंस और निवेश के लक्ष्य को अलग-अलग रखें तो दोनों ही मामलों में बेहतर रहेगा। ऐसा करने पर आप कम प्रीमियम पर पर्याप्त कवरेज ले पाएंगे और निवेश पर बेहतर रिटर्न भी कमा लेंगे। ऐसा करने का सबसे सीधा तरीका यही है कि आप जीवन बीमा के लिए प्योर टर्म प्लान पर भरोसा करें। वहीं, निवेश के लिए अपने रिस्क प्रोफाइल के हिसाब से पीपीएफ, बैंक एफडी से लेकर म्यूचुअल फंड एसआईपी तक किसी और विकल्प का चुनाव कर सकते हैं। सबसे बेहतर रणनीति तो यही होगी कि आप जीवन बीमा के लिए प्योर टर्म प्लान खरीदें और फिर प्रीमियम में होने वाली बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश कर दें।

एमएफ में क्या होता है एनएवी, आखिर कैसे किया जाता तय

बिजनेस डेस्क। सभी स्कीम के तहत म्यूचुअल फंड योजनाओं की यूनिट्स (लिक्विड और ओवरनाइट फंड को छोड़कर) सिर्फ संभावित एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) पर अलॉट की जाती हैं। म्यूचुअल फंड कट-ऑफ समय के बाद भी आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन आपको अगले कारोबारी दिन का एनएवी मिलेगा। किसी म्यूचुअल फंड का एनएवी प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य की तरह दिन-प्रतिदिन के आधार पर बदलता है। म्यूचुअल फंड स्कीम का प्रदर्शन उसकी प्रति यूनिट एनएवी द्वारा दर्शाया जाता है। प्रति यूनिट एनएवी किसी स्कीम की प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य को किसी निश्चित तारीख पर योजना की यूनिट्स की कुल संख्या से विभाजित किया जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसे ऐसे समझा जा सकता है कि अगर किसी म्यूचुअल फंड योजना की प्रतिभूतियों का बाजार मूल्य 200 लाख रुपये है और म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को 10 रुपये की 10 लाख यूनिट जारी की हैं तो फंड की प्रति यूनिट एनएवी 20 रुपये (200लाख/10 लाख) होगा। किसी म्यूचुअल फंड का एनएवी प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य की तरह दिन-प्रतिदिन के आधार पर बदलता है।

आखिर में एनएवी घोषित होती है

शेयरों के उलट, जहां कीमत शेयर बाजार द्वारा संचालित होती है और मिनट-दर-मिनट बदलती रहती है, सेबी म्यूचुअल फंड विनियमों के मुताबिक, बाजार बंद होने के बाद हर ट्रेडिंग दिन के आखिर में म्यूचुअल फंड योजनाओं की एनएवी घोषित की जाती है। सभी स्कीम के तहत म्यूचुअल फंड योजनाओं की यूनिट्स(लिक्विड और ओवरनाइट फंड को छोड़कर) सिर्फ संभावित एनएवी पर अलॉट की जाती हैं। म्यूचुअल फंड कट-ऑफ समय के बाद भी आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन आपको अगले कारोबारी दिन का एनएवी मिलेगा।

क्या है नेट एसेट वैल्यू फॉर्मूला

एसबीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, नेट एसेट मूल्य (एनएवी) का कैलकुलेशन निम्न फॉर्मूला के तहत निकाला जा सकता है:-

■

एसेट का शुद्ध मूल्य=(कुल संपत्ति-कुल देनदारियां)/फंड की कुल बकाया यूनिट्स नेट एसेट वैल्यू के फॉर्मूला को समझने के बाद, अगला कदम नेट एसेट वैल्यू में परिवर्तनों को समझना जरूरी है।

मान लीजिए कि आपने म्यूचुअल फंड स्कीम के एनएफओ (नए फंड ऑफरिंग) में 10 रुपये की एनएवी पर निवेश किया है। 3 महीने के बाद, एनएवी 11.22 रुपये तक बढ़ सकती है। तो उस स्थिति में, म्यूचुअल फंड योजना ने 12.2%=(11.22-10)/10) X 100 का रिटर्न जेनरेट किया है।

निवेशकों के लिए एनएवी क्यों है प्रासंगिक : नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) एक निश्चित अवधि में धन प्रभाव को दर्शाता है। जैसे अगर किसी फंड का एनएवी 1 साल0 में 100 रुपये से बढ़कर 118 रुपये हो गया है, तो इसे एक वर्ष में निवेश पर 18% रिटर्न के रूप में समझा जा सकता है। शुद्ध संपत्ति मूल्य तुलना की अनुमति देता है। हालांकि आप सीधे एनएवी पर तुलना नहीं करते हैं, आप एनएवी पर उत्पन्न रिटर्न से तुलना कर सकते हैं। इससे एक कैटेगरी के भीतर और विभिन्न श्रेणियों में फंड के चयन में मदद मिलती है। नेट एसेट वैल्यू.फंड द्वारा अपने निवेशकों को कम्यूनिकेशन का एक महत्वपूर्ण साधन है कि फंड कैसा प्रदर्शन कर रहा है क्योंकि पोर्टफोलियो का खुलासा केवल मासिक आधार पर होता है।

एडवांस वॉर्निंग सिस्टम : एनएवी निवेशकों के लिए एडवांस वॉर्निंग सिस्टम के रूप में काम कर सकता है। जैसे अगर किसी इक्विटी फंड के एनएवी में बढ़ोतरी या एनएवी में गिरावट सूचकांक के साथ तालमेल से बाहर है, तो निवेशकों के लिए करीब से देखने के लिए कुछ तो है। नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) की गणना प्रतिदिन की जाती है और यह निवेशकों को उनके फंड के प्रदर्शन का आकलन करने में सहायता करती है।

बचत कई तरीकों से निवेश कर तैयार कर सकते हैं मोटा पैसा, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

बच्चों के भविष्य की नहीं लें टेंशन जल्द शुरू करें निवेश की प्लानिंग

सही समय पर योजना बनाएं और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनें

लक्ष्य
बिजनेस डेस्क

अक्सर अभिभवकों को अपने बच्चों के भविष्य को लेकर हमेशा की चिंता रहती है। जैसे बच्चों के भविष्य के लिए कैसे बेहतर से बेहतर जो फाइनेंशियल प्लानिंग की जाए। जिससे बच्चों के भविष्य को बेहतर तरीके से सुरक्षित किया जा सके और खुद भी आर्थिक रूप से सुरक्षित बन सकें। अगर आप भी अपने बच्चे के भविष्य को सुरक्षित करना चाहते हैं, तो फिर इसके लिए आपको सही समय पर सही योजना बनाने की जरूरत होती है। निवेश के लिए एक बेहतर योजना तैयार कर जल्द से जल्द निवेश शुरू कर दें। जिससे बच्चे को भविष्य में शिक्षा, स्टार्टअप के लिए पैसे की आवश्यकता पड़े, तो फिर उन बड़े खर्चों को आसानी से पूरा किया जा सके। अभिभावकों को बच्चों के लिए लक्ष्य तय कर निवेश करना होगा। तभी समय रहते बच्चों की शिक्षा या बिजनेस शुरू करवाने के लिए आपके पास अच्छा पैसा होगा। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे पांच ऐसे टिप्स जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे और आपके बच्चों के भविष्य को भी सुरक्षित करेंगे। इसटिप्स से आप अपने बच्चे के भविष्य के लिए बेहतर फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकते हैं।

पहला जल्द निवेश शुरू करें

जब बच्चा जन्म लेता है। उस समय ही माता-पिता को बच्चे के भविष्य के लिए पैसे की बचत करनी शुरू कर देनी चाहिए। ये तरीका निवेश का एक काफी शानदार तरीका माना जाता है। अगर इस तरह माता-पिता बच्चे के भविष्य के लिए निवेश शुरू करते हैं, तो फिर इससे निवेश के बढ़ाने के लिए उनके पास और अधिक वक्त मिल सकता हैं। साथ ही जो पोर्टफोलियो है, उसमें इक्विटी म्यूचुअल फंड को भी जोड़ सकते हैं और पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं। अगर आप इस तरीके को निवेश में आजमाते हैं, तो फिर ये आपको जो बेहतर रिटर्न है उसको हासिल करने में काफी मदद कर सकते हैं। इससे आपको कभी दिक्कत नहीं होगी और आप आसानी से बच्चों भविष्य के लिए आर्थिक प्लानिंग कर सकेंगे।

दूसरा : लक्ष्य तय करें

आपका जो भी निवेश है उसको प्रभावी बनाने का एक बेहतर तरीका है। अगर आप निवेश कर रहे हैं, तो फिर आप पहले तय कर लें कि आप जो निवेश कर रहे है उसको किस खर्च के लिए बचा रहे हैं। साथ ही आप अपने शॉर्ट और लॉन्ग टर्म लक्ष्य हैं उसके हिसाब से पैसे को कहीं निवेश करें।

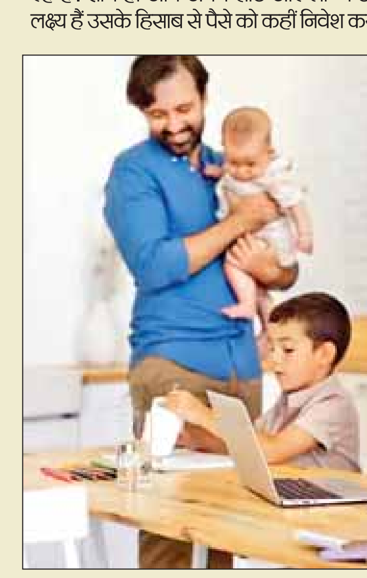

तीसरा : पोर्टफोलियो में विविधता

निवेश करते समय ध्यान रखें कि आपके पोर्टफोलियो में विविधता हो। किसी एक ही एसेट्स पर भरोसा न करें। निवेश में विविधता लाएं। यह आपके रिटर्न में एक बहुत बड़ा अंतर ला सकता है, क्योंकि देखा गया है कि जो हर वक्त जो एसेट क्लास है। वो अलग तरीकों से काम करती हैं। अगर हम इसको उदाहरण के हिसाब से समझें, तो किसी वर्ष में सोना बेहतर रिटर्न देता है, तो फिर कभी इक्विटी अच्छा रिटर्न देता है।

चौथा : हेल्थ इंश्योरेंस कवर लें

अपने पोर्टफोलियो में आप निवेश को तो शामिल करेंगे ही। इसके साथ ही आपको अपने पोर्टफोलियो में हेल्थ इंश्योरेंस को भी जरूर ही शामिल करना चाहिए। कोरोना महामारी के बाद काफी बड़ी संख्या में ऐसे लोग है। जिन लोगों की इंश्योरेंस के प्रति जो जागरूकता है। वो काफी बढ़ी है। हेल्थ इंश्योरेंस से आप खुद को मेडिकली सुरक्षित महसूस करेंगे। किसी भी बीमारी जैसी आपात स्थिति यह आपके बेहद काम आएगा।

5वां : बच्चों को दें फाइनेंशियल एजुकेशन

अगर आप अपने बच्चों का जो भविष्य है उसको बेहतर और अच्छा बना चाहते हैं, तो फिर आपको अपने बच्चों को फाइनेंशियल एजुकेशन भी देनी चाहिए। उन्हें बचत और निवेश का महत्व बताया जाना चाहिए, ताकि वे भी शुरूआत से ही बचत करें और अपने भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित कर सकें। अपने बच्चे को सही समय पर पैसे का महत्व समझाएं। अगर आप इन चीजों का ध्यान रखते हैं तो फिर आप अपने बच्चे के भविष्य को बेहतर कर पांएगे और बच्चा भी आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेगा।

दिल्ली शराब नीति घोटाले में ईडी की एक्शन और उस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद जहां आप और भाजपा के बीच सियासी संग्राम छिड़ा हुआ है, वहीं दिल्ली सरकार पर भी संकट गहराने का खतरा बढ़ गया है। गिरफ्तारी के बाद अरविंद केजरीवाल ने पद से इस्तीफा नहीं दिया है, इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या वे जेल से सरकार चलाएंगे, यदि हां तो कैसे? यदि नहीं तो दिल्ली की कमान अब किसके हाथ में होगी? नए मुखिया या एलजी के हाथ में? अरविंद के जेल में रहने से क्या आम आदमी पार्टी एकजुट रह सकेगी? लोकसभा चुनाव में केजरीवाल के बिना आप चुनाव कैंपेन कैसे करेगी और नए नेता कितना प्रभाव डाल पाएंगे? जैसी की चर्चा है, अगर अरविंद केजरीवाल को अपना पद छोड़ना पड़ सकता है, तो उनकी पत्नी सीएम के रूप में दिल्ली की कमान संभाल सकती है, अगर ऐसा होता है तो पार्टी के समर्पित नेताओं को एकजुट रख पाना मुश्किल होगा। क्या विपक्षी गठबंधन इंडिया को कोई फायदा होगा? भ्रष्टाचार के विरोधी से भ्रष्टाचार के आरोप तक अरविंद की राजनीति का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

सियासी चश्मे से न देखें गिरफ्तारी

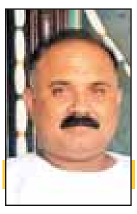

विश्लेषण
प्रणय यादव
वरिष्ठ टीवी पत्रकार

अब लोकसभा चुनाव का वक्त है। बीजेपी करप्शन को विपक्ष के खिलाफ बड़ा मुद्दा बना रही है, इसलिए विरोधी दलों के नेता करप्शन के कैसेज में हो रहे एक्शन को एजेंसियों के दुरुपयोग, और लोकतन्त्र को खत्म करने जैसा बता कर भ्रष्टाचार के मुद्दे की धार को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि इससे ईडी के एक्शन में कमी आएगी, इसकी उम्मीद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि मोदी दस साल से देश के प्रधानमंत्री है। दो बार लोकसभा के इलेक्शन हो चुके हैं। हर बार चुनाव से पहले इस तरह के मुद्दे उठे, लेकिन पीएम का करप्शन के खिलाफ कमिटमेंट कम नहीं हुआ। एक्शन में और तेजी आई। विरोधी नेता जितना ज्यादा इस मुद्दे पर बोलेंगे। मोदी उससे ज्यादा करप्शन के खिलाफ अभियान को आगे बढ़ाएंगे।

शराब घोटाले के केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी बड़ा चुनावी मुद्दा बन गया है। हालांकि यह मामला करप्शन का है, एक्शन ईडी का है, लेकिन सवाल सरकार पर उठ रहे हैं। इल्जाम ये है कि सरकार ने ईडी को विरोध की आवाज को दबाने का हथियार बना लिया है। सरकार की तरफ से तमाम तरह के तर्क दिए जा रहे हैं। कोर्ट के फैसले का हवाला दिया जा रहा है, चूंकि ईडी की गिरफ्त में विरोधी दलों के अनेक नेता फंसे हैं, इसलिए ये दावा किया जा रहा है कि सब सरकार के इशारे पर हो रहे हैं।

सरकार पर सवाल

कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है। ये सही है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पिछले छह सालों में कुछ ज्यादा सक्रिय हुआ है। उसके एक्शन में तेजी आई है, लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि ईडी के मामलों में कन्विक्शन रेट बहुत कम या कहें कि न के बराबर है। करीब साढ़े पांच हजार केस दर्ज किए हैं, जिनमें से 24 मामलों में फैसला आया और 23 में सजा हुई है। चूंकि 24 कैसेज का फैसला आया और इनमें से 23 मामलों में सजा हुई है, इसलिए ईडी ये दावा कर सकता है कि कन्विक्शन रेट 98 परसेंट है। अगर कुल दर्ज मामलों के लिहाज से देखा जाए तो ये कन्विक्शन रेट शून्य ही कहा जाएगा। इसी आधार पर विरोधी दलों के नेता ये इल्जाम लगा रहे हैं कि ईडी विरोधियों को डराने का सरकार का हथियार बन गया है। सिर्फ केस दर्ज किए जाते हैं। विरोधियों को बदनाम किया जाता है, कुछ लोगों को जेल में डाला जाता है और उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। इस मामले में ईडी का ये तर्क हो सकता है कि जांच करके तथ्यों और सबूतों को अदालत के सामने रखना उसका काम है। फैसला अदालत करती है, इसलिए कन्विक्शन रेट के आधार पर उसकी जांच की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर सवाल उठाना ठीक नहीं है।

ईडी भी घेरे में

सवाल ये भी है कि अगर ईडी का एक्शन निष्पक्ष है तो फिर विरोधी दलों के नेताओं पर ही ईडी की नजर क्यों पड़ती है। सरकार ने पार्लियामेंट में पिछले साल जो आंकड़े रखे थे। उसके मुताबिक पिछले तीन सालों में ईडी ने पीएमएलए के तहत कुल 3110 कैसेज दर्ज किए थे, जबकि उससे पहले सात सालों में पीएमएलए के तहत हर साल औसतन दो सौ केस दर्ज हुए। पिछले तीन वर्षों में ईडी ने जो कार्रवाई की, उसमें करीब 95 परसेंट विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ हुई। एक अंग्रेजी अखबार में एक रिपोर्ट छपी थी, जिसमें कहा गया था कि 2014 से लेकर 2022 के बीच ईडी ने कुल 121 नेताओं के खिलाफ एक्शन लिया, जिनमें से 115 नेता विपक्ष के थे। मनमोहन सिंह की सरकार के वक्त ईडी ने कुल 26 नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किए इनमें से करीब आधे 14 विरोधी दलों के थे। आंकड़ों का फर्क ये दिखाता है कि विरोधी दलों के खिलाफ एक्शन में तेजी तो आई है। नेता इसे सियासी चश्मे से देख सकते हैं, लेकिन एक हकीकत ये भी है कि नरेन्द्र मोदी की सरकार से पहले ईडी के पास वो ताकत ही नहीं थी, वो अधिकार ही नहीं थे, जिनके जरिये वो एक्शन ले सके। पहले ईडी को केस दर्ज करने, सर्च करने और गिरफ्तारी करने का हक नहीं था,लेकिन मोदी सरकार ने कानून में बदलाव करके ये तीन अधिकार इस एजेंसी को दे दिए। पीएमएलए में गिरफ्तारी के बाद जमानत के नियम भी बहुत सख्त हैं। आसानी से जमानत नहीं मिलती। कानून का यही बदलाव करप्शन में फंसे नेताओं के लिए मुसीबत बन गया है। चूंकि इस तरह के मामलों में जितने लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, उनमें से ज्यादातर नेता विरोधी दलों के हैं, इसलिए ये सियासी मुद्दा बन गया है। सियासी घमासान मचा हुआ है।

अरविन्द केजरीवाल का मसला दूसरी तरह का है। कांग्रेस के नेताओं ने ही शराब नीति घोटाले की शिकायत दिल्ली पुलिस से की थी। अजय माकन व संदीप दीक्षित जैसे नेताओं ने केजरीवाल की गिरफ्तारी की मांग की थी, लेकिन अब चूंकि दिल्ली में कांग्रेस और आप का गठबंधन है, इसलिए वही अजय माकन व संदीप दीक्षित केजरीवाल की गिरफ्तारी को गलत बता रहे हैं।

चुनाव के चलते बड़ा मुद्दा

चुनाव का वक्त है। कैंपेन शुरू हो गया है। पहले चरण के लिए नामांकन चल रहा है। इसी बीच केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई है, इसलिए ये मुद्दा बड़ा बन गया है। अब आम आदमी पार्टी के सामने बड़ा संकट है। केजरीवाल पार्टी के संयोजक हैं। पार्टी के सबसे बड़े कैंपेनर हैं। उनकी गैरमौजूदगी में लोकसभा इलेक्शन के कैंपेन को कौन लीड करेगा? केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री है। उनकी गिरफ्तारी के बाद अब क्या होगा? अगर वो इस्तीफा नहीं देंगे तो सरकार कैसे चलेगी और अगर इस्तीफा देते हैं तो उनकी जगह चीफ मिनिस्टर कौन होगा? आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के सामने ये बड़े सवाल हैं। हालांकि केजरीवाल भी जानते थे और उनकी पार्टी के नेता भी कि गिरफ्तारी तय है, क्योंकि मनीष सिसोदिया और संजय सिंह पहले ही अरेस्ट हो चुके हैं और उनकी जमानत की अर्जियां भी खारिज हो चुकी हैं।

ईडी ने अब तक कोर्ट में जो खुलासे किए हैं। गवाहों और आरोपियों के जो बयान सामने आए हैं उसमें केजरीवाल का नाम है, इसलिए उनकी गिरफ्तारी तो तय थी। केजरीवाल राजनीति के चतुर खिलाड़ी हैं। वो दस कदम आगे की सोच कर चलते हैं, इसलिए ऐसा नहीं हो सकता कि केजरीवाल ने इस परिस्थिति के बारे में न सोचा हो, इसकी रणनीति न बनाई हो। चुनाव का वक्त है। विक्टिम कार्ड खेलने से सहानुभूति मिल सकती है, इसलिए आम आदमी पार्टी के नेता इसे बीजेपी की साजिश बता रहे हैं। इन इल्जामात से चुनावी फायदा हो सकता है। जनता को बात समझाई जा सकती है, लेकिन अदालत में ये सारे तर्क नहीं चलते। आप के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने गिरफ्तारी का विरोध करते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट में इसी तरह के तर्क रखे, लेकिन बात नहीं बनी, क्योंकि ईडी ने कोर्ट में जो तथ्य और बयान पेश किए उससे जज संतुष्ट दिखे और केजरीवाल को रिमांड में भेजा।

सियासी असर

केजरीवाल तो ईडी की रिमांड पर हैं, लेकिन उनकी गिरफ्तारी का सियासी असर ये हुआ कि सीटों के बंटवारे को लेकर एंटी मोदी मोर्चे में शामिल जो पार्टियों एक दूसरे को कोस रही थी वो एकजुट हो गई। उनकी दूरियां केजरीवाल की गिरफ्तारी ने मिटा दीं। जैसे ही केजरीवाल की रिमांड का फैसला आया तो कांग्रेस, आरजेडी, समाजवादी पार्टी, शरद पवार की एनसीपी, जेएमएम, सीपीएम, सीपीआई, उद्धव ठाकरे की शिवसेना, डीएमके, नेशनल कॉन्फ्रेन्स, और पीडीपी समेत तमाम दलों के नेता चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंच गए। सबकी एक ही मांग है कि विरोधी दलों के ईडी का एक्शन सरकार के इशारे पर चुनाव के दौरान लेवल प्लेइंग फील्ड खत्म करने की कोशिश है। विरोधियों को बदनाम करने और विरोध के स्वर को दबाने की कोशिश है, इसलिए चुनाव आयोग को इसमें दखल देना चाहिए। चुनाव आयोग के पास सीमित ऑप्शन हैं। वह किसी मामले की जांच में दखल नहीं दे सकता।

जनता के मन में ये सवाल तो बैठ गया है कि आखिर ईडी की नजर हर बार विपक्ष के नेताओं पर क्यों पड़ती है। राज्यों में चुनाव हुए तो ईडी वहां एक्टिव हो गई। वहां भी विरोधी दलों के नेता निशाने पर रहे। छत्तीसगढ़ में चुनाव के वक्त गेमिंग एप का मसला उठा। भूपेश बघेल तक आंच पहुंची, लेकिन अब वो मामला शान्त है। कर्नाटक के इलेक्शन से पहले डीके शिवकुमार के खिलाफ एक्शन हुआ, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ केस को रद कर दिया। बंगाल में इलेक्शन से पहले तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की ताबड़तोड़ गिरफ्तारियां हुईं। तमिलनाडु में डीएमके के मंत्री के खिलाफ केस बना। हाल ही में झारखंड में ईडी के केस के कारण बड़ा सियासी बदलाव हुआ। हेमंत सोरेन के इस्तीफा देना पड़ा। उनकी गिरफ्तारी हो गई। चंपई सोरेन मुख्यमंत्री बन गए। हेमंत सोरेन जेल में हैं। मामला शान्त दिख रहा था। लेकिन अब हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने बीजेपी ज्वाइन कर ली। झारखंड में एक बार फिर सियासी बदलाव की चर्चा शुरू हो गई। बिहार में तेजस्वी य़ादव समेत लालू के परिवार के पांच लोग ईडी के निशाने पर हैं। ईडी राहुल गांधी और सोनिया गांधी से भी पूछताछ कर चुकी है, इसीलिए बार-बार ये कहा जा रहा है कि ईडी विरोधियों को परेशान करने का सरकार का हथियार बन गई। जबकि यह सच नहीं है, ईडी अपना काम कर रही है। ईउी के पक्षपाती एक्शन को साबित करने के लिए शुभेन्दु अधिकारी, हेमंत विश्वसर्मा, अजीत पवार और छगन भुजबल जैसे नेताओं का उदाहरण दिया जाता है। चूंकि ये बात सही है कि इन सभी नेताओं के खिलाफ करप्शन के इल्जाम थे। ये भी सही है कि बीजेपी के बड़े बड़े नेताओं ने इन सबके खिलाफ कैंपेन चलाया। सार्वजनिक तौर पर बयान दिए, लेकिन जब ये सारे नेता बीजेपी में शामिल हो गए या फिर बीजेपी के सहयोगी बन गए तो न सिर्फ उन्हें बड़े बड़े पद मिल गए बल्कि उनके कैसेज की चर्चा दब गई। इसीलिए विपक्ष के आरोपों का असर दिख रहा है।

हालांकि अरविन्द केजरीवाल का मसला दूसरी तरह का है। कांग्रेस के नेताओं ने ही शराब नीति घोटाले की शिकायत दिल्ली पुलिस से की थी। अजय माकन व संदीप दीक्षित जैसे नेताओं ने केजरीवाल की गिरफ्तारी की मांग की थी, लेकिन अब चूंकि दिल्ली में कांग्रेस और आप का गठबंधन है, इसलिए वही अजय माकन व संदीप दीक्षित केजरीवाल की गिरफ्तारी को गलत बता रहे हैं। पंजाब में केजरीवाल की पार्टी और कांग्रेस आमने सामने हैं, इसलिए पंजाब कांग्रेस के नेता केजरीवाल की गिरफ्तारी को सही ठहरा रहे हैं। कुल मिलाकर मामला सियासी है। जिसको जैसा सूट करता है वैसा बयान देता है, स्टैंड लेता है।

अब लोकसभा चुनाव का वक्त है। बीजेपी करप्शन को विपक्ष के खिलाफ बड़ा मुद्दा बना रही है, इसलिए विरोधी दलों के नेता करप्शन के कैसेज में हो रहे एक्शन को एजेंसियों के दुरुपयोग, और लोकतन्त्र को खत्म करने जैसा बता कर भ्रष्टाचार के मुद्दे की धार को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि इससे ईडी के एक्शन में कमी आएगी, सीबीआई की सक्रियता कुछ कम होगी। इसकी उम्मीद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि नरेन्द्र मोदी दस साल से देश के प्रधानमंत्री है। दस सालों में सभी राज्यों में दो-दो बार इलेक्शन हो चुके हैं। दो बार लोकसभा के इलेक्शन हो चुके हैं। हर बार चुनाव से पहले इस तरह के मुद्दे उठे, लेकिन पीएम मोदी का करप्शन के खिलाफ कमिटमेंट कम नहीं हुआ। एक्शन में और तेजी आई। विरोधी दलों के नेता जितना ज्यादा इस मुद्दे पर बोलेंगे। मोदी उससे ज्यादा जोर जोर करप्शन के खिलाफ अभियान को आगे बढ़ाने की बात कहेंगे और मोदी जितना बोलेंगे, विरोधियों को नुकसान उतना होगा। इसलिए ईडी एक्शन को सियासी चश्मे से न देखें।

दिल्ली सरकार पर संकट का साया

गिरफ्तारी
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद देश में सियासी माहौल बहुत गर्म हो चुका है। जैसे ही लोकसभा चुनाव तारीख तय हुई वैसे ही पक्ष-विपक्ष सीटों की घोषणा में लगा हुआ था, लेकिन बीते गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी से देश की राजनीति का माहौल बिल्कुल बदल गया। बीते शुक्रवार को आबकारी घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल को 28 मार्च तक की रिमांड पर भेज दिया। उन्हें स्पेशल जज कावेरी बावेजा की अदालत में राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था, जहां प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी दस दिन की हिरासत की मांग की थी। तीन घंटे चली सुनवाई के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, लेकिन बाद में अदालत ने अपने फैसले में केजरीवाल को 28 मार्च तक की रिमांड पर भेज दिया। ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे एएसजी एसवी राजू ने अदालत को बताया कि एजेंसी ने पीएमएलए की धारा 19 के तहत आवश्यकताओं का अनुपालन किया है। उन्होंने कहा कि उनके रिश्तेदारों को सूचित कर दिया गया है और रिमांड आवेदन की प्रति उन्हें दे दी गई है। ऐसा पहली बार हुआ है कि पद रहते कोई मुख्यमंत्री गिरफ्तार हुआ है। इससे पहले इसी वर्ष जनवरी में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उन्होंने गिरफ्तारी से पद से इस्तीफा दे दिया था

सबसे बड़ा सवाल

अब सवाल यह है कि आखिर कैसी संचालित होगी दिल्ली सरकार? पार्टी के अन्य तमाम नेताओं ने स्पष्ट कह दिया कि मुख्यमंत्री, अरविंद केजरीवाल ही बने रहेंगे, लेकिन जेल में रहते सरकार चलाना संभव है या नहीं, यह भी समझना होगा। दरअसल 1951 के जनप्रतिनिधि कानून में कहीं इसका जिक्र नहीं है कि जेल जाने पर किसी मुख्यमंत्री, सांसद, मंत्री या विधायक को इस्तीफा देना होगा। कानून के मुताबिक किसी मुख्यमंत्री को तभी अयोग्य ठहराया जा सकता है, जब उन्हें किसी मामले में दोषी ठहराया गया हो। जैसा कि अभी केवल गिरफ्तारी हुई है अभी तक दोषी नहीं ठहराया गया है। यदि केजरीवाल दोषी करार नहीं भी पाए जाते तो भी वह लंबे समय तक जेल से सरकार नहीं चला सकते। चूंकि जेल में हर काम सिस्टम के साथ होता है। जेल कानून के अनुसार, जेल में बंद हर कैदी को हफ्ते में दो बार अपने रिश्तेदार या दोस्तों से मिलने की इजाजत होती है। हर मुलाकात का समय भी आधे घंटे का होता है और स्पेशल केस में या व्यक्ति विशेष को सरकारी शक्तियां प्रयोग करने के लिए कोई भी अतिरिक्त अधिकार नहीं हैं। यदि किसी भी दस्तावेज पर साइन भी करना हो तो कोर्ट से इजाजत लेनी पड़ती है और यहां समझ सकते हैं कि दिन में सरकार चलाने के लिए कितनी दस्तावेजों पर साइन करने पड़ते

हैं। तमाम दांव पेचों से घिरा यह मामला दिल्ली सरकार के लिए आसान नहीं होगा।

किसको फायदा किसे नुकसान

इसके अलावा अब यह समझना होगा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी से बीजेपी तो फायदा होगा या नुकसान? पूरी दुनिया में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसने राजनीति के हर रंग को देखा है। कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में इतिहास के आधार पर सत्ता पक्ष को ही नुकसान होता है। जिसका उदाहरण हम 1974 में हुए जेपी आंदोलन से समझ सकते हैं, जो भी नेता जुड़े और जेल से आने के बाद उन्हें सहानुभूति मिली और उन्होंने अपनी पार्टी बनाई। आज भी सभी पार्टियों की देश में बड़े स्तर पर भागीदारी निभा रही हैं। तो यह कहा जा सकता है कि यहां केजरीवाल को सहानुभूति मिली तो चुनाव के समीकरण और बदल जाएंगे और बीजेपी को नुकसान होगा।

एक वर्ग यह भी

वहीं दूसरी ओर एक अन्य वर्ग का मानना है कि हर एक घटनाक्रम की अपनी स्थिति होती है और यहां केजरीवाल के घोटाले को स्पष्ट देखा जा रहा है चूंकि ऐसा क्या हुआ कि जो पूरी दिल्ली में शराब के ठेकों की लाइन लगा दी और ऐसा क्या हुआ कि सारे ठेके एक साथ बंद हुए। केजरीवाल की इस नीति में पूर्ण रूप से घोटाला था, क्योंकि पहली बार किसी राज्य में बड़े स्तर पर शराब नीति का विरोध हुआ था। तो इस आधार पर यह माना जा सकता है इससे आम आदमी पार्टी को बड़ी क्षति होगी।

कांग्रेस खुश

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के संदर्भ में चर्चा करें तो निश्चित तौर पर कांग्रेस खुश है चूंकि स्पष्ट है कि केजरीवाल ने यदि किसी को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाई तो वह कांग्रेस है। दिल्ली के परिवेश में बात करें तो केजरीवाल को जितना वोटर्स है वह सारा कांग्रेस का है। लेकिन यहां भी सवाल यह ही है कि इससे कांग्रेस को फायदा होगा या नुकसान ? जैसा कि हाल ही में आम आदमी पार्टी के सभी चोटी के नेता जेल में हैं और प्रचार करने व अपनी बात रखने के लिए कोई बड़ा नेता जनता के बीच मौजूद नही हैं तो इससे कांग्रेस भरपूर फायदा उठा सकती है और दिल्ली के कुछ इलाकों में इसकी शुरुआत भी हो चुकी है। लेकिन वहीं दूसरी ओर कांग्रेस को साथ ही साथ नुकसान भी देखने को मिल रहा चूंकि इस बार दोनों गठबंधन में उतरी है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी को 4 व कांग्रेस को 3 सीट के आधार पर बंटवारा हुआ है, तो फाइट में कांग्रेस के पास कुछ बडा करने के लिए नही हैं। हां,लेकिन आगामी चुनाव पर आंतरिक तौर पर कांग्रेस अपने पुराने वोटरों को जोड़ने में जुट जरूर गई है।

आरोप-प्रत्यारोप का खेल

बहरहाल, देश की राजधानी फिलहाल सियासी तौर पर एक बड़े संकट से गुजर रही है जिसके लिए एक कैसा नया प्रारूप तैयार होगा यह बताना मुश्किल है चूंकि स्थिति चारों कोण से उलझ सी गई है। जैसा कि हम आज की राजनीति में समझ सकते हैं कि खेल गुणवत्ताओं का कहीं नहीं दिखता, आरोप-प्रत्यारोप का खेल है और अब लोग किस पार्टी व किस नेता की किस चीज से प्रभावित या कू-प्रभावित हो सकते हैं, कहा नहीं जा सकता। जैसा कि दिल्ली की जनता आप व बीजेपी में बटी पड़ी है चूंकि अन्य राज्यों की अपेक्षा यहां फाइट वोट प्रतिशत लगभग बराबर होती है लेकिन बंटवारे में कांग्रेस कितना फायदा ले सकती है,देखना होगा। लेकिन फिलहाल दिल्ली में आम आदमी पार्टी के लिए चुनौतियां कम नही है। यदि केजरीवाल जल्दी जेल से बाहर आ गए तो भी बहुत कुछ बदलने की संभावना बन जाएगी।

अब क्या होगी 'आप' की रणनीति

दिल्ली
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने के साथ ही देश की सियासत पूरी तरीके से गर्म होती दिखाई दे रही है। दिल्ली शराब घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने राजनीति को और भी गर्म कर दिया है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक की गिरफ्तारी को लेकर कई लोग सवाल उठा रहे हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब उनकी आम आदमी पार्टी (आप) विपक्षी दलों के 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक के तौर पर दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के प्रयास रही है। सत्ता पक्ष और विपक्ष पूरी तरीके से आमने-सामने है, लेकिन अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से सबसे बड़ा प्रश्न यही उठ रहा है कि आखिर आम आदमी पार्टी के लिए भविष्य की राजनीति क्या रहने वाली है? दिल्ली के सीएम पद को लेकर क्या फैसला होगा?

बढ़ गई मुश्किलें

'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' से निकले अरविंद केजरीवाल खुद भ्रष्टाचार के मामले में अरेस्ट होंगे इसकी कल्पना उन्होंने आंदोलन के समय कभी नहीं की होगी, लेकिन बड़ा सवाल यही है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी का क्या होगा? इसमें कोई दो राय नहीं है कि आम आदमी पार्टी में सर्वोच्च नेता अरविंद केजरीवाल ही है। पिछले 11 से 12 वर्षों में हमने लगातार देखा है कि आम आदमी पार्टी की राजनीति केजरीवाल के इर्द-गिर्द ही घूमती दिखाई दी है। केजरीवाल पार्टी के चाणक्य कहे जाते हैं और अब उनकी ही गिरफ्तारी से निश्चित ही पार्टी की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं। जिन नेताओं ने केजरीवाल से आगे बढ़ने की कोशिश की, उनकी पार्टी से छुट्टी भी हो गई। चाहे वे पार्टी के संस्थापक ही क्यों ना हो। इसमें हम योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी, कुमार विश्वास, प्रशांत भूषण, किरण बेदी जैसे लोगों का नाम ले सकते हैं। दिल्ली शराब घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल के बाद पार्टी में स्थान रखने वाले मनीष सिसोदिया और संजय सिंह पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। ऐसे में माना जा सकता है कि पार्टी के प्रसार और विस्तार पर थोड़ा ब्रेक जरूर लग गया है, क्योंकि वे लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की योजनाओं और रणनीति के केंद्र में रहे हैं। उनकी अनुपस्थिति में पार्टी को अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि इसके कई दूसरे सीनियर नेता या तो जेल में हैं या राजनीतिक अज्ञातवास में। भले ही अरविंद केजरीवाल के बाद पार्टी को विस्तार देने में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राघव चढ़ा, आतिशी और सौरव भारद्वाज का रोल काफी अहम रह सकता है, लेकिन जनता इन्हें कितना स्वीकार कर पाएगी, ये आने वाला वक्त बताएगा।

केजरीवाल का असर

महज 12 साल की छोटी अवधि में केजरीवाल ने अकेले दम पर आम आदमी पार्टी को बीजेपी और कांग्रेस के बाद देश का सबसे तीसरा राष्ट्रीय दल बना दिया। आप का असर न केवल दिल्ली और पंजाब में है बल्कि सुदूर गुजरात और गोवा में भी देखने को मिला। अपनी एक दशक से अधिक लंबी राजनीतिक यात्रा में केजरीवाल ने कई तरह के कदम उठाए हैं। चाहे वे विपक्षी दलों के इंडिया गुट में शामिल होना हो, जिनके नेताओं की उन्होंने पहले भ्रष्टाचार के मुद्दों पर आलोचना की थी या 'नरम हिंदुत्व' दृष्टिकोण अपनाना, जिसका उदाहरण उनकी मुफ्त तीर्थयात्रा है। और हाल ही में दिल्ली विधानसभा में 'जय श्री राम' के नारे लगाए गए। एक बार उन्होंने देश की आर्थिक समृद्धि के लिए करेंसी नोटों पर गणेश और लक्ष्मी की फोटो लगाने की मांग की थी।

टूट का खतरा

बहरहाल, केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी में टूट का भी बड़ा खतरा मंडरा रहा है। इसका बड़ा कारण है कि पार्टी वैचारिक रूप से बंधी नहीं है। जरूरत के हिसाब से पार्टी अपना स्टैंड लेती है। आप का लगातार दावा रहता है कि बीजेपी उनके विधायकों को तोड़ने की कोशिश करती है। ऐसे में जब केजरीवाल गिरफ्तार हो चुके हैं, उसके बाद पार्टी की स्थिति में थोड़ी कमजोरी जरूर देखी जा सकती है। ये सभी को पता है कि आम आदमी पार्टी को जो भी वोट मिलता है, वह केजरीवाल के नाम पर ही मिलता है। ऐसे में केजरीवाल की अनुपस्थिति में पार्टी को बड़ा नुकसान हो सकता है। पंजाब में भी पार्टी टूट की ओर बढ़ सकती है। हालांकि, अभी भी पार्टी अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी। तभी तो कहा जा रहा है कि केजरीवाल को गिरफ्तार किया जा सकता है, उनकी सोच को नहीं।

पार्टी पर ही सवाल

खैर, ये पार्टी भ्रष्टाचार के ख़िलाफ हुए आंदोलन से निकली थी, इसलिए लगा था कि इस पार्टी का मूल या केंद्रीय विषय भ्रष्टाचार के ख़िलाफ लड़ाई होगा, लेकिन अब ये पार्टी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बात नहीं करती है। शुरूआती दौर में भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी आक्रामक थी। एक वक्त केजरीवाल लिस्ट जारी करते थे कि देश में कौन-कौन से भ्रष्ट नेता हैं, लेकिन बीते कुछ साल में उन्होंने भ्रष्टाचार पर कोई बात नहीं की। भ्रष्टाचार अब उनके लिए मुद्दा नहीं रह गया है। इतना ही नहीं ये पार्टी शुरू में ही कहती थी कि हम ना तो कभी कांग्रेस के साथ जाएंगे, ना बीजेपी के साथ जाएंगे। इसका मतलब था कि ये पार्टी जो परंपरागत राजनीति है उनके साथ जाने को तैयार नहीं है। इन्होंने कांग्रेस के नेताओं और बीजेपी के नेताओं पर कई तरह के आरोप भी लगाए थे। कई नेताओं की लिस्ट जारी कर उन्हें भ्रष्ट क़रार दिया गया। लेकिन कांग्रेस के साथ मिलकर दिल्ली में सरकार भी बनाई और अब लोकसभा में भी कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने जा रही है।

चर्चा का विषय

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद एक बात जिसकी चर्चा बीजेपी और आम आदमी पार्टी दोनों के ही समर्थक कर रहे हैं कि गिरफ्तारी का असर आगामी लोकसभा चुनावों के नतीजों पर कितना पड़ेगा? आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के समर्थकों का मानना है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी लोकसभा चुनावों में राजनीतिक संभावनाओं के लिए एक हथियार के रूप में काम करेगी, तो दूसरी तरफ बीजेपी का मानना है कि केजरीवाल के गिरफ्तारी से पार्टी कमजोरी होगी क्योंकि केजरीवाल आम आदमी पार्टी का मुख्य चेहरा हैं और केजरीवाल के बिना, आम आदमी पार्टी चुनाव प्रचार में कोई प्रभाव डालने की स्थिति में नहीं होगी। खैर, अरविंद केजरीवाल को जहां एक तरफ लोकसभा की तैयारी करनी थी तो दूसरी तरफ दिल्ली में कामकाज के लिए लिहाज से भी ये साल उनके लिए महत्वपूर्ण था, क्योंकि अगले साल की शुरूआत में ही विधानसभा चुनाव होगा। ऐसे में यदि केजरीवाल को कोर्ट से जल्द जमानत नहीं मिलती है तो पार्टी को मुश्किलों का सामना करते हुए दोहरे मोर्चे पर तैयारी करनी होगी। एक तो दिल्ली सरकार के कामकाज कैसे चलेंगे, इस बारे में रणनीति बनानी होगी, दूसरी, आप की लोकससभा चुनाव कैंपेन कैसे होगा?

क्या यूक्रेन ने कराया था मॉस्को में आतंकी हमला? रूस ने जेलेंस्की प्रशासन पर फोड़ा ठीकरा

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

मॉस्को के पास क्रोकस सिटी हॉल कॉन्सर्ट पर हुए आतंकवादी हमलों में मृतकों की संख्या बढ़ती जा रही है। अब तक 115 लोगों के मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 125 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। रूस की कानून प्रवर्तन एजेंसियां मॉस्को आतंकी हमले की जांच कर रही हैं।

इस बीच रूसी विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि इस हमले में यूक्रेन का हाथ था। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के सलाहकार मायखाइलो पोडोल्याक ने किसी भी संलिप्तता से इनकार किया। मायखाइलो ने एक्स पर पोस्ट किया, 'यूक्रेन ने कभी भी आतंकवादी तरीकों का इस्तेमाल नहीं किया है। इस युद्ध में सब कुछ मैदान पर ही तय होगा। वहीं, अमेरिका ने यूक्रेन की भूमिका को खारिज कर दिया है। हालांकि इस्लामिक स्टेट समूह ने बयान जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। एक अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी एजेंसियों ने पुष्टि की है कि हमले के लिए वह समूह जिम्मेदार था।

अमेरिका ने यूक्रेन की भूमिका को खारिज किया, इस्लामिक स्टेट समूह ने ली जिम्मेदारी

यूक्रेन 10 वर्षों से यूरोप में आतंकवाद के प्रसार का केंद्र

रूस ने मॉस्को कॉन्सर्ट हॉल पर हुए आतंकवादी हमले का ठीकरा यूक्रेन पर फोड़ा है। रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा है कि यूक्रेन पश्चिम की मदद से पिछले 10 वर्षों से यूरोप में आतंकवाद के प्रसार का केंद्र बनता जा रहा है। उन्होंने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि हम जानते हैं कि इस खूनी अपराध के पीछे के अपराधियों ने किस देश में योजना बनाई थी। यूक्रेन- यह वही देश है जो पश्चिमी उदावरवादी शासन की मदद से पिछले दस वर्षों से यूरोप में आतंकवाद के प्रसार का केंद्र बनता जा रहा है। वहीं, एलीट रूसी अल्फा एंटी टेररिज्म के पूर्व अधिकारी सर्गेई गोंचारोव ने दावा किया कि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मॉस्को हमले के आतंकवादियों को यूक्रेन ने उकसाया था।

यूक्रेनी सैन्य खुफिया प्रमुख हमले के लिए जिम्मेदार

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अल्फा वेटरन्स के अध्यक्ष सर्गेई गोंचारोव ने कहा कि शुक्रवार को मॉस्को में जो हुआ वह एक भयानक त्रासदी थी। इसलिए मुझे लगता है कि यूक्रेन जिम्मेदारी अस्वीकार कर देगा। क्योंकि कोई भी सार्वजनिक रूप से आतंकवादी हमलों को मंजूरी नहीं देता है। लेकिन किसी भी स्थिति में, फिलहाल मुझे ऐसा कोई कारक नहीं दिख रहा है जो हमें यूक्रेनी कनेक्शन से दूर ले जा सके। यह कोई अन्य संगठन भी हो सकता था, लेकिन मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इसे यूक्रेन के नाजियों ने उकसाया था। विशेष रूप से, गोंचारोव का मानना है कि यूक्रेनी सैन्य खुफिया प्रमुख काइरिलो बुडानोव शुक्रवार के नरसंहार के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं।

रूस खून का बदला खून से लेगा

रूस के पूर्व राष्ट्रपति और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयरपर्सन दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि रूस खून का बदला खून से लेगा। आतंकवादी सिर्फ आतंक की भाषा ही समझते हैं। जब तक बल का मुकाबला बल से नहीं किया जाता और आतंकवादियों की मौत के साथ-साथ उनके परिवारों पर कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक किसी भी जांच का कोई मतलब नहीं।

खबर संक्षेप

अब अमूल दूध पीएंगे अमेरिका के लोग

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख डेयरी कंपनी अमूल अब अमेरिका में दूध का कारोबार करेगी। अमूल ने अमेरिका में फ्रेश मिल्क प्रोडक्ट लॉन्च करने का प्लान बना रही है, जिसे लेकर गुजरात की इस कंपनी ने अमेरिका के पूर्वी तट और मध्यपश्चिमी बाजारों में फ्रेश मिल्क बेचने के लिए मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (एमएमपीएम) के साथ डील की है। कंपनी के एमडी जयेन मेहता ने यह जानकारी दी।

गैंगस्टर पुजारी को चीन से भारत लाया गया

मुंबई। हत्या, जबरन वसूली और अपहरण सहित कई गंभीर मामलों में वांछित गैंगस्टर प्रसाद पुजारी को शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात चीन से निर्वासन के बाद भारत वापस लाया गया। भारत लाए जाने पर मुंबई पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने बताया कि गैंगस्टर पुजारी उर्फ सुभाष विट्ठल पुजारी उर्फ सिद्धार्थ शेट्टी उर्फ सिद्धू उर्फ सिद्ध उर्फ जॉनी गैंगस्टर कुमार पिल्लई और छोटा राजन के गिरोह का पूर्व सदस्य है। वह चीन में रह रहा था।

पीएम मोदी ने आभार जताते हुए कहा

भूटान के लिए भारत हमेशा एक विश्वसनीय दोस्त और साझेदार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान का दो दिन दौरा करने के बाद दिल्ली वापस लौट आए हैं। पीएम ने हवाई अड्डे तक छोड़ने आए राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक का आभार जताया। गौरतलब है, भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ-साथ प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे पीएम मोदी को हवाई अड्डे तक छोड़ने आए थे। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'मैं महामहिम भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के दिल्ली के लिए प्रस्थान करते समय मुझे विदा करने के लिए हवाई अड्डे पर आने के विशेष भाव से सम्मानित महसूस कर रहा हूं।' उन्होंने कहा कि भारत हमेशा भूटान के लिए एक विश्वस्त मित्र और साझेदार रहेगा।

10 हजार करोड़ रुपए देगा भारत

प्रधानमंत्री मोदी को शुक्रवार को भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो' से सम्मानित किया। यह सम्मान पाने वाले वह पहले विदेशी शासनाध्यक्ष हैं। मोदी ने भूटान सरकार की 13वीं पंचवर्षीय योजना के बारे में भी बात की और कहा कि हमारा पूर्ण समर्थन और सहयोग रहेगा। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में भारत सरकार इस दिशा में 10 हजार करोड़ रुपए मुहैया कराएगी। मोदी ने भूटान नरेश वांगचुक और प्रधानमंत्री टोबगे के साथ भी बातचीत की। उन्होंने भूटान के अपने समकक्ष के साथ बैठक के बाद कहा कि भूटान में प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे के साथ सार्थक चर्चा की। हमने भारत-भूटान संबंधों की समीक्षा की और सांस्कृतिक संबंध गहरे करने के साथ ही विकासात्मक साझेदारी बढ़ाने पर सहमत हुए। यह इस महीने भूटान के प्रधानमंत्री के साथ मोदी की दूसरी मुलाकात है।

मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल का उद्घाटन

इससे पहले पीएम मोदी ने शनिवार सुबह थिम्फू में ग्यालत्सुएन जेत्सुन पेमा वांगचुक मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। बता दें, अस्पताल को भारत सरकार की मदद से बनाया गया है। इसके उद्घाटन पर पीएम मोदी ने कहा, 'ग्यालत्सुएन जेत्सुन पेमा वांगचुक मदर एंड चाइल्ड अस्पताल का उद्घाटन किया, जो कई परिवारों के लिए एक आशा की किरण के रूप में है।

सिंगापुर में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा

पाक आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा अरुणाचल पर चीन के दावे हास्यास्पद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तीन दिवसीय सिंगापुर दौरे पर हैं। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) के इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज (आईएसएएस) में अपनी किताब 'व्हाई भारत मैटर्स' से जुड़े व्याख्यान के बाद सवाल-जवाब के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान 'उद्योग स्तर' पर आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा है। भारत इस समस्या को नजरअंदाज नहीं करेगा। पूर्वोत्तर भारत में अरुणाचल प्रदेश से लगी चीन की सीमा और भारतीय भूभाग पर चीन के दावों को लेकर एक सवाल के जवाब में डॉ. जयशंकर ने कहा कि चीन के दावे हास्यास्पद हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सिंगापुर की नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) के इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज (आईएसएएस) में कहा कि पाकिस्तान 'उद्योग स्तर' पर आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा

अरुणाचल में भारत अपने विकास कार्यक्रम जारी रखेगा

भारत आतंकवादियों को नजरअंदाज नहीं करेगा

हम शांत पड़ोस चाहते हैं

जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान लगभग 'उद्योग स्तर' पर आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा है। भारत अब आतंकवादियों को नजरअंदाज नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि हर देश एक स्थिर पड़ोस चाहता है और कुछ नहीं तो आप कम से कम एक शांत पड़ोस तो चाहते हैं। दुर्भाग्य से, भारत के साथ ऐसा नहीं है। उन्होंने हुए कहा कि यह एक बार होने वाली घटना नहीं, निरंतर ऐसा हो रहा है।

सीमा विवाद से जुड़ी चर्चा में उठाएंगे मुद्दा

विदेश मंत्री ने कहा, सीमांत राज्य अरुणाचल 'भारत का स्वाभाविक हिस्सा' है। उन्होंने राजनेताओं के अरुणाचल दौरे का चीनी खेमे से विरोध किए जाने पर कहा, यह कोई नया मुद्दा नहीं है। चीन ने दावा किया है, उसने अपने दावे का विस्तार किया है। ये दावे शुरू में हास्यास्पद थे और आज भी हास्यास्पद बने हुए हैं। डॉ. जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि हम इस पर बहुत स्पष्ट और सुसंगत राय रखते हैं। यह कुछ ऐसा है जो सीमा विवाद से जुड़ी चर्चा का हिस्सा भी बनेगा।

अरुणाचल के बारे में आधारहीन तर्क

विदेश मंत्री ने कहा कि हमने चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता की तरफ से भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के क्षेत्र पर बेतुके दावों से जुड़ी बयानबाजी देखी है। इस संबंध में आधारहीन तर्क दोहराने से ऐसे दावों को कोई वैधता नहीं मिल जाती। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

सुभाष चंद्र बोस को दी श्रद्धांजलि

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को यहां एक समर स्मारक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की। जयशंकर ने 'एक्स' पर लिखा, "नेताजी और आजाद हिंद फौज के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर सिंगापुर यात्रा की शुरुआत की।

अनुच्छेद 370 हटाना ऐतिहासिक कदम

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र में महाराजा हरि सिंह के पोते और भाजपा के वरिष्ठ नेता एमके अजातशत्रु सिंह ने अपने संबोधन में जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के भारत सरकार के साहसिक फैसले की सराहना की। अजातशत्रु ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में जम्मू और कश्मीर ने बुनियादी ढांचे के विकास में उल्लेखनीय क्रांति दर्ज की गई है।

बेंगलुरु कैफे ब्लास्ट के संदिग्धों की पहचान

दोनों 'आईएसआईएस' से हैं जुड़े आरोपी मुसाविर ने ब्लास्ट किया

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने संदिग्ध की पहचान कर ली है। आरोपी का नाम मुसाविर हुसैन शाजिब है। वह कर्नाटक के तीर्थहल्ली जिले के शिवमोग्गा का रहने वाला है। जांच एजेंसी ने शाजिब के एक और साथी की पहचान की है। उसका नाम अब्दुल मतीन ताहा है। ताहा तमिलनाडु पुलिस इंस्पेक्टर के विल्सन की हत्या के मामले में वांटेड था।

1000 से अधिक सीसीटीवी खंगाले

सूत्रों के मुताबिक, एनआईए ने आसपास के 1,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच करते हुए आरोपी का पता लगाया। एनआईए के मुताबिक, ताहा हमेशा एक टोपी पहनता था जो उसने ट्रिप्लिकेन में रहने के दौरान खरीदी थी। संदिग्ध हमलावर शाजिब को विस्फोट के दिन वही टोपी पहने देखा गया था। जांच में पाया गया कि इस टोपी के सिर्फ 400 पीस ही बेचे गए थे। एक अन्य सीसीटीवी फुटेज में एनआईए अधिकारियों ने ताहा को चेन्नई के एक मॉल से टोपी खरीदते हुए पाया। विस्फोट के बाद संदिग्ध ने कैफे से कुछ दूरी पर टोपी गिरा दी थी।

'ऑपरेशन संकल्प' के तहत भारतीय नौसेना ने

सोमालिया तट से 35 जलदस्युओं को पकड़कर मुंबई पुलिस को सौंपा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सोमालिया तट के पास एक अभियान में पकड़े गए 35 समुद्री लुटेरों को लेकर युद्धपोत आईएनएस कोलकाता शनिवार सुबह मुंबई पहुंचा। नौसेना ने यह जानकारी दी। उसने कहा कि यहां लाने के बाद इन समुद्री लुटेरों को मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत की गई, जिसके तहत भारतीय नौसेना के जहाजों को अरब सागर और अदन की खाड़ी में तैनात किया गया है ताकि क्षेत्र से गुजरने वाले नाविकों और मालवाहक पोतों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

समुद्री डाकू जहाज ने की गोलाबारी

नौसेना बताया कि आईएनएस कोलकाता ने समुद्री डाकू जहाज को अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार जांच के लिए रुकने का निर्देश दिया। हालांकि, समुद्री डाकू जहाज की तरफ से गोलीबारी शुरू कर दी गई। आईएनएस कोलकाता ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की और समुद्री लुटेरों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया।

40 घंटे चला अभियान

नौसेना ने कहा कि विशिष्ट सूचना के आधार पर 15 मार्च की सुबह शुरू हुए 40 घंटे से अधिक समय तक चले अभियान के दौरान आईएनएस कोलकाता ने अरब सागर में समुद्री लुटेरों के जहाज 'एक्स-एमवी रुएन' को रोका।

अब ताइवान ने भी टिकटॉक बैन किया

नई दिल्ली। ताइवान ने टिकटॉक को देश के लिए खतरा बताया है। ताइवान के डिजिटल मामलों के मंत्री ऑड्रे टैंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक को देश के लिए एक बड़ा घोषित किया है। टैंग ने इस बात पर जोर दिया कि टिकटॉक चीन की एक कंपनी के जरिए ऑपरेट किया जाता है और इससे देश की आंतरिक सुरक्षा को काफी खतरा है। इससे पहले भारत ने भी टिकटॉक को खतरा बताते हुए बैन कर दिया था जबकि देश में बड़ी तादाद में टिकटॉक यूजर्स की तादाद बढ़ गई थी। ताइवान ने बताया कि हाल ही में एक कानूनी सुनवाई के दौरान टैंग ने कहा कि हमने टिकटॉक को एक खतरनाक प्रोडक्ट की लिस्ट में रखा है।

विधेयकों को मंजूरी न मिलने के खिलाफ

सुप्रीम कोर्ट पहुंची केरल सरकार, केंद्र, राष्ट्रपति के सचिव को बनाया पक्षकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केरल सरकार ने एक असामान्य कदम उठाते हुए राज्य विधानसभा से पारित चार विधेयकों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा मंजूरी न दिये जाने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। राज्य सरकार ने राष्ट्रपति द्वारा बगैर किसी कारण के विधेयकों को मंजूर न करने को असंवैधानिक कदम घोषित करने का न्यायालय से अनुरोध किया है।

राज्यपाल का कदम गैर-कानूनी घोषित करें

राज्य सरकार ने अपनी अर्जी में कई अन्य राहतों के अनुरोध के अलावा उपरोक्त चार विधेयकों सहित कुल सात विधेयकों को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान द्वारा अपने पास रोके रखने के कदम को गैर-कानूनी घोषित करने का न्यायालय से आग्रह किया है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने केंद्र सरकार, राष्ट्रपति के सचिव, राज्य के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और उनके अतिरिक्त सचिव को मामले में पक्षकार बनाया है।

सेना ने किया सफलतापूर्वक अभ्यास

दुश्मनों के छक्के छुड़ाएगी आकाश मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना की पश्चिमी कमांड ने शनिवार को बताया कि वज्र वायु रक्षा योद्धाओं ने स्वदेशी आकाश मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली का सफलतापूर्वक अभ्यास किया। आकाश मिसाइल वायु को भारत में ही बनाया गया है। यह खतरनाक मिसाइल दुश्मनों के छक्के छुड़ाने में सक्षम है। सेना बताया कि आकाश मिसाइल वायु रक्षा प्रणाली मानव रहित हवाई वाहनों और गतिरोध हथियारों के खिलाफ सटीक मारक क्षमता का प्रदर्शन कर सकती है।

एलबीआरजी प्रणाली विकसित

वहीं डीआरडीओ ने स्वदेशी रूप से एक लेजर बीम-राइडिंग मार्गदर्शन (एलबीआरजी) प्रणाली विकसित की है। जिसके तहत प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए उद्योग भागीदारों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) मांगी गई है। डीआरडीओ टेंडर में कहा गया है कि नेत्र सुरक्षित लेजर रेंज फाइंडर के साथ लेजर बीम राइडिंग गाइडेंस सिस्टम मिसाइलों के लिए लाइन-ऑफ-विजन लेजर मार्गदर्शन प्रदान करता है।

डीआरडीओ ने विकसित किया

आकाश मिसाइल को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित किया गया है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने इसका निर्माण किया है। आकाश एक छोटी दूरी का सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम है। इस मिसाइल के जरिए कमजोर क्षेत्रों को हवाई हमलों से मजबूत सुरक्षा दी जा सकती है।

कम दूरी वायु रक्षा प्रणाली में उपयोगी

बता दें कि यह प्रणाली एक स्थानिक रूप से एन्कोडेड लेजर बीम उत्पन्न करती है जिसमें बीम में लॉन्च की गई मिसाइल को बीम के संबंध में अपनी स्थिति निर्धारित करने और लक्ष्य पर घर करने में सक्षम बनाने के लिए सभी सूचनात्मक आवश्यकताएं शामिल होती हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने हाल ही में किया था उद्घाटन

'सेला सुरंग' पर चीन बौखलाया और देने लगा आधारहीन दलीलें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्वोत्तर भारत के पहाड़ों में ऊंचाई पर बनी एक सुरंग भारत और चीन के बीच बढ़ते सीमा विवाद का नवीनतम मुद्दा बन गई है। सेला सुरंग का उद्घाटन इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इसको भारत में इंजीनियरिंग की एक उपलब्धि के रूप में सराहा गया है। लगभग 13,000 फीट (3,900 मीटर) की ऊंचाई पर हिमालय के बीच से इसे बनाया गया है।

चीन का बेतुका दावा

हाल के दिनों में चीनी अधिकारियों ने सुरंग परियोजना और पीएम मोदी की राज्य यात्रा की आलोचना की है। चीन ने भारत पर सीमा पर शांति को कमजोर करने के लिए कदम उठाने का आरोप लगाया है।

भारत का पलटवार

भारत ने भी जवाबी हमला करते हुए बीजिंग के 'बेतुके दावों' की आलोचना की और कहा कि यह क्षेत्र 'हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और रहेगा।' अमेरिकी विदेश विभाग ने भी एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान अरुणाचल प्रदेश पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया ।

राजनांदगांव
लोकसभा सीट का रोचक है राजनीतिक इतिहास

बघेल से पहले भी कई बाहरी प्रत्याशियों ने आजमाया है भाग्य

1957 में हुए आम चुनाव में मुंबई से आकर नांदगांव के सांसद बने थे रामसहाय पांडे

लोकसभा या विधानसभा के चुनाव आते ही लोकल, बाहरी और जातीयता जैसे मुद्दा सिर चढ़कर बोलने लगते हैं। राजनीतिक दल एक-दूसरे को घेरने के लिए इन मुद्दों को पूरी ताकत से उठाते हैं, क्योंकि उनका मानना होता हैं, इनसे उन्हें चुनावी लाभ हो सकता है, किन्तु राजनीतिक इतिहास की पृष्ठभूमि में जाकर देखा जाए तो यह बात साफ है कि मतदाताओं पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ता है और वह उसे ही चुनते हैं जो उनकी कसौटी में खरा उतरता है।

धन्य कुमार जैन ▶▶| राजनांदगांव

आसन्न लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। आने वाले दिनों में अधिसूचना जारी होने के साथ ही चुनावी गतिविधियां शुरू हो गई हैं। आसन्न चुनाव के लिए केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा ने मौजूदा सांसद संतोष पांडे को उम्मीदवार बनाया है, जिनका मुकाबला राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से होगा। अन्य दलों ने अभी अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। बघेल की उम्मीदवारी के बाद से भाजपा हमलावर बनी हुई है और उन्हें बाहरी प्रत्याशी बताकर घेरने का मौका नहीं छोड़ रही है। वहीं बघेल इसे खारिज करते कह रहे हैं कि राजनांदगांव एक समय दुर्ग का ही हिस्सा रहा है, इसलिए उनका शुरू से यहां से नाता रहा है।

1989

में भाजपा ने दुर्ग के धर्मपाल गुप्ता को मैदान में उतारा था। उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस सांसद शिवेंद्र बहादुर सिंह को परास्त किया था

स्वागत के बाद विरोध

बघेल के पड़ोसी दुर्ग जिले का निवासी होने के कारण भाजपा वर्तमान में भले ही सवाल खड़े कर रही है, जबकि वह स्वयं भी पहले दुर्ग के व्यक्ति को उम्मीदवार बना चुकी है। भाजपा ने 1989 में दुर्ग के धर्मपाल गुप्ता को मैदान में उतारा था। उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस सांसद शिवेंद्र बहादुर सिंह को परास्त किया था। मध्यावधि चुनाव में भी गुप्ता ही भाजपा प्रत्याशी थे। इस बार उन्हें पराजय का मुंह देखना पड़ा था।

स्वागत के बाद विरोध

राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र में बाहर के नेता पहली बार अपनी किस्मत नहीं आजमा रहे हैं। इस संसदीय क्षेत्र में पहले कई मौके ऐसे आ चुके हैं, जब राजनीतिक दलों ने बाहर के नेताओं को उम्मीदवार बनाया और मतदाताओं ने स्वीकार भी किया। कांग्रेस ने 1957 में हुए आम चुनाव में मुंबई के कारोबारी रामसहाय पांडे को उम्मीदवार बनाया था। उन्हें भारतीय लोकदल के मदन तिवारी ने पराजित किया था। 1971 के चुनाव में भी पांडे ही कांग्रेस के प्रत्याशी थे, जिन्होंने इंडियन नेशनल कांग्रेस आर्गेनाइजेशन की पदमावती देवी को पराजित किया था। पांडे 77 के चुनाव में भारतीय लोकदल के प्रत्याशी मदन तिवारी से चुनाव हार गए थे।

फिर दुर्ग के नेता की एंट्री

बाहरी नेताओं की राजनांदगांव की राजनीति में एंट्री का सिलसिला यही नहीं थमा। एक लंबे समय तक राजनांदगांव में निवास करने के बाद दुर्ग शिफ्ट होकर पार्षद से केंद्रीय मंत्री तक सफर तय करने वाले कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा ने 1998 के आम चुनाव में भाग्य आजमाया था। वोरा ने भाजपा के अशोक शर्मा को पराजित किया था। वहीं 99 में हुए चुनाव में श्री वोरा को पराजित होना पड़ा था। इस चुनाव में भाजपा से डॉ. रमन सिंह उम्मीदवार थे। अपराजेय योद्धा को पराजित करने पर डॉ. सिंह को तोहफा के तौर पर अटल सरकार में मंत्री बनने का मौका मिला था।

गुजरात से रंजनबेन के बाद भीखाजी ठाकोर ने भी चुनाव लड़ने से किया मना

सूरत। रंजनबेन भट्ट के बाद साबरकांठा से बीजेपी के घोषित उम्मीदवार भीखाजी ठाकोर ने भी ऐलान किया है कि वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। भीखाजी ठाकोर अरवल्ली जिले के भाजपा के जिला महासचिव हैं। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात में बीजेपी को आज लगातार दो बड़े झटके लगे है। वडोदरा से बीजेपी उम्मीदवार रंजनबेन भट्ट के बाद अब साबरकांठा के बीजेपी उम्मीदवार भीखाजी ठाकोर ने भी चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी घोषणा की। अभी भी संभवतः एक-दो सीट बदलने की चर्चा है। बता दें कि भीखाजी ठाकोर अरवल्ली जिले के भाजपा के जिला महासचिव हैं।

सरनेम के चलते था विवाद

भीखाजी अपना सरनेम पहले डामोर लिखते थे फिर 2023 में उन्होंने डामोर सरनेम से ठाकोर कराया था। जब से 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने साबरकांठा लोकसभा सीट पर भीखाजी ठाकोर के नाम से ऐलान किया गया था तब से ही ठाकोर और डामोर सरनेम को लेकर विवाद चल रहा था। कई लोगों ने हैंडबिल छपाया और वायरल किया था जिस वजह से वह विवाद का सामना कर रहे थे। भीखाजी ठाकोर बक्शीपंच से आते थे फिर भी सरनेम को लेकर भाजपा के ही कई लोग छुपकर विरोध कर रहे थे।

रंजनबेन ने दिया निजी कारणों का हवाला

इससे पहले वडोदरा से बीजेपी की मौजूदा सांसद रंजनबेन भट्ट ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि मैं रंजनबेन धनंजय भट्ट अपने निजी कारणों से लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा व्यक्त कर रही हूं। लोकसभा चुनाव के लिए रंजनबेन को तीसरी बार इस सीट से टिकट दिया गया था लेकिन अब उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। वह 2 बार यहां से सांसद हैं।

पीएम मोदी की सीट से दो बार हैं सांसद

रंजनबेन भट्ट 2014 में उपचुनावों में वडोदरा से पहली बार सांसद चुनी गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा के साथ वाराणसी से जीते थे। बाद में उन्होंने वडोदरा सीट खाली की थी। इसके बाद रंजनबेन भट्ट को मौका मिला था। पार्टी ने उन्हें 2019 में फिर टिकट दिया था। तब भी वह बड़े मार्जिन से जीती थीं। इसके बाद पाटी ने उन्हें तीसरी बार फिर टिकट दिया था लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से लोकसभा चुनाव 2024 लड़ने की इच्छुक नहीं हूं।"

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने लोकसभा चुनाव लड़ने से किया इनकार

पटनाः लोकसभा चुनावों का ऐलान हो चुका है। पार्टियों और उम्मीदवारों ने चुनावी जंग की तैयारियां करना शुरू कर दी हैं। उम्मीदवारों के नामों का ऐलान हो रहा है। इसी बीच बिहार से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मीरा कुमार ने आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा कि वह 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। बता दें कि कांग्रेस के कई नेता चुनाव लड़ने से इनकार कर चुके हैं। इसमें मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत सहित और भी कई नेता हैं, जिन्होंने चुनावी दंगल में उतरने से इनकार कर दिया है। बता दें कि मीरा कुमार बड़े दलित नेता और भूतपूर्व रक्षा मंत्री जगजीवन राम की बेटी हैं। मीरा कुमार 15वीं लोकसभा की अध्यक्ष रह चुकी हैं उन्हें देश की पहली महिला स्पीकर होने का गौरव हासिल है।

पति जेल में, पत्नियां संभालेंगी सियासी मैदान
कल्पना-श्रीकला, सुनीता के चुनाव लड़ने की चर्चा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में बड़े नेताओं के जेल जाने के बाद उनकी पत्नियों का सियासी जंग में आना नई बात नहीं है। इस बार लोकसभा चुनाव 2024 में कई ऐसे राजनेताओं की पत्नियां हैं, जो अपने पति की सियासी विरासत को बचाने के लिए मैदान में आने की तैयारी कर रही हैं। इनमें 3 नाम प्रमुख हैं- हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता और धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला। तीनों के पति अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार हुए हैं और लोकसभा चुनाव तक इनके बाहर आने की संभावनाएं बहुत ही कम है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह तीनों ही अपने पति के सियासी मैदान को बचाने के लिए फ्रंटफुट से खेल सकती हैं। दिलचस्प बात है कि जेल में बंद ये तीनों ही नेता सत्ताधारी बीजेपी के विरोधी खेमे के हैं। कल्पना सोरेन के चुनाव लड़ाने की भी तैयारी पार्टी के भीतर हो रही है। कल्पना गांडेय सीट से उपचुनाव लड़ सकती हैं। यह सीट हेमंत सोरेन ने जेल जाने से पहले खाली करवा दी थी। कल्पना और हेमंत सोरेन की शादी साल 2006 में हुई थी।

लोकसभा चुनाव 2024 में तीन बड़े राजनेताओं की पत्निया उतरेंगी सियासी मैदान में

अरविंद सुनीता केजरीवाल | हेमंत कल्पना सोरेन | धनंजय सिंह श्रीकला रेड्डी

अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल

दिल्ली शराब घोटाले में ईडी द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तारी के बाद कोर्ट ने 6 दिनों के लिए कस्टडी में भेजा है। कहा जा रहा है कि केजरीवाल अगर लंबे वक्त तक ईडी की गिरफ्त में रहते हैं, तो उनकी पत्नी पार्टी के लिए कैंपेन कर सकती हैं। केजरीवाल की नई दिल्ली सीट पर पिछली बार भी सुनीता ने कैंपेन किया था। सुनीता ने जेल में बंद अरविंद केजरीवाल का संदेश भी देशवासियों के लिए पढ़ा। सुनीता और अरविंद की शादी साल 1994 में हुई थी। सुनीता भी आईआरएस अधिकारी रही हैं। हालांकि, अब वो वीआरएस लेकर परिवार संभाल रही हैं।

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन जमीन घोटाले के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्त में हैं। न्यायिक हिरासत के तहत उन्हें रांची जेल में रखा गया है। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद उनकी पत्नी कल्पना सोरेन राजनीति में सक्रिय हो गईं। मुंबई में हाल ही में इंडिया गठबंधन की रैली हुई थी, जिसे कल्पना सोरेन ने जेएमएम की तरफ से संबोधित किया था।

धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी

उत्तर प्रदेश के जौनपुर से पूर्व सांसद धनंजय सिंह अभी जेल में बंद हैं। चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले ही उन्हें अपहरण के एक मामले में दोषी पाया गया था जिसमें उन्हें 7 साल की सजा मिली है। जेल जाने और सजा मिलने की वजह से धनंजय के जौनपुर से चुनाव लड़ने के अरमानों पर पानी फिर गया। जौनपुर से अब उनकी पत्नी श्रीकला रेड्डी के चुनाव लड़ने की चर्चा है। श्रीकला अभी जौनपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष भी हैं। धनंजय और श्रीकला की शादी साल 2017 में हुई थी।

पत्नियों का फ्रंटफुट पर खेलना सबसे मुफीद, 3 प्वाइंट्स...

1. जेल में बंद पति के लिए पत्नियों का मैदान में कूदना सियासी मायने में सबसे मुफीद माना जाता है। इसकी बड़ी वजह सिंपैथी वोटर्स होते हैं।
2. बिहार में लालू यादव, यूपी में गायत्री प्रजापति और आजम खान जैसे कई परिवार को पत्नी के कमान संभालने का फायदा मिल चुका है।
3. पत्नियों के सियासी मैदान में कूदने से राजनेताओं के सियासी विरासत पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ता है। विरासत मे सेंधमारी का भी डर नहीं रहता है।

लोकसभा चुनाव 2024: भाजपा ने तमिलनाडु में एक्ट्रेस राधिका को बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने एक्ट्रेस राधिका शरथ कुमार को 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए विरुधुनगर से उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने पुडुचेरी सीट से पुडुचेरी के गृह मंत्री ए. नमस्सिवयम से टिकट दिया है। इस बीच, पीएमके ने पार्टी प्रमुख अंबुमणि रामदार की पत्नी सौम्या अंबुमणि को धर्मापुर सीट से नया उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि अभिनेता आर. सरथ कुमार हाल ही में अपनी पार्टी ऑल इंडिया समथुव मक्कल काच्छी का विलय कर पत्नी के साथ बीजेपी में शामिल हो गए थे। तीन साल पहले अपने गुट का बीजेपी में विलय करने वाले वकील आरसी पॉल कनगराज चेन्नई उत्तर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे।

सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मनी के विदेश मंत्रालय के बयान से भारत नाराज, राजनयिक तलब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मनी के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता की टिप्पणी पर नई दिल्ली ने शनिवार को कड़ी आपत्ति जताई।

भारत इस तरह की टिप्पणियों के खिलाफ अपना कड़ा विरोध जताने के लिए जर्मन उप-प्रमुख को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नई दिल्ली में जर्मन मिशन के उपप्रमुख को बुलाया गया और हमारे आंतरिक मामलों पर उनके विदेश कार्यालय प्रवक्ता की टिप्पणियों पर भारत के कड़े विरोध से हमने अवगत कराया। हम ऐसी टिप्पणियों को हमारी न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप और हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के रूप में देखते हैं।

इसमें कहा गया है कि भारत कानून के शासन वाला एक जीवंत और मजबूत लोकतंत्र है। जैसा कि देश में और लोकतांत्रिक दुनिया में अन्य जगहों पर सभी कानूनी मामलों में होता है, कानून तत्काल मामले में अपना काम करेगा। इस संबंध में की गई पक्षपातपूर्ण धारणाएं अत्यधिक अनुचित हैं।

विपक्ष ने गिरफ्तारी के खिलाफ चुनाव आयोग से की थी शिकायत

21 मार्च की देर रात केजरीवाल को दिल्ली आबकारी शुल्क नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया था। तब से सभी विपक्षी दलों के नेताओं ने गिरफ्तारी की निंदा की है। नेताओं ने यह आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से भी संपर्क किया है कि उनकी गिरफ्तारी सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का घोर और दुस्साहसिक दुरुपयोग है।

जर्मनी ने कहा था हर आरोपी की तरह केजरीवाल निष्पक्ष सुनवाई के हकदार

शुक्रवार को जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सेबेस्टियन फिशर से जब केजरीवाल की गिरफ्तारी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि हमने मामले का संज्ञान लिया है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। हम मानते हैं और उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांतों से संबंधित मानक इस मामले में भी लागू होंगे। हर आरोपी की तरह केजरीवाल निष्पक्ष सुनवाई के हकदार हैं।

कांग्रेस नेता थरूर के नेतृत्व में आप का प्रदर्शन...

तिरुवनंतपुरम। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और विपक्ष की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा है. थिरुवनंतपुरम में कांग्रेस नेता शशि थरूर के अगुवाई में केंद्र सरकार की बीजेपी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन और मार्च किया गया। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाज़ी की गई।

न मैं सेटिंग बाज हूं, न ही गोटी बाज, कांग्रेस के लोग दुर्ग छोड़कर क्यों भागे वो जानें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दुर्ग के सांसद विजय बघेल का साफ कहना है, न तो मैं गोटीबाज हूं, न ही सेटिंग बाज हूं। न मेरी भाजपा में सेटिंग है न ही कांग्रेस में। पार्टी ने मुझे फिर से टिकट के लायक समझा इसलिए टिकट दिया। अब कांग्रेस के भूपेश बघेल, ताम्रध्वज साहू जैसे लोग दुर्ग छोड़कर क्यों भागे, ये कांग्रेस वाले जानें। मैं इतना जानता हूं कि दुर्ग के साथ प्रदेश की जनता ने इस बार मन बना लिया है और सभी 11 की 11 सीटें भाजपा जीत रही है। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से चुनाव संवाद में जो बातचीत हुई, प्रस्तुत है उसके अंश।

0 क्या गोटी बिठाई जिसके कारण एक बार फिर से विजय बघेल दुर्ग के प्रत्याशी बने हैं, जबकि भाजपा ने 9 लोकसभा में नए प्रत्याशी उतारे हैं?

00 कोई गोटी नहीं बिठाई है, मैं गोटीबाज भी नहीं हूं। मैं अपने कर्मों पर भरोसा करता हूं। पार्टी के प्रति हमेशा सेवा भाव से काम किया है। पार्टी के प्रति हमेशा समर्पित रहा हूं। मैं कभी किसी के पास आवेदन देने अपना टिकट या पद के लिए जाऊं, यह मेरे संस्कार में ही नहीं है। मैंने अपने नेताओं से सीखा है, जीवन में कर्म करो, फल देने वाले ईश्वर है। मैं धन्यवाद देता हूं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह सहित सभी राष्ट्रीय नेताओं और अपने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेशाध्यक्ष किरण देव और अपने दुर्ग की देव तुल्य जनता का प्रेम और स्नेह है। इसी के साथ हमारे कार्यकर्ता भाई-बहन हैं, उनका मेरे प्रति जो भाव है, ये सब शामिल होकर और मुझे मुझे एक बार फिर से दुर्ग में प्रत्याशी बनने का मौका मिला है।

0 आपको टिकट मिला, बाकी को नहीं मिला क्या कारण रहा?

00 हम 9 सांसद थे, एक परिवार की तरह। सभी ने अपनी क्षमता से काम किया। सभी के अपने-अपने तरीके थे, सभी अपने लोकसभा क्षेत्र की बातों को लोकसभा में रखते थे। हम लोग बातों को शेयर भी करते थे। सभी पार्टी के निर्देशों का पालन करते थे, मुझे मेरी किस्मत से टिकट मिला है।

0 कांग्रेस में भी टिकट किसे मिले, इसकी सेटिंग कैसे बनाई?

00 मेरी न भाजपा में सेटिंग है न कांग्रेस में सेटिंग है। कांग्रेस से लोग बताएं वे क्यों कर दुर्ग से भागकर बाहर गए। कुछ पत्रकारों ने मुझसे पूछा था जब भूपेश बघेल का नाम राजनांदगांव से चल रहा था, तब मैंने कहा था, उनको नांदगांव जाने की क्या जरूरत पड़ गई, यहीं से चुनाव लड़ लें। तब मैं प्रत्याशी तय नहीं हुआ था। प्रत्याशी चुनाव नहीं लड़ता, पार्टी चुनाव लड़ती है।

0 आपको आश्चर्य नहीं होता भूपेश बघेल राजनांदगांव और ताम्रध्वज साहू महासमुंद से क्यों?

00 राजेंद्र साहू भाई भी अच्छे लीडर हैं, ऊर्जावान हैं, उनको हम कमजोर कहां मान रहे हैं। भूपेश बघेल और ताम्रध्वज के भाव में मैं क्यों जानू कि वे क्यों बाहर गए। उनकी पार्टी में क्या रणनीति बनी, ये वो लोग जानें, ये मेरा विषय नहीं है। मैं किसी निर्णायक भूमिका में नहीं हूं।

0 कांग्रेस की पांच साल सरकार रहना आपके लिए कितनी मुश्किल होगी?

00 कांग्रेस का काम सरपट रहता तो पिछले चुनाव में ही हमारे 9 सांसद कैसे जीतते। दुर्ग से सबसे ज्यादा मतों से जीत बताती है कि जनता ने छह माह में ही कांग्रेस को नकार दिया था। शराब घोटाले और भ्रष्टाचार के कारण इनमें जो घमंड आ गया था, उससे कारण इनको हार मिली।

दुर्ग के सांसद और लोकसभा प्रत्याशी विजय बघेल से डॉ. हिमांशु द्विवेदी की बाचचीत

0 साय की सरकार जिस तरह से चली है, उससे कहीं आपका काम भी तो प्रतिमा चंद्राकर की तरह नहीं लग जाएगा?

00 मैं डर नहीं रहा हूं। यहां तो इस बार 11 की 11 सीटें भाजपा को जा रही है। हमारे कार्यकर्ता और जनता कह रही है, दुर्ग से जीत के बारे में। इसी के साथ प्रदेश में भाजपा के सांसद जीत रहे हैं। मात्र ढाई माह में साय सरकार ने मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम कर रही है। घोषणापत्र बनाने का काम मैंने ही किया था। इसके कारण जनता ने 54 सीटों पर जीत दिलाई थी। साय सरकार मोदी की गारंटी पूरी करने का काम कर रही है। कांग्रेस ने अपने वादे पूरे नहीं किए। 85 हजार करोड़ के कर्ज में राज्य को कांग्रेस ने डुबो दिया।

0 पाटन में आपको हार मिली है तो ऐसे में विजय बघेल को दुर्ग के चुनाव को लेकर डरना क्यों नहीं चाहिए?

00 मैं बिलकुल नहीं डर रहा हूं। विधानसभा चुनाव में कहा जा रहा था, भाजपा की सरकार का आना मुश्किल है। जो सर्वे चल रहे थे, उसके कारण कुछ शंका हमारे नेताओं में भी थी कि 45 सीटें आएंगी या 46 सीटें आएंगी। लोगों के बीच में बात होने लगी कि कांग्रेस की सरकार फिर आएगी, पाटन में भी यही हवा आई। पाटन में चुनाव के चार दिन पहले हम जीत रहे थे, लेकिन इतना पैसा बहाया जिसके कारण चुनाव प्रभावित हो गया। लोगों के मन में यह बात भी आ गई कि कांग्रेस की सरकार आएगी तो यही मुख्यमंत्री रहेंगे, ऐसे में कांग्रेस को वोट मिल गया। मेरे प्रति यह भाव आया भैया को सांसद के रूप में जिता देंगे।

0 भूपेश बघेल कहते हैं विजय बघेल एक बार का व्यक्ति है, एक ही बार कोई भी चुनाव जीतते हैं, इस बारे में क्या कहेंगे?

00 वो तो एक बार भी सांसद नहीं पाए, अपने बारे में सोचे वो। अब राजनांदगांव में हारने के लिए बैठे हैं। एक ही बार के मुख्यमंत्री वो भी हैं, मेरा आकलन न करें। सांसद के बारे में तो वे सोचे ही नहीं।

0 महादेव ऐप बड़ा सुर्खियों में है, महादेव आपकी कितनी मदद कर रहे हैं?

00 मैं तो जानता भी नहीं हूं। भूपेश बघेल तो नांदगांव से प्रत्याशी हैं, वहां वाले जाने।

0 महज सांसद बनने जा रहे हैं या इससे ज्यादा की उम्मीद दुर्ग की जनता कर सकती है?

00 मैं कार्यकर्ता हूं, पार्टी के आदेशों का पालन करने मेरा कर्तव्य है। जो किस्मत में होगा, उसको कोई टाल नहीं सकता। ज्यादा उम्मीद मत पालें, इससे दुख होता है, जो लिखा होगा, वह होगा।

लोक सभा क्षेत्र
भिंड
1 भाजपा प्रत्याशी
संध्या राय
2 कांग्रेस प्रत्याशी
फूल सिंह बरैया
पिछली बार कौन जीता
संध्या राय, भाजपा
जीत का अंतर
1 लाख 99 हजार, 885

क्या रहेंगे मुद्दे?

लोकसभा चुनाव में भाजपा-कांग्रेस के अपने-अपने मुद्दे हैं। भाजपा का मुख्य मुद्दा अयोध्या में राम मंदिर और कश्मीर से धारा 370 हटाना है। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। मोदी देश भर में दौरा कर विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन कर रहे हैं। अर्थात पार्टी मोदी लहर पर सवार है। दूसरी तरफ कांग्रेस हर वर्ग को न्याय की बात कर रही है। जांच एजेंसियों का दुरुपयोग पार्टी का बड़ा मुद्दा है। दो मुख्यमंत्रियों पहले हेमंत सोरेन और अब अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से कांग्रेस के इस आरोप को ताकत मिली है। राहुल गांधी की न्याय यात्रा से भी पार्टी को फायदे की उम्मीद है।

बसपा में भी रहे कांग्रेस के बैरैया, दलितों में अच्छी पकड़, भाजपा को महिला प्रत्याशी होने का लाभ, लहर से उम्मीद

फूल सिंह के बयान आत्मघाती, संध्या की निष्क्रियता से नाराजगी

चंबल-ग्वालियर अंचल की भिंड लोकसभा सीट में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच कड़े मुकाबले के आसार हैं। भाजपा की ओर से सांसद संध्या राय फिर मैदान में हैं तो कांग्रेस ने भांडेर से विधानसभा का चुनाव जीते फूल सिंह बरैया को मैदान में उतारा है। भाजपा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में चल रही लहर के साथ पार्टी प्रत्याशी के महिला होने का लाभ मिल सकता है, जबकि फूल सिंह बरैया पहले बहुजन समाज पार्टी में रहे हैं। उनकी दलित वर्ग में अच्छी पकड़ है। अलबत्ता, बरैया के कई विवादित बयान उनके लिए आत्मघाती साबित हो सकते हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी संध्या राय की निष्क्रियता के कारण क्षेत्र के लोग नाराज हैं।

ग्राउंड रिपोर्ट

दिनेश निगम 'त्यागी' ▶▶ भोपाल

चंबल-ग्वालियर अंचल में विधानसभा चुनावों की तरह लोकसभा के चुनाव भी भाजपा के लिए आसान नहीं हैं। मोदी लहर के बावजूद अंचल की अन्य सीटों की तरह भिंड में भी उसे कांग्रेस से कड़ा मुकाबला करना पड़ सकता है।

बसपा की मौजूदगी यहां दोनों दलों का खेल बिगाड़ती है। भाजपा की संध्या राय ने 2019 के चुनाव में बड़ी जीत दर्ज की थी। उन्होंने कांग्रेस के देवाशीष को लगभग दो लाख वोटों के अंतर से हराया था। पिछले चुनाव की तरह इस बार भी भाजपा के पक्ष में माहौल है। 2019 में पाक अधिकृत कश्मीर में एयर स्ट्राइक के कारण

संध्या राय

फूल सिंह बरैया

राष्ट्रीयता बड़ा मुद्दा था, जबकि इस बार भाजपा अयोध्या में राम मंदिर और कश्मीर में धारा 370 को भुनाने की तैयारी में है। पिछली बार भाजपा ने डॉ. भागीरथ प्रसाद का टिकट काट कर संध्या राय को टिकट दिया था। पहले वे विधायक थीं। पार्टी ने इस बार फिर उन पर भरोसा किया है। प्रत्याशी घोषित होने के बाद उनका लोगों से बात करते हुए एक वीडियो वायरल हो चुका है। इसमें लोग उन पर निष्क्रियता और क्षेत्र के लिए कुछ न करने का आरोप लगा रहे हैं। प्रत्याशी की यह स्थिति चुनाव में भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने पिछले प्रत्याशी देवाशीष की जगह विधायक फूल सिंह बरैया को मैदान में उतारा है। बरैया एक समय बसपा के सर्वेसर्वा हुआ करते थे, अब कांग्रेस में हैं। इस नाते दलितों में उनकी अच्छी पकड़ है। भांडेर से वे लगभग 30 हजार वोटों के अंतर से चुनाव जीते हैं, लेकिन अपने कई बयानों के कारण वे सामान्य वर्ग की आंखों को खटकते हैं। कांग्रेस को चुनाव में इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है।

विधानसभा चुनाव में मिलीं 4-4 सीटें

विधानसभा चुनाव के लिहाज से भिंड लोकसभा क्षेत्र में भाजपा-कांग्रेस की ताकत लगभग बराबर है। दोनों दलों ने क्षेत्र की चार-चार सीटें जीती हैं। हालांकि माहौल कांग्रेस के पक्ष में ज्यादा था, लेकिन पार्टी के दो दिग्गज चौधरी राकेश सिंह भिंड और तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह लहार से चुनाव हार गए। इस चुनाव में भाजपा के एक दिग्गज डॉ. नरोत्तम मिश्रा को दतिया में पराजय का सामना करना पड़ा। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने चार सीटें भिंड, लहार, मेहगांव और सेवढ़ा जीतीं, जबकि कांग्रेस ने अटेर, गोहद, भांडेर और दतिया में कब्जा किया।

भिंड और दतिया जिले को मिलाकर बनी सीट

भिंड लोकसभा सीट अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित है। इसके अंतर्गत भिंड जिले की पांच और दतिया जिले की तीन सीटें आती हैं। भिंड जिले की सीटों में अटेर, भिंड, लहार, मेहगांव, गोहद और दतिया जिले की सेवढ़ा, भाण्डेर तथा दतिया शामिल हैं। वर्ष 2008 से पहले तक भिंड लोकसभा सीट सामान्य थी, लेकिन इसके बाद अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित हो गई। जब सीट सामान्य थी, तब 1996 से 2004 तक लगातार डॉ. राम लखन सिंह भाजपा से सांसद रहे हैं। 1991 में भी भिंड से योगानंद सरस्वती जीते थे। आरक्षित होने के बाद 2009 में अशोक अर्गल, 2014 में डॉ. भागीरथ प्रसाद और 2019 में भाजपा की संध्या राय चुनाव जीते हैं। संध्या को एक बार फिर मौका मिला है। 1989 से लगातार यहां भारतीय जनता पार्टी ही काबिज है।

भिंड में दलित और पिछड़ों का बोलबाला

- भिंड क्षेत्र के जातीय समीकरणों पर नजर डालने से पता चलता है कि यहां दलित एवं पिछड़े वर्ग के मतदाताओं का बोलबाला है। दलित मतदाताओं की बहुतायत के कारण ही यह सीट अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित है। दूसरे नंबर पर पिछड़े वर्ग के मतदाताओं की तादाद अच्छी खासी है। चुनाव में सामान्य वर्ग के क्षत्रिय और ब्राह्मण मतदाता भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं, लेकिन ये दोनों वर्ग एक पार्टी में साथ नहीं जाते। चंबल-ग्वालियर अंचल की जातीय राजनीति का असर भिंड में भी है। हर चुनाव में इसका असर पड़ता है।

जैसा मैंने देखा था

चुनाव...

आपसी चर्चा, अखबार और पर्चों को पढ़कर लगाया जाता था चुनाव प्रचार का अंदाजा

वर्तमान लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी भूमिका सोशल मीडिया की दिखाई दे रही है, जबकि इस समय सोशल मीडिया की सत्यता की न तो किसी प्रकार से जांच की जा रही है और न ही उस पर किसी प्रकार का एक्शन। जबकि इस समय जो सूचना प्रौद्योगिकी चल रही है, उससे लाभ ज्यादा है, लेकिन चुनाव प्रचार में उसका उपयोग कई राजनीतिक दल गलत जानकारी देकर या असत्यता पर आधारित खबर देकर भ्रम की स्थिति पैदा कर देते हैं। इससे मतदाता किसी के बारे में सही और गलत का आंकलन नहीं कर पाता है। चुनाव से संबंधित जो लोग व्यवस्था देख रहे हैं, उन्हें इस पर नजर रखना चाहिए। वर्ना चुनाव का ढांचा बिगड़ता चला जाएगा और सोशल मीडिया का उपयोग करना लोग छोड़ देंगे। सोशल मीडिया का लाभ भी इतना है कि किसी भी जानकारी के लिए दूसरे दिन का इंतजार नहीं करना पड़ता। पूरे देश में एक पल में खबर इधर से उधर हो जाती है। सोशल मीडिया का जब दौर नहीं था, तब आपसी चर्चा और अखबार और पर्चों को पढ़कर ही चुनाव प्रचार का अंदाजा लगाया जाता था। उम्मीदवार भी शालीनता से मिलने और अखबार वालों को अपनी बात समझाने आते थे। उस दौरान झूठ और सही के बीच भेद मालूम पड़ जाता था और लोग भी ध्यान रखते थे। इस समय सोशल मीडिया पर झूठ इस प्रकार परोसा जा रहा है कि लोगों को समझ नहीं आ रहा कि क्या करें।

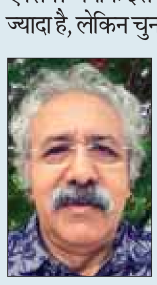
पंकज पाठक
वरिष्ठ पत्रकार

फर्स्ट टाइम वोटर

मतदान से पहले उम्मीदवार की पूरी प्रोफाइल देखूंगी...

इस बार होने जा रहे लोकसभा चुनाव में पहली बार मतदान कराने जा रहे युवाओं की सोच में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। युवा वर्ग मतदान को लेकर काफी जागरुक हैं। हम उम्मीदवार की काबिलियत को देख कर अपना वोट देंगे। मतदान से पहले उम्मीदवार की पूरी प्रोफाइल देखेंगे। वह कितना पढ़ा-लिखा है, उसकी छवि कैसी है। ईमानदार है या नहीं। इसके साथ ही राजनैतिक पार्टी को भी देखकर वोट करूंगी। क्योंकि सरकार जिस पार्टी की बनेगी, वह विकास काम करेगी या नहीं। युवाओं के लिए रोजगार सृजन कर सकेगी या नहीं समेत कई मुद्दों को ध्यान में रखूंगी।

- **शिखा धाकड़**, युवा मतदाता

देश और युवाओं का विकास के मुद्दे पर वोट डालूंगा...

आज का युवा शिक्षित और समझदार हो चुका है। पहला मतदान अहम होता है। इसलिए मैं लोकसभा चुनाव में मतदान आवश्यक रूप से करूंगा। वोट डालने से पहले योग्य जनप्रतिनिधि को देखूंगा। इसमें जहां प्रत्याशी किस पार्टी से जुड़ा हुआ है। जिस पार्टी में देश का विकास, युवाओं का भविष्य दिखाई देगा उसके प्रत्याशी के पक्ष में वोट डालूंगा। मेरे हिसाब से लोकतंत्र में सरकार चुनने में युवाओं की अहम भूमिका होती है। युवा देश के भविष्य होते हैं । अतः सभी युवाओं को सोच समझकर ही जनप्रतिनिधि का चुनाव करना चाहिए।

- **पंकज श्रीवास्तव**, युवा मतदाता

जो हो न सका...

सुल्तानिया अस्पताल की खाली हुई बिल्डिंग में सरकारी कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च फाउंडेशन अब तक नहीं खोला जा सका

वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव के बाद सांसद चुनी गई प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने यह प्रयास किया था कि एक सरकारी कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च फाउंडेशन अलग से बन जाए, जिससे पूरे प्रदेश के लोगों को लाभ मिल सके। दरअसल अभी तक इसके लिए कोई सरकारी अस्पताल स्वतंत्र रूप से नहीं बनाया है। एम्स या हमीदिया में इलाज तो मिलता है, लेकिन अलग से सरकारी अस्पताल नहीं हैए। जिससे लोगों को मुंबई के टाटा या भोपाल के एक संस्थागत अस्पताल जाना पड़ता है। यहां खर्चा इतना ज्यादा है कि आदमी पूरी तरह से अपना सब कुछ बेचने को मजबूर हो जाता है।

भोपाल के डॉ. यशवंत राव धवले के अनुसार सुल्तानिया जनाना अस्पताल को हमीदिया में शिफ्ट किया गया है। अगर सुल्तानिया को कैंसर अस्पताल के लिए चयनित किया जाता है तो यह अस्पताल मध्य प्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लोगों की सेवा कर सकता है।

प्रस्ताव बनाकर भेजा था

कैंसर अनुसंधान में उन्नत और अद्यतन तौर-तरीके बढ़ाए जा सकते थे। इस संबंध में सांसद ने प्रदेश व सरकार को भी प्रस्ताव भेज दिया था। प्रदेश सरकार इसमें निर्णय लेती तो आगे का काम केंद्र के माध्यम से सांसद द्वारा करवाया जा सकता था।

जानिए आदर्श आचार संहिता ...

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 28 क (उद्धरण परिशिष्ट-एक) के अधीन निर्वाचनों के संचालन के लिए नियोजित समस्त अधिकारी, कर्मचारी तथा राज्य सरकार की ओर से पदाभिहित पुलिस अधिकारी निर्वाचन के परिणाम घोषित होने तक भारत निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति पर समझे जाएंगे। ऐसे अधिकारी उस समय तक निर्वाचन आयोग के नियंत्रण, अधीक्षण और अनुशासन के अधीन रहेंगे। निर्वाचनों से सशक्त पदीय कर्त्तव्य को यथोचित तरीके से जिम्मेदारी पूर्वक करना विधि के साथ अपेक्षित कर्त्तव्य है। जिसकी अवहेलना शासकीय सेवक को दण्ड का पात्र बनाती है। इस विषय में आपका ध्यान विशेष रूप से लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 134 की ओर आकर्षित किया जाता है, जिसका उद्धरण परिशिष्ट-एक में दिया गया है। चुनाव की घोषणा के दिनांक से निर्वाचन पूर्ण होने तक की अवधि में मंत्रियों को यात्रा के दौरों के सिलसिले में शासन आदेश प्रसारित करता है। जब कभी मंत्री जिले में शासकीय भ्रमण पर आएं और सर्किट हाउस या विश्राम गृह में ठहरें, तब हमेशा की तरह उनके आगमन, प्रस्थान के समय उपस्थित रहना चाहिए। यदि मंत्री किसी निजी निवास पर ठहरते हैं तो आगमन और प्रस्थान के समय किसी अधिकारी को जाने की जरूरत नहीं है। यदि किसी सरकारी काम से कोई मंत्री किसी अधिकारी को सर्किट हाउस या रेस्ट हाउस में बुलाए तो जाना चाहिए, परन्तु किसी के निजी मकान पर जहां मंत्री ठहरे हों, नहीं जाना चाहिए. निर्वाचन से संबंधित अधिकारी उक्त विषय में निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करें।

राशिफल

मेष - मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष - अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन - मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क - आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह - शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या - मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती

तुला - आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक - आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु - मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर - वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि

कुंभ - मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन - शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तीन कबाड़ियों के ठिकानों पर छापेमार

कबाड़ की आड़ में चल रही थी चोरी, दो ट्रक भी किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छत्तीसगढ़

सक्ती जिले में भाजपा सरकार के आने और नव पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के पदभार ग्रहण करने के बाद से पुलिस एक्शन मोड में नजर आ रही है। सक्ती पुलिस ने शुक्रवार को तीन कबाड़ियों के यहां एक साथ छापेमारी की कार्रवाई की है।

छापामार कार्रवाई में पुलिस को तीनों कबाड़ियों के गोदाम से भारी मात्रा में कबाड़ मिला। स्क्रैप से संबंधित बिल मांगने पर गोदाम मालिक कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाए, जिसके बाद पुलिस ने भारी मात्रा मे स्क्रैप को जब्त कर लिया। साथ ही दो ट्रक और गैस कटर मशीन भी जब्त किया है। कबाड़ियों पर कई साल बाद ऐसी कार्रवाई हुई है।

सुकमा में आईईडी ब्लास्ट में दो जवान घायल

पीड़िया के जंगलों में पुलिस की मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

बीजापुर में नक्सल प्रभावित पीड़िया के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में दो नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया है। पुलिस विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बीजापुर और दंतेवाड़ा के सरहदी इलाके में नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन चलाया गया है। इस एंटी नक्सल ऑपरेशन में बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा के एसपी नजर बनाये हुए हैं।

ऑपरेशन में डीआरजी, बस्तर फाइटर्स और कोबरा के जवान शामिल हैं। बीजापुर एसपी डॉक्टर जितेंद्र यादव ने कहा कि पीड़िया के जंगलो में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है।

प्रेशर आईईडी की चपेट में आए जवान

वहीं दूसरी ओर एंटी नक्सल ऑपरेशन के लिए जाते हुए बस्तर फाइटर्स के दो जवान प्रेशर आईईडी की चपेट में आने घायल हो गए हैं। घायल जवानों के प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से रायपुर भेज दिया गया है।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- खत्री 27 वर्ष/ 5'-11''/ B.A./ खुद का बिजनेस, मिडिल क्लास फैमिली, दिल्ली (निवासी), स्मार्ट लड़के के लिए पढ़ी लिखी सुयोग्य वधू चाहिए सम्पर्क करें- 8595057291 (12600)

वधु चाहिए
पंजाबी तलाकशुदा 36 वर्ष 5'9" MBA खुद का बिजनेस, मिडिल क्लास फैमिली हेतु सुंदर सुशील, सुयोग्य वधु चाहिए अन्य सामान्य जाति बंधन नहीं।
संपर्क करें
9425535104

वर चाहिए

सतनामी वर चाहिए
तलाकशुदा उम्र 38 साल कन्या शिक्षा एम.एस.सी. बायोटेक एवं बी.एड. तथा रायपुर में इंग्लिश मिडियम स्कूल में टीचर है। मासिक आय 50 हजार रुपये है। उसके लिए सजातीय योग्य वर की आवश्यकता है।
संपर्क करें
6267344704

शब्द पहेली - 5462

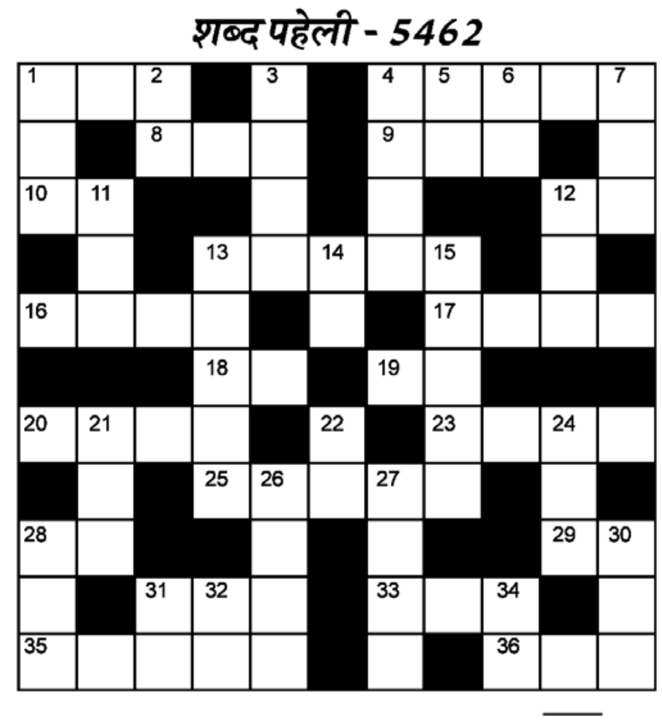

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 5461 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झौ			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		श	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

सूडोकु नवताल- 5473

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5472 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	8	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

MANGAL SENACHA BANGALORE

तन रंग लें-मन रंग लें
जीवन सतरंगी कर लें

जीवन में अगर रंग न हों तो सब कितना बेरंग-नीरस लगेगा। जीवन में रंगों की महत्ता को रेखांकित करने के लिए ही हमारे देश-समाज में पौराणिक काल से ही रंग पर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व हमें प्रेम, स्नेह और अपनेपन के रंग में रंग देता है। जीवन को सतरंगी बनाता है।

{ पर्व-निहितार्थ / डॉ. मोनिका शर्मा }

रंग सदा जीवन के संग चलते हैं। अवसरों के अनुसार विशेष छटा के साथ बिखरते हैं। कभी रंगों की चटक, उसकी आभा मन में उत्साह भरती है तो कभी फीकापन सुकून देता है। मन-जीवन की हर निखार-संवार में रंग अपनी उपस्थिति रखते हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अपनी आभा संग ये रंग अलग-अलग अनुभूतियों से मिलवाते हैं। रिश्तों के हर मोड़ पर विशेष ढंग से मन को प्रभावित करते हैं। होली, रंगों की यही छटा हर ओर बिखरने का पर्व है। इस सतरंगी उत्सव पर जीवन से जुड़े रंग और रंगों में रचा-बसा जीवन का ताना-बाना स्मरण हो आता है। कुछ बीते हुए पल और थोड़ी-सी आज की हलचल, सतरंगी आभा से जीवन को सजा देती है।

बरकरार है नेह का भाव-चाव

हर औपचारिकता से परे यह पर्व लोगों को साथ और स्नेह की डोर से बांधता है। उड़ते गुलाल और फगुनाहट की धुन में बदला हाल-चाल भारतीय जनमानस को एक-दूजे से जोड़ता रहा है। नेह के भाव-चाव का यह उत्सव रिश्तों पर रीझने का प्यारा अवसर होता है। लोकगीतों में ध्वनित होते जमीनी जुड़ाव की धुन सुनने-सुनाने का मौका बन जाता है। भारत की पावन धरा पर तो ईश्वरीय अवतारों ने भी उत्सव की इस रंगीन छटा को आम मनुष्यों के समान ही जीया है। पौराणिक कथाएं, हमारे आराध्य भगवान कृष्ण, शिव और भगवान राम सभी के होली खेलने का वर्णन लिए हैं। ब्रजभूमि पर राधा-कृष्ण और गोपियों की ठिठोली के संग होली खेलने और काशी के मणिकर्णिका घाट पर शिवजी के श्मशान में होली खेलने की बात भी शामिल है। वहीं अवध में प्रभु राम और सीता माता के होली खेलने का भी उल्लेख है। सोचिए कि वृंदावन में गोपियों ने अपनी झोली से कृष्ण पर अबीर उड़ेल कर हंसते-खिलखिलाते हुए कितने नेह संग कहा होगा, *'लला फिर आइयो खेलन होरी।'* या राग-रंग में घुला यह भाव देखिए *ए केकरे हाथ कनक पिचकारी ए केकरे हाथे अबीरा/ अवध में होली खेले रघुबीरा।* नेह के इसी भाव-चाव को तब से अब तक भारत का जनमानस हर वर्ष जीवंत भाव संग जीता है।

साझी संस्कृति का उत्सव

होली का पर्व, हर उम्र के लोगों के लिए उत्सवीय धुन की आहट की तरह होता है। खान-पान से लेकर मस्ती और मेल-जोल तक। बच्चे-बड़े, महिला, पुरुष सब इस साझे सुख को जीते हैं। ठंडाई, गुझिया, खीर, पूड़ी, कचौड़ी और दही-बड़े का स्वाद अपनी रसोई की ओर ले जाता है तो गुलाल उड़ाने की मस्ती आंगन में खींच लाती है। रिश्तों पर रीझने और अंजान लोगों को भी रंग डालने की रीत का मानवीय मेल इसे साझी संस्कृति का पर्व बनाता है। झांझ-मंजीरे और ढोलक की थाप के साथ गूंजते स्थानीय गीतों से इस पर्व पर लोक का स्वर मुखर होता है। हंसने-हंसाने नाचने-गाने की एक अनगढ़ थिरकन मन मोहती है। होली पर ब्रजभूमि की गोपियां भी याद आती हैं और राधा-कृष्ण भी। होली पर अबीर उड़ाते रघुबीर भी स्मरण हो आते हैं। गहरे रंगों से रंगे-पुते चेहरों का आपसी मेल-जोल मानवीय संवेदनाओं को उजला बनाता है। आदिम उल्लास का यह पर्व असल में आत्मीय जुड़ाव की अनौपचारिक खनक साथ लाता है। गांव की चौपाल से जुड़ी स्मृतियां आज महानगरों में बसी बड़ी हुई पीढ़ी के मन में दस्तक देने लगती हैं।

परंपरा की अनौपचारिक खनक

देश के हर हिस्से में फाग की मस्ती और हंसी-ठिठोली विशेष रंग लिए होती है। यह धमक मन की थिरकन है। कहीं कृष्ण भक्ति के रस में डूबे लोग तो कहीं अपने आराध्य के चरणों में गुलाल लगाने की परंपरा। कहीं कानों से टकराती चंग की थाप की मादकता तो कहीं टपकता महुआ। एक तरफ खेतों में पकती गेहूं की बालियां तो दूसरी तरफ बौर से लदकर झुक आए आमों के पेड़। पूरी प्रकृति इस उत्सवीय छटा को जीती नजर आती है। वहीं होली के इस पर्व पर इंसानों के भाव-चाव भी बहुत मुखर होते हैं। कहीं कोई औपचारिकता नहीं। दिखता है तो बस अपनेपन से भरा राग-रंग और सामुदायिक जुड़ाव की धुन। तभी तो होली आध्यात्मिक-सामाजिक भावों से जुड़ी खुशियों को जीते हुए, उदारता और सहिष्णुता सिखाने वाला उत्सव है। हर उम्र, हर समुदाय के लोगों को ऊर्जावान और जीवंत बने रहने का संदेश देता है। इसीलिए तो जीवन को सरस-सुंदर बनाने वाला यह रंगपर्व, भारतीय संस्कृति की सबसे प्यारी उत्सवीय परंपराओं में से एक है।

तो आइए इस रंगोत्सव पर एक बार फिर हम सब प्रेम और अपनेपन के रंगों से एक-दूसरे को सराबोर कर लें, जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से सजा लें। *

{ होली के दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे }

रंगों के संग खेलती, एक नवल-सी आस।
मन में पलने लग गया, फिर नेहिल विश्वास।।
कुंजन, क्यारिन रौनकें, अवसादों का अंत।
अनुरागी की बात क्या, तोड़ रहे तप संत।।
बौराया-सा लग रहा, देखो तो मधुमास।
प्रीति-प्रणय के भाव का, है हर दिल में वास।।
भली लगे शीतल हवा, मौसम के प्रतिमान।
अधरों पर पलने लगा, ढाई आखर गान।।
करते मंगलकामना, आकर रंग-अबीर।
वे भी चंचल हो गए, जो थे नित गंभीर।।

सुदृढ़ नहीं रह पाए नहीं, अनुशासन के बंध।
अभिसारों ने है रची, चोखी-नई सुगंध।।
फागुन की अठखेलियां, नयनों की है मार।
बदला-बदला लग रहा, देखो यह संसार।।
कदम-कदम से मिल रहे, हाथ गह रहे हाथ।
पर्वों को तो मिल रहा, धर्म,नीति का साथ।।

{ उल्लासोत्सव / कुमार राधारमण }

होली के पर्व में कुछ ऐसी विशिष्टताएं हैं, जो इसे सबसे विलक्षण बनाती हैं। पूरे देश में अलग-अलग रूपों में मनाया जाने वाला यह पर्व हम सभी के जीवन में बहुत मायने रखता है।

उत्तराखंड के कुमाऊं में होली

रंग-उमंग-तरंग समेटे
विलक्षण पर्व होली

जीवन के हजार रंग हैं। हमारे पर्व-त्योहार इन्हीं रंगीनियों को बनाए रखने के लिए हैं। तमाम रंगों में एक रंग ऐसा है, जिसमें सामूहिकता का बोध निहित है, और वह रंग है होली का। जीवन में जो भी उत्सव और उल्लास है, केवल वर्तमान के क्षण में ही है। हमारे सारे पर्व-त्योहार हमें वर्तमान में जीने का ही प्रयास हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक उत्सवधर्मी देश का हिस्सा हैं। मेल-जोल और सामाजिकता हमारे पारस्परिक संबंधों की नींव रही है। मेल-जोल की जैसी परंपरा होली में दिखती है, वैसी अन्यत्र नहीं।

पूरे देश में दिखती है छटा: फाल्गुन पूर्णिमा का त्योहार होली, थोड़ी-बहुत भिन्नता के साथ देश भर में मनाई जाती है। ब्रज की लट्ठमार, फूल और गुलाल की होली के सप्ताह भर के आयोजन से हममें से अधिकतर परिचित हैं। उत्तराखंड में कुमाऊं की होली के कई दिन पहले से गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की मंडली जमने लगती है। महाराष्ट्र में शिमगा की रात को हर मोहल्ले में लकड़ी जलाई जाती है और दिन में लोग पूरन पोली बनाते हैं, सूखे गुलाल की होली खेलते हैं। कर्नाटक में सिरसी में, होली से पांच दिन पहले बेदरा वेशा लोकनृत्य होता है। तेलंगाना में होली 10 दिन पहले शुरू हो जाती है। पंजाब के आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला में सिख धर्मावलंबी शक्ति प्रदर्शन करते हैं और रंग की जगह कलाबाजी, कुश्ती, मार्शल आर्ट आदि का प्रदर्शन करते हैं। मध्य प्रदेश में खासकर भोपाल -इंदौर में, होली के बजाय होली के अगले दिन की रंगपंचमी खास होती है। राजस्थान में उदयपुर की संगीतमय होली को देखने विदेशी पर्यटक भी आते हैं। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन की पारंपरिक अबीर होली की अलग खूबसूरती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम की होली दोल जात्रा कहलाती है, जिसमें राधा-कृष्ण की प्रतिमा को मोहल्ले में घुमाया जाता है। गुजरात में होली पर छाछ से भरे मटके को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाया जाता है।

आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला

कृषि से भी है संबंधित: यों तो होली कृषि का भी त्योहार है, क्योंकि फागुन नई फसल के पकने का समय होता है। इसलिए, होलिका दहन में अग्निदेव को जौ-गेहूं अर्पित किया जाता है और नई फसल की बालियों को पकाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया जाता है।

बदल गया पर्व का स्वरूप: समय के साथ-साथ होली का स्वरूप बदलता गया और लोग इससे बचने लगे हैं। विकृत स्वरूप के कारण रंगों का चलन कम हो गया है और केवल थोड़े-बहुत अबीर का चलन रह गया है। एकाकी होती जीवनशैली के इस दौर में होली सामूहिकता का आमंत्रण है। होली हंसी के फव्वारों का महोत्सव है। होली पर अपने मन के उल्लास को खुलकर व्यक्त करना अच्छा है, बशर्ते उसमें अश्लीलता और फूहड़पन न हो। हमारी होली सभी के लिए सुरक्षित हो। हमारी होली में भी वही गुलाल हो, जो जीवन को प्रेमिल बनाए। इतना ऊर्जावान, व्यक्ति किसी भी पर्व में नहीं होता, जितना होली में होता है। तभी, ओशो कहते हैं, 'होली जैसा नृत्य करता उत्सव पृथ्वी पर और कहीं नहीं है।' *

बंगाल की पारंपरिक अबीर होली

{ आत्मप्रेरणा / राजयोगी बीके निकुंज जी }

होली पर हम सभी होलिका दहन करते हैं, अगले दिन उमंग-उल्लास के साथ रंग खेलते हैं। लेकिन इसकी सार्थकता तभी है, जब हम सब इस पर्व के भावार्थ को आत्मसात करें।

होली का भावार्थ करें आत्मसात

भारतवर्ष में जितने भी त्योहार-पर्व मनाए जाते हैं, उन सभी में से होली का रंगोत्सव-मंगलोत्सव विशिष्ट और विलक्षण है। रस, रंग से सराबोर यह पर्व आंतरिक उल्लास को उभारने वाला एक सांस्कृतिक पर्व भी है।

सभी मनाते हैं प्रेम से: इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे देश के हर वर्ग, जाति, धर्म एवं संप्रदाय के लोग बिना किसी भेदभाव के बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ मनाते हैं। रंगों का यह पर्व प्रकृति से मानव को एकाकार कर तादात्म्य स्थापित कर देता है एवं जीवन को उल्लास के साथ जीने की रीति-नीति के लिए प्रेरित भी करता है।

आत्मशुद्धि का अवसर: हिंदू संस्कृति में अनावश्यक और हानिकारक वस्तुओं को हटा देने और मिटा देने को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है और इसी दृष्टिकोण को क्रियात्मक रूप देने के लिए होली का त्योहार बनाया गया है। अतः होली के त्योहार का छिपा हुआ संदेश यही है कि हम अपनी भीतरी और बाहरी गंदगी को ढूंढ़-ढूंढ़ कर साफ करें और चतुर्मुखी पवित्रता की स्थापना करें। मानसिक, सामाजिक, राजनैतिक विकृत विकारों के कंटक जो हमारे रास्ते में बिछे हुए हैं, उन्हें सब मिल-जुल कर खोजें और उनको आग में भस्म कर उत्सव मनाएं।

पौराणिक संदर्भ: पौराणिक दृष्टि से यह त्योहार कब आरंभ हुआ, इसके बारे में विभिन्न मत-मतांतर हैं। इस पर्व से अनेक कहानियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है भक्त प्रह्लाद की। इसके अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन अर्थात प्रह्लाद की बुआ, प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठी थी, प्रतिवर्ष 'होलिका' नाम से आज तक जलाई जाती है। भविष्य पुराण के अनुसार ठुंठला नामक राक्षसी के द्वारा शिव-पार्वती से यह वरदान तपश्चर्या द्वारा प्राप्त किया गया था कि वह सुर-असुर नर-नाग किसी से न मारी जा सके और जिस बालक को खाना चाहे खा सके। कथा के अनुसार, वरदान देते समय भगवान महादेव ने यह शर्त लगा दी कि वर्ष में केवल होली के एक दिन यह वरदान फलीभूत नहीं होगा और उस दिन जो भी बालक वीभत्स आचरण करते, निर्लज्जतापूर्वक फिरते पाए जाएंगे, उन्हें वह नहीं खा सकेगी। कहा जाता है कि उस राक्षसी से बचने के लिए तरह-तरह के वीभत्स स्वांग रचने की परंपरा इस त्योहार से ही बनी। एक और मान्यता के अनुसार इसी दिन के लिए महर्षि वशिष्ठ जी ने सब मनुष्यों के लिए अभयदान मांगा था, ताकि वे निःशंक होकर इस दिन हंस-खेल सकें। इसी प्रकार भविष्य पुराण में नारद जी ने राजा युधिष्ठिर को होली के संबंध में एक कथा सुनाई, वह इस प्रकार है, नारद जी बोले, 'हे नराधिप! फाल्गुन की पूर्णिमा को सब मनुष्यों के लिए अभय दान देना चाहिए, जिससे समस्त प्रजा भय-रहित होकर हंसे और क्रीड़ा करे। डंडा और लाठी लेकर बालक शूरवीरों की तरह गांव के बाहर जाकर होली के लिए लकड़ी और कंडों का संचय करें। उस होलिका-दहन, हास-परिहास और मंत्र उच्चारण से पापात्मा राक्षसी नष्ट हो जाती है।'

प्रतीकों का समझें भावार्थ: विभिन्न पौराणिक कथाओं से बुद्धिमान लोग समझ सकते हैं कि इसका शब्दार्थ लेना युक्ति-संगत नहीं है बल्कि भावार्थ अथवा लक्षणार्थ लेना ही विवेक-सम्मत है क्योंकि केवल लकड़ी और कंडों के दहन से तो सभी अनिष्टों का नाश हो नहीं सकता, न ही कभी ऐसा हुआ है। वास्तव में तो लकड़ी और कंडे, मनुष्य के स्वभाव और उसके कर्मों में जो दुख देने वाली आदतें हैं, जो कटुता, शुष्कता, क्रूरता तथा विकार रूपी झाड़-झंखाड़ हैं, उनके प्रतीक हैं और अग्नि 'योगाग्नि' का प्रतीक है। अतः बुरे संस्कारों, नास्तिकता तथा अभिमान रूप होलिका इत्यादि को परमात्मा रूप दिव्य अग्नि की पाप-दह शक्ति में होम कर देना या योगाग्नि में भस्म कर देना ही 'होलिका-दहन' है। इससे मनुष्य के मन में हर्ष और आह्लाद होना स्वाभाविक है, इसलिए यह हास-परिहास का त्योहार माना गया है।

'अभय दान' देने का अर्थ भी यही है कि हम हिंसा, क्रोध, द्वेष इत्यादि से वशीभूत होकर व्यवहार न करें, जिससे कि हमसे किसी को भय हो। सोचने की बात है कि लकड़ी और कंडों को जलाने से तो 'पापात्मा राक्षसी' का नाश नहीं होगा न? क्योंकि 'पापात्मा राक्षसी' तो हमारे मन में बैठी हुई आसुरी वृत्तियों तथा पापजनक कर्मों की ही सूचिका है। अतः हम ज्ञान-रंग से एक-दूसरे को रंग कर, मन के कुभावों तथा कुसंस्कारों का कचरा दग्ध कर दें- यही होली और होलिकोत्सव का वास्तविक रहस्य है, प्रेरणा है। *

{ हास्य गजल / सूर्य कुमार पांडेय }

क्या करें

उम्र ने यह की है साजिश, क्या करें?
हो गए हैं गाल किशमिश, क्या करें?
ऐसे किशमिश होने का क्या फायदा,
जब उन्हें हम कर रहे 'मिस', क्या करें?
अकड़ बॉडी में है, जाती ही नहीं,
कह रही वह, करिए वर्जिश, क्या करें?
मेन ऑफिस के ही नखरे इतने हैं,
खोल कर इक ब्रांच ऑफिस, क्या करें?
एक से ब्रेकअप, फिर दूजे से तलाक,
जानूं, तू भी निकली सेल्फिश, क्या करें?
अपने घर का है अलग ही संविधान,
कर रहे हम उनकी मालिश, क्या करें?

{ हास्य व्यंग्य / शरद उपाध्याय }

फेसबुकिया नायिका के फाग

प्रिये, अब मन बिल्कुल बदल गया है। होली की नायिकाएं अब फीकी पड़ गई हैं। बस बार-बार फेसबुक पर चिपका हुआ तुम्हारा गुलाबी चेहरा याद आ रहा है। होली आ चुकी है। चारों ओर रंग ही रंग बिखरा पड़ा है। कल्पनाएं हिलोरे ले रही हैं। फेसबुक पर तुम्हारे टीपकर लिखे फाग पर 'लाइक' के साथ 'कमेंट' भी कर चुका हूं। तुम 'ऑफलाइन' हो, पर बार-बार दूसरों की वॉल पर 'कमेंट' की पिचकारियां फेंकती फिर रही हो, यह ठीक नहीं है। यह हमारे शाश्वत प्रेम के खिलाफ है। इससे न जाने कितने रंग भरे गुब्बारे मेरे सीने पर फूटने लगे हैं। तुम्हारे लिए ही एक पुराना 'रंगीन' फोटू, जिसमें बीवी भी नहीं पहचान पाती, फेसबुक पर चिपका रखा है। इसी के सहारे साल भर से हम रसिया गा रहे हैं। तुम्हारा जैसे ही सुंदर मुखड़ा देखते हैं, झट से लाइक कर देते हैं, और बिना पढ़े ही अच्छा सा कमेंट कर डालते हैं। अब इतने सुंदर चेहरे को देखकर भला कहां कुछ पढ़ने-लिखने का मन करता है। अब तुम भी जरा सोचो, इतने दिनों से 'ऑफलाइन' हो। अब होली के अवसर पर थोड़ा-सा डिस्काउंट तो दे दो, चंद पलों के लिए तो 'ऑनलाइन' हो जाओ। देखो, मैंने तुम्हारे लिए कितना त्याग किया है। लाख 'डिसलाइक' की स्थिति होने पर भी सैंकड़ों-हजारों बार 'लाइक' किया। यही सोचकर कि अब कुछ तो तुम्हारी तरफ से अबीर उड़ेगा। कभी तो तुम मेरे साथ फाग गाओगी। अभी-अभी तुमने होली पर जो प्रेम का रसिया वॉल पर डाला है, दसवीं कक्षा की किताब से नकल करने के बाद भी अच्छा है। हालांकि उसमें मात्राओं की कई गलतियां हैं, पर कोई बात नहीं। ये सारी बातें रंगीन भावनाओं के कारण क्षम्य हैं। पर एक बात सच-सच बताओ। ये जो तुमने 'स्टेटस', 'सिंगल' डाल रखा है, वो सच तो है ना! नहीं तो मैं बेकार ही काल्पनिक फाग गाकर होली न निकाल दूं। अब चारों ओर होली का गुलाल उड़ रहा है। मेरा मन भी कर रहा है कि तुम्हारे गोरे गालों पर थोड़ा सा अबीर मल दूं। पर एक बात का डर लगता है, तुमने फेसबुक पर जो सुंदर फोटो डाल रखा है, वो तुम्हारा ही तो है ना? तुम्हारे इस सुंदर फोटो पर विश्वास करके ही होली की धूम को छोड़कर नेट पर बैठा हूं। गूगल प्लस पर तुमने फोटो की जगह 'फूल' डाल रखा है। कहीं तुम मुझे 'फूल' तो नहीं बना रहीं? एक्स पर भी तुम न जाने किनको 'फॉलो' करती नजर आती हो। अब ये बातें सोचता हूं तो दिल बैठ जाता है।

एक बार तुमने कमेंट लिखने में 'जेंडर-मिस्टेक' कर दी तब ऐसा लगा था कि कहीं तुम्हारी आईडी 'फेक' तो नहीं है। भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि ऐसा नहीं हो। मेरा विश्वास है कि ऐसा नहीं होगा। इसीलिए तो बाहर उड़ती हुई गुलाल को छोड़कर मन की पिचकारी लिए 'ऑनलाइन' बैठा तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं। ये 'ऑफलाइन' की लंबी अंधेरी रात कब खत्म होगी। बस आ भी जाओ। किसी बात का बुरा मत मानना। इस सूने जीवन में होली का रंग तो बिखेर दो। मैं कब से नेट खोलकर बैठा हूं। बस एक बार.... तुम्हें होली की कसम! *

{ लघुकथा / अशोक वाधवाणी }

होली है ..!

आत्माराम मित्रों के साथ होली खेलने के लिए सुबह-सुबह सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर घर से निकले। चौराहे पर देखा, ढेर सारे बच्चे पिचकारी से एक-दूसरे को रंग रहे हैं। उन्हें वहां से गुजरते देखकर बच्चे ठिठक गए। इन बच्चों में एक बच्चा जो उम्र में कुछ बड़ा था, बाकी बच्चों से बोला, 'अंकल को जाने दो। गलती से उन्हें रंग लग गया तो हमारी खैर नहीं।'

आत्माराम ने जिज्ञासावश एक बच्चे से इसका कारण पूछा तो उसने बताया, 'थोड़ी देर पहले हमने एक बुजुर्ग पर पिचकारी से रंग डाल दिया था, वे आगबबूला हो गए। हमको मारने के लिए पत्थर तक उठा लिया। हम सब डर कर भाग गए।'

यह सुनकर आत्माराम बच्चों से बोले, 'मैं तो अपने दोस्तों के साथ रंग खेलने जा रहा था। अब शुरुआत तुम बच्चों से ही करूंगा।'

आत्माराम की बात सुनकर सारे बच्चे खुशी से नाच उठे। बच्चों ने 'होली है..!' कहकर उन्हें सर से पांव तक रंग दिया। आत्माराम भी बच्चा बनकर बच्चों की खुशी में शामिल होकर नाचने-गाने लगे। रास्ते से गुजरने वाले लोग बच्चों के साथ एक बुजुर्ग की इस तरह मस्ती देखकर रुक कर देखने लगे। वे सभी अचंभित भाव से मंद-मंद मुस्करा रहे थे। *

{ कुंडलियां / श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल' }

अंग-अंग में रंग

होली में मुस्काए के, करके तिरछे नैन।
बातों का रस घोल के, गोरी लूटै चैन।
गोरी लूटै चैन, नैन अपने मटकाती।
संकेतों के तीर, चला कर है मुस्काती।
कह 'कोमल' कविराय, नैन से मारे गोली।
अंग-अंग में रंग, रंगीली आई होली।।
होली आई झूम कै, मन में उठी तरंग।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
बजते ढोल मृदंग, रंग की मस्ती छाई।
एक नया उल्लास, हास ले होली आई।
कह 'कोमल' कविराय, नैन तिरछे कर बोली।
चूक रहे क्यों आज, संग में खेलो होली।।

आईपीएल
सैम और लियाम ने की 67 रन की साझेदारी

कुरैन की फिफ्टी, 4 विकेट से जीता पंजाब, फीकी रही पंत की वापसी

एजेंसी ▶▶| मोहाली

पंजाब किंग्स ने शनिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को चार विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। ऋषभ पंत 14 महीने बाद मैदान पर वापसी का जश्न जीत से नहीं मना सके। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद नौ विकेट पर 174 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में पंजाब ने छह विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाकर मैच जीत लिया।

पंजाब के सैम कुरैन ने 47 गेंद पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाए जबकि लियाम लिविंगस्टोन ने 21 गेंद पर नाबाद 38 रन बनाए जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल हैं। इसमें सुमित कुमार पर अंतिम ओवर में जमाया गया विजयी छक्का भी शामिल है जिससे पंजाब ने 19.2 ओवर में 6 विकेट पर 177 रन बना कर जीत दर्ज की।

ऋषभ की वापसी पर गूगल की स्पेशल पोस्ट

भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी जमकर सुर्खियों में है। वह शनिवार को आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स मैच में मैदान पर उतरे। उन्होंने 15 महीने बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में कमबैक किया है। पंत का दिसंबर 2022 में भयानक कार एक्सीडेंट हुआ था, जिसमें गंभीर चोटें आईं। उन्हें सर्जरी करानी पड़ी और लंबे समय तक रिहैब से गुजरना पड़ा। 454 दिन बाद पंत की वापसी पर फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट काफी खुश हैं। वहीं, गूगल ने भी उन्हें लेकर स्पेशल पोस्ट शेयर की। गूगल इंडिया ने पीबीकेएस वर्सेस डीसी मैच शुरू होने से कुछ देर पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पंत के स्वागत में पोस्ट साझा की। गूगल ने लिखा, 'काफी लंबा इंतजार करना पड़ा, वापसी पर स्वागत है'। गूगल की पोस्ट में एक स्क्रीनशॉट भी है, जिसमें सवाल है कि 25/12/2022 को कितना वक्त गुजर चुका है? जवाब में लिखा है, '454 दिन'। वह 25 दिसंबर 2022 को आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में मैदान पर उतरे थे। बता दें कि पंत ने कमबैक मैच में 13 गेंदों में 2 चौकों की मदद से 18 रन बनाए।

पंत ने बनाए 18 रन

दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद अपना पहला मैच खेल रहे पंत ने 13 गेंद पर 18 रन बनाए जिसमें दो आकर्षक चौके शामिल हैं। दिल्ली के कप्तान पंत भी हालांकि अपने अन्य बल्लेबाजों डेविड वार्नर (29 रन), मिशेल मार्श (20), शाई होप (33) और अक्षर पटेल (21) की तरह अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए।

पोरेल ने एक ओवर में बनाए 25 रन

पोरेल को इंपैक्ट प्लेयर के रूप में उतारा गया और वह टीम प्रबंधन के फैसले पर खरा उतरे। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हर्षल पटेल (दो विकेट) के पारी के अंतिम ओवर में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 25 रन बटोर कर उनका गेंदबाजी विश्लेषण बिगाड़ दिया।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
वॉर्नर का शर्मा बो पटेल	29	21	3	2
मार्श का चाहर बो अर्शदीप	20	12	2	2
होप का बरार बो रबाडा	33	25	2	2
पंत का बेयरस्टो बो पटेल	18	13	2	0
भुई का शर्मा बो बरार	03	07	0	0
स्टब्स का शशांक बो चाहर	05	08	0	0
अक्षर पटेल रन आउट	21	13	2	1
सुमित का शर्मा बो अर्शदीप	02	09	0	0
अभिषेक पोरेल नाबाद	32	10	4	2
कुलदीप यादव रन आउट	01	02	0	0

अतिरिक्त : 10, कुल : 20 ओवर में 174/9
गेंदबाजी : कुरैन 1-0-10-0, अर्शदीप 4-0-28-2, रबाडा 4-0-36-1, बरार 3-0-14-1, चाहर 4-0-33-1, हर्षल 4-0-47-2.

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
शिखर धवन बो शर्मा	22	16	4	0
जॉनी बेयरस्टो रन आउट	09	03	2	0
प्रभसिमरन का वॉर्नर बो कुलदीप	26	17	5	0
सैम करन बो अहमद	63	47	6	1
जितेश स्ट पंत बो कुलदीप	09	09	1	0
लियाम लिविंगस्टोन नाबाद	38	21	2	3
शशांक पंत बो अहमद	00	01	0	0
हरप्रीत बरार नाबाद	02	02	0	0

अतिरिक्त : 08, कुल : 19.2 ओवर में 177/6
गेंदबाजी : अहमद 4-0-43-2, इशांत 2-0-16-1, मार्श 4-0-52-0, अक्षर 4-0-25-0, कुलदीप 4-0-20-2, सुमित 1.2-0-19-0.

खास खबर

मुंबई में रोहित की विरासत आगे बढ़ाने की शुरुआत करेंगे हार्दिक

अहमदाबाद। हार्दिक पंड्या रविवार को यहां जब अपनी पूर्व टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग में पहली बार मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे तो उनका लक्ष्य अपने पूर्ववर्ती रोहित शर्मा की विरासत को आगे बढ़ाना होगा। हार्दिक की अगुवाई में टाइटंस ने अपने पदार्पण सत्र में ही खिताब जीता था जबकि पिछली बार वह उपविजेता रहा था। यह ऑलराउंडर हालांकि इस सत्र में वापस मुंबई से जुड़ गया जहां उन्हें रोहित के स्थान पर कप्तान नियुक्त किया गया है। हार्दिक इसके साथ ही वनडे विश्व कप में चोटिल होने के बाद किसी टूर्नामेंट में खेलेंगे। टाइटंस ने हार्दिक की जगह शुभमन गिल को अपना कप्तान नियुक्त किया है जिन्हें कप्तानी का बहुत कम अनुभव है।

मुस्तफिजुर ने अपनाई अच्छी रणनीति

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी सलाहकार एरिक सिमंस ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया जिससे उनकी टीम आईपीएल के शुरुआती मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ आसान जीत दर्ज करने में सफल रही। मुस्तफिजुर ने 29 रन देकर चार विकेट लिए जिससे चेन्नई की टीम आरसीबी को छह विकेट पर 173 रन पर रोकने में सफल रही।

माही भाई से मैच फिनिश करना सीखा

चेन्नई। भारतीय आल राउंडर शिवम दुबे का कहना है कि उन्हें मुश्किल मुकाबलों को 'फिनिश' करने में मजा आता है और उन्होंने यह कला चेन्नई सुपर किंग्स के साथी खिलाड़ी एमएस धोनी का अनुकरण करके सीखी है। धोनी विश्व क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ 'फिनिशिर' में से एक हैं। दुबे ने शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ 34 रन की अहम पारी खेली और पांचवें विकेट के लिए रविंद्र जडेजा (नाबाद 25 रन) के साथ 66 रन की अटूट भागीदारी निभाकर सीएसके को छह विकेट से जीत दिलायी।

खबर संक्षेप

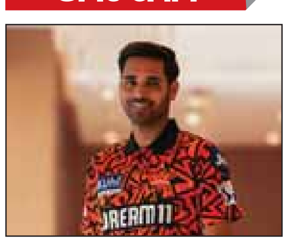

भुवनेश्वर रचेंगे इतिहास 150 विकेट से सिर्फ 4 दूर

मुंबई। भुवनेश्वर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं. वह सनराइजर्स के लिए 150 विकेट लेने से सिर्फ 4 विकेट दूर हैं। भुवनेश्वर लीग में किसी एक फ्रेंचाइजी के लिए 150 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन सकते हैं। अब तक केवल लसिथ मलिंगा (मुंबई) और सुनील नरेन (कोलकाता) ने आईपीएल में एक टीम के लिए 150 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। अब इस लिस्ट में भुवनेश्वर शामिल हो सकते हैं। आईपीएल के ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो भुवनेश्वर के खाते में 170 विकेट हैं। वह सनराइजर्स हैदराबाद से पहले पुणे वॉरियर्स इंडिया टीम के सदस्य थे। उन्होंने दोनों टीमों के लिए कुल 160 मैच खेले हैं।

वसीम का यू-टर्न अपनी बात से पलटे

कराची। पाकिस्तान सुपर लीग के फाइनल में स्मोकिंग को लेकर चर्चा में आए इमाद वसीम अपनी बात से पलट गए हैं। टी20 वर्ल्ड कप को लेकर उन्होंने बड़ा फैसला लिया है। इमाद ने इस्लामाबाद यूनाइटेड की टीम को चैंपियन बनाने में बड़ा योगदान दिया था। उन्होंने फाइनल में मुल्तान सुल्तांस के खिलाफ फाइनल मैच में 5 विकेट लिए थे। अब इमाद ने टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का मन बनाया है।ऑलराउंडर इमाद वसीम ने रिटायरमेंट से वापसी की घोषणा कर दी है। इससे वह वह जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की नेशनल मेंस टीम के लिए उपलब्ध हो जाएंगे।

पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान नहीं रहे

लाहौर। भारत के साथ 2000 के दशक के शुरुआती वर्षों में क्रिकेट रिश्ते बहाल करने में अहम भूमिका निभाने वाले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान का शनिवार को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। पूर्व भारतीय कप्तान मंसूर अली खान पटौदी के रिश्तेदार शहरयार खान लंबे समय से बीमार थे। उनका जन्म भोपाल में हुआ था। वह 1990 से 1994 के बीच पाकिस्तान के विदेश सचिव रहे। इसके अलावा वह भारत और यूनाइटेड किंगडम में पाकिस्तान के उच्चायुक्त भी रहे। शहरयार पहली बार 2003 से 2006 के बीच पीसीबी के अध्यक्ष बने।

करुणारत्ने का अर्धशतक श्रीलंका की 211 रन की बढ़त

एजेंसी ▶▶| सिलहट

सलामी बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने (52 रन) के अर्धशतक की मदद से श्रीलंका ने शनिवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट मैच में शिकंजा कस दिया। श्रीलंका ने दूसरे दिन स्टंप तक पांच विकेट पर 119 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 211 रन तक पहुंचा दी।

पहली पारी में 280 रन पर सिमटने वाली श्रीलंकाई टीम ने तेज गेंदबाज विश्व फर्नांडो (चार विकेट) की बदौलत बांग्लादेश को 188 रन पर समेटकर 92 रन की बढ़त बनाई थी। लेकिन बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने दो झटके देकर दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 32 रन कर दिया।स्पिनर ताईजुल इस्लाम और मेहदी हसन ने क्रमशः एंजेलो मैथ्यूज (22) और दिनेश चांदीमल को आउट किया। इसके बाद करूणारत्ने ने टिककर खेलते हुए श्रीलंका की बढ़त 200 रन से पार करायी।स्टंप तक कप्तान धनंजय डि सिल्वा 23 और विश्व फर्नांडो दो रन बनाकर खेल रहे हैं।

वर्ल्ड क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप टीम में कार्तिक और गुलवीर शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने 30 मार्च को सर्बिया के बेलग्रेड में होने वाली 'वर्ल्ड क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप' में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए छह सदस्यीय टीम में एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता कार्तिक कुमार को चुना है। टीम में शीर्ष स्तर के एथलीट शामिल हैं जिनमें एशियाई खेलों के पदक विजेता और राष्ट्रीय चैंपियन भी शामिल हैं।

एशियाई खेलों में 10,000 मीटर के रजत पदक विजेता कार्तिक कुमार, कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह और राष्ट्रीय चैंपियन हेमराज गुज्जर पुरुष वर्ग में हिस्सा लेंगे। गुलवीर ने हाल में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ स्पर्धा में 16 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। 25 साल के इस खिलाड़ी ने 27.41.81 सेकंड का समय निकालकर 2008 में सुरेंद्र सिंह के 28:02.89 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को 20 सेकंड से बेहतर किया। लेकिन उनका यह प्रयास उन्हें ओलंपिक कोटा दिलाने में विफल रहा क्योंकि वह पेरिस खेलों के 27:00.00 के क्वालीफिकेशन समय से 41 सेकंड से चूक गए थे।

लखनऊ और राजस्थान के मैच में राहुल पर रहेगी नजर

जयपुर। लखनऊ सुपर जाइंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच के दौरान भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल की फॉर्म और फिटनेस पर सभी की नजर टिकी रहेगी।राहुल चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम चार टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। लखनऊ का कप्तान न सिर्फ एक बल्लेबाज बल्कि नेतृत्वकर्ता के रूप में भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा। लखनऊ की टीम उनकी अगुवाई में पिछले दो सत्र में प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही थी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन भी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए विकेटकीपर के रूप में भारतीय टीम में जगह बनाने के दावेदार हैं और वह भी शुरू से अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। रॉयल्स की टीम 2022 में फाइनल में पहुंची थी जहां उसे गुजरात टाइटंस से हार का सामना करना पड़ा था।

पिछले 16 महीनों में पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे श्रीकांत

एजेंसी ▶▶| बासेल

किदांबी श्रीकांत ने पिछले 16 महीनों में पहली बार किसी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचकर स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती भी बरकरार रखी। इस सत्र में अपना आठवां टूर्नामेंट खेल रहे श्रीकांत ने चीनी ताइपे के चिया हाओ ली को 35 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे गेम में 21-10, 21-14 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया।

श्रीकांत इससे पहले आखिरी बार नवंबर 2022 में हाइलो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के विश्व में 22वें नंबर खिलाड़ी से लिन चुन यी होगा। भारत के एक अन्य खिलाड़ी किरण जॉर्ज को हालांकि क्वार्टर फाइनल के एक संघर्षपूर्ण मैच में डेनमार्क के रासमस गेम्के से

23-21, 17-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रियांशु राजावत भी चाउ टीएन चेन से 15-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गए।

चमके उत्तराखंड और दिल्ली के मुक्केबाज

ग्रेटर नोएडा। उत्तराखंड और दिल्ली के मुक्केबाजों ने राष्ट्रीय सब जूनियर चैंपियनशिप में शनिवार को यहां प्रभावशाली प्रदर्शन करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उत्तराखंड के पांच मुक्केबाज अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहे। इनमें आदित्य मेहरा (35 किग्रा), प्रथम चंद (40 किग्रा), प्रज्वल सिंह भंडारी (49 किग्रा), नातियाक प्रसाद (58 किग्रा) और यश कापड़ी (70 किग्रा से अधिक) शामिल हैं। आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और मणिपुर के चार-चार मुक्केबाज भी जीत के साथ लड़कों के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

फुटबॉल...

सिडनी। वांडरर्स फुटबॉल पार्क में वेस्टर्न सिडनी वांडरर्स और वेस्टर्न यूनाइटेड के बीच ए-लीग महिला राउंड 21 मैच के दौरान गेंद के लिए जूझती खिलाड़ी।

भारत और इंग्लैंड मैच के दौरान कमेंट्री में व्यस्त थे कार्तिक

क्रिकेट और कमेंट्री के बीच सामंजस्य बिठाना चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चेन्नई

अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक कमेंट्री से जुड़ी अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण पर्याप्त अभ्यास नहीं करने के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग के शुरुआती मैच में कुछ रन बनाकर खुश हैं।

पिछले आईपीएल के बाद कार्तिक ने विजय हजारे ट्रॉफी के रूप में एकमात्र क्रिकेट टूर्नामेंट खेला था। वह भारत और इंग्लैंड के बीच हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान कमेंट्री करने में व्यस्त थे। उन्होंने स्वीकार किया कि इस दौरान अभ्यास के लिए समय निकालना बहुत मुश्किल था।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बल्लेबाज कार्तिक ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 26 गेंद पर नाबाद 38 रन बनाए जिससे उनकी टीम 6 विकेट पर 173 रन का

सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। कार्तिक ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'कमेंट्री करते हुए टेस्ट मैचों के बीच क्रिकेट खेलने के लिए समय निकालना बेहद चुनौती पूर्ण था। मुझे जो भी समय मिलता था उसमें मैं कड़ी मेहनत करता था।'

बेहद प्रभावशाली रही गायकवाड़ की कप्तानी

चेन्नई। अपने जमाने की दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर चेन्नई सुपर किंग्स के नए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व कौशल से बेहद प्रभावित हैं। महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल से ठीक पहले गायकवाड़ को कप्तानी सौंप दी थी जिन्होंने इस करिश्माई कप्तान की देखरेख में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन करके अपनी टीम को 6 विकेट से जीत दिलाई। गावस्कर ने मैच के बाद कहा, 'निश्चित तौर पर कप्तान के रूप में आपका पदार्पण बेहद महत्वपूर्ण होता है। आप अपने कप्तानी करियर का आगाज जीत से करना चाहते हैं और यही हुआ। उसने जिस तरह से गेंदबाजी में बदलाव किए वह प्रभावशाली था।'

छेत्री 26 को खेलेंगे 150वां अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान के खिलाफ सीनियर पदार्पण करने के करीब दो दशक बाद भारत के करिश्माई फुटबॉलर सुनील छेत्री एक और उपलब्धि हासिल करने को तैयार हैं। वह मंगलवार को गुवाहाटी में अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में अपना 150वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने उतरेंगे।

छेत्री इस उपलब्धि से 150 या इससे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले फुटबॉलरों की सूची में दुनिया के 40वें खिलाड़ी बन जाएंगे जिसमें पुर्तगाली सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो (205) शीर्ष पर काबिज हैं। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले

चरण के मैच में गोल रहित ड्रॉ खेला था। टीम 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के दूसरे दौर में ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। छेत्री ने पहली बार राष्ट्रीय टीम की सीनियर जर्सी 12 जून 2005 को पाकिस्तान के खिलाफ एक मैत्री मैच के दौरान पहनी थी। तब से छेत्री राष्ट्रीय टीम के लिए रिकॉर्ड 93 गोल दाग चुके हैं।

जिला अस्पताल का होगा उन्नयन

कटनी और पन्ना में खुलेंगे मेडिकल कॉलेज

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जिला अस्पतालों को पीपीपी मोड पर देकर मेडिकल कॉलेज खोलने के निर्णय के 15 दिन में ही सरकार ने तीन जिलों में कॉलेज खोलने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। पहले चरण में कटनी, पन्ना और मुरैना में कॉलेज खोले जाएंगे। हर जगह शुरुआत में एमबीबीएस की 100 सीट रहेंगी। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इसके लिए निवेशकों (निजी भागीदार) से आफर बुलाए हैं। मई में निवेशकों का चयन का काम पूरा हो जाएगा। अब यह देखना होगा कि निजी भागीदार इसमें कितनी रुचि दिखाते हैं। मौजूदा जिला अस्पतालों का उन्नयन कर मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। जिला अस्पताल कम से कम 300 बिस्तर के होंगे।

यहां ओपीडी और पहले से चल रही निश्शुल्क जांचों की सुविधा पीपीपी मोड पर भी मिलती रहेगी।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने चार मार्च को ही पीपीपी मोड पर कॉलेज खोलने का निर्णय लिया था। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पीपीपी मोड की परियोजनाओं के संबंध में वर्ष 2010 के परिपत्र में स्पष्ट किया है कि दो या तीन जगह पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर परियोजना का संचालन किया जाए। प्रयोग सफल रहने पर ही अन्य जगह लागू किया जाए। इसी कारण अभी सिर्फ तीन अस्पतालों को लिया गया है। तीनों जगह अभी कोई मेडिकल कालेज नहीं है।

75 प्रतिशत बिस्तरों पर मिलेगा नि:शुल्क उपचार

निजी निवेशक मेडिकल कॉलेज का निर्माण,संचालन और संधारण करेगा। साथ ही जिला अस्पताल का नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के मापदंडों के अनुसार उन्नयन एवं संचालन करेगा। हर विशेषज्ञता में उपलब्ध कुल बिस्तर में से 75 प्रतिशत नि:शुल्क रोगियों के लिए रहेंगे। शेष 25 प्रतिशत पर निजी भागीदार शुल्क ले सकेगा। जिला अस्पताल और मेडिकल कालेज के लिए कर्मचारियों की व्यवस्था भी उसे करनी होगी। 10 से 30 वर्ष के लिए उसे यह काम सौंपा जाएगा।

जबलपुर से कांग्रेस ने दिनेश यादव को उतारा मैदान में

जबलपुर। लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने देर रात जारी चौथी सूची में जबलपुर से दिनेश यादव को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। एलएलबी ग्रेजुएट दिनेश यादव लम्बे समय तक जबलपुर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे है। निवाडगंज के गल्ला व्यापारी परिवार के दिनेश यादव शहर की राजनीति में अपनी महत्वपूर्ण स्थान रखते है। उनके बेटे कांग्रेस के पार्षद है। दिनेश यादव ने कहा, संसाधनों का दुरुपयोग करके यह कागजी भ्रम फैलाया गया है कि भाजपा ही जीत रही है। जबकि हकीकत यह है कि जनता केन्द्र सरकार के 10 सालों के शासन से अब त्रस्त हो चुकी है और बदलाव चाहती है।

राज खुलते ही विश्वविद्यालय ने किया निलंबित

बीएलओ ड्यूटी की छुट्टी लेकर जेल में था रादुविवि कर्मचारी

जबलपुर। बीते दिनों रानी दुर्गावति विश्वविद्यालय को मिली गुमनाम शिकायत सही साबित हुई। शिकायत में कहा गया था एक विश्वविद्यालय का एक कर्मचारी बीएलओ ड्यूटी के नाम पर निकला था, लेकिन भोपा जेल में था। विश्वविद्यालय ने जांच कराने के बाद शिकायत को सही पाया और अब संबंधित कर्मचारी को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई जेल अधीक्षक को भेजे गए पत्र के मिले जबाव के बाद लिया गया है। केंद्रीय जेल अधीक्षक भोपाल ने विश्वविद्यालय प्रशासन को जो जानकारी प्रेषित की है। उसके मुताबिक रादुविवि के कृषि विज्ञान संस्थान में प्रयोगशाला सहायक के पद पर पदस्थ सुरेंश पहाडे विभिन्न धाराओं में दर्ज प्रकरण के चलते 22 नंबवर 2023 से 29 नंबवर 2023 तक जेल में निरूद्ध थे। जेल अधीक्षक से प्राप्त हुए पत्र के आधार पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने मप्र सिविल सेवा (वर्गीकरण,नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 की धारा 9 (2) (क) के तहत सुरेश पहाडे को निलंबित कर दिया। निलंबन काल में नियमानुसार निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। निलंबन अवधि में सुरेश पहाड़े को आरडीयू के बायोसाइंस विभाग में प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करानी होगी।

यह है मामला

गौरतलब है कुछ दिन पहले रादुविवि प्रशासन को एक महिला का पत्र मिला जिसमें 3 महीने पहले के एक मामले का जिक्र था, शिकायत में कहा गया था कि विधानसभा चुनाव के दौरान बीएलओ ड्यूटी के नाम पर निकला कर्मचारी महिला संबंधी अपराध के मामले में जेल की हवा खा रहा था। जिसके बाद विश्वविद्यालय पर आरोप लगने लगे कि लंबे समय तक जेल में रहने के बाद भी उक्त कर्मचारी पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। हालांकि हकीकत यह थी कि किसी विश्वविद्यालय को इस संबंध में कोई जानकारी नहीं थी। पत्र सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने संबंधित कर्मचारी को शोकॉज नोटिस देते हुए स्पष्टीकरण मांगा था। वहीं शिकायत पत्र में बताए गए पुलिस थाने व भोपाल जेल अधीक्षक को पत्र भेजकर भी जानकारी मंगाई गई थी। जिसके बाद विश्वविद्यालय उक्त कर्मचारी को निलंबित कर दिया।

अब 15 मई से शुरू होगी परीक्षाएं

एक बार फिर टल गई नर्सिंग की परीक्षाएं

जबलपुर। मेडिकल विश्वविद्यालय द्वारा एक बार फिर नर्सिंग की परीक्षाओं को टाल दिया गया है। नर्सिंग की परीक्षाएं 19 अप्रैल से शुरू होने जा रही थी। विश्वविद्यालय ने एक बार फिर परीक्षाएं टालने का निर्णय किया है। अब नर्सिंग की परीक्षाएं 15 मई से आयोजित होगी।

विश्वविद्यालय के रजिस्टर पुष्पराज सिंह के अनुसार मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा सभी कॉलेजों में जिन छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया था। उन सभी को परीक्षा में शामिल होने की राहत दी है। पहले 167 नर्सिंग कॉलेज के छात्रों की परीक्षा होनी थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब 350 नर्सिंग कॉलेज के छात्रों की परीक्षा होगी। प्रत्येक परीक्षा में लगभग 35000 छात्र शामिल होंगे। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद परीक्षाओं को टालना पड़ रहा है। विश्वविद्यालय और कॉलेज के कर्मचारियों की चुनाव ड्यूटी लगने के कारण परीक्षा का टाइम टेबल बदला गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240